ज्ञान पथिक   मार्च- 2022

ज्ञान पथिक

अष्टम् अंक (संयुक्तांक)
2017–2022

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,
ललितपुर उ.प्र.

महाविद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य

प्रो. केशव देव

प्राचार्य

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,ललितपुर उ.प्र.

महाविद्यालय पत्रिका
मार्च 2022

ज्ञान पथिक

अष्टम् अंक (संयुक्तांक) 2017–2022

संरक्षक/प्राचार्य

प्रो0 केशव देव

सम्पादक

डॉ0 रीतेश कुमार खरे

असिस्टेंट प्रोफेसर (जन्तु विज्ञान)

सह सम्पादक

श्रीमती अर्चना सूरौठिया

असिस्टेंट प्रोफेसर / पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री बारीष कुमार द्विवेदी

असिस्टेंट प्रोफेसर (भौतिक विज्ञान)

डॉ0 सुनील कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायन विज्ञान)

सदस्य

अदिति सिंह

बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष बायो

आकाश जैन

एम.कॉम. अन्तिम वर्ष

विवेक बुधौलिया

बी.एस–सी. अन्तिम वर्ष मैथ

रघुवीर सिंह, राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर (उ0प्र0)
सम्बद्ध – बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय,झांसी उ.प्र.

अनुक्रमणिका

1. सरस्वती वन्दना
2. महाविद्यालय का कुलगीत
3. संदेश
4. प्राचार्य की कलम से
5. सम्पादकीय
6. महाविद्यालय की प्रगति आख्या
7. महाविद्यालय का इतिहास
8. स्व. श्री रघुवीर सिंह लोधी 'नेताजी' का जीवन वृतान्त
9. महाविद्यालय परिवार
10. महाविद्यालय के विभाग
11. महाविद्यालय के विकास में रूसा का योगदान
12. महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
13. क्रीड़ा विभाग
14. मिशन शक्ति अभियान
15. राष्ट्रीय सेवा योजना
16. रोवर्स रेंजर्स
17. वेबिनार एवं ऑनलाईन शिक्षण समिति/महाविद्यालय के ऑनलाइन प्लेटफार्म
18. संविधान समरसता दिवस कार्यक्रम/छात्र-छात्राओं की महत्तपूर्ण उपलब्धियां
19. विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम
20. महाविद्यालय में आयोजित विविध कार्यक्रम
21. महाविद्यालय में संचालित विद्यार्थी क्लब
22. वृक्षारोपण समिति की आख्या
23. महाविद्यालय में छात्रवृत्ति योजना
24. शुभकामना संदेश/बाढ़ की समस्या का कारण
25. सब्जियों का आल्हा/नेत्रदान
26. अव्यवस्था का कारण कौन ? / किसान दिवस
27. भारत की जनमानस की भाषा हिन्दी/कम्पटीशन का जमाना
28. नशे से हानियाँ/किसान भूखा है।
29. थाह/परीक्षा का भूत
30. सच्चा दोस्त जरूरी है।
31. बायोलॉजी/है इंसा तू
32. जिन्दगी जी के देखो/स्वच्छता के प्रति हमारा कर्तव्य
33. ईश्वर तुमने हमें बनाया/बेटी हूँ मैं
34. बता दो जरा/बेटियाँ बोझ नहीं
35. महिला सशक्तिकरण-व्यंग एवं वाद-विवाद
36. जीवन संघर्ष है परिवर्तन लाने का/मेरा सलाम/चिड़िया कहती
37. समस्या का समाधान/फोन स्मार्ट कैसे बना ?
38. क्या लिखूं
39. जीवन संघर्ष/राष्ट्रभाषा हिन्दी
40. नशे से दूर रहें/सहयोग की भावना
41. शिक्षा का स्तर/मानसिक रोगों का उपचार सम्भव है
42. मेघालयः मेरा अनुभव
43. राष्ट्रीय मतदाता दिवस
44. जीवन में वित्त का महत्व
45. शहीद का संदेश/झांसी की रानी:वीरता की अमर निशानी
46. हमारा बुन्देखण्ड-ऐतिहासिक स्थल व संस्कृति
47. स्वामी विवेकानन्द और वर्तमान आधुनिकता
48. एक गाँव की अधूरी कहानी
49. प्रेरणा दायक कहानी-लकड़हारा
50. सच्चाई/मैं कौन हूँ ?
51. रानू की साईकिल
52. राष्ट्रीय मतदाता दिवस/किताबों के प्रति सम्मान
53. स्वामी विवेकानन्द/पहेलियाँ
54. Role of Career in Life
55. 21 वीं सदी: नैनो विज्ञान एवं प्रद्योगिकी
56. भारत देश में कर प्रणाली
57. भारत में निएसी कुल की विविधता
58. Biodiversity Conservation Essential for Human Existence
59. महाविद्यालय के प्राध्यापकों का सक्षिप्त बायोडाटा
60. महाविद्यालय द्वारा विगत पाँच वर्षों में प्रकाशित शोध कार्य
61. महाविद्यालय से सम्बन्धित विविध तस्वीरें

महाविद्यालय पत्रिका
ज्ञान पथिक

प्रकाशक

पत्रिका समिति

रघुवीर सिहं राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर (उ0प्र0)

बेबसाइटः www.gdclalitpur.ac.in

email: principalrsgdclalitpur@gmail.com

मो.नं.-9450035959

© **प्राचार्य**

कम्प्यूटर कम्पोजिंग

बलराम कम्प्यूटर्स एण्ड ग्राफिक्स

हरदीला, इलाइट चौराहा, ललितपुर

मो.नं. 7985885233

मुद्रक

चित्रांश फ्लैक्स एण्ड ऑफसेट प्रिटिंग,

आजादपुरा,ललितपुर

Mob- 648009000,9616497589

E-mail: chitranshflex@gmail.com

नोट- पत्रिका में प्रकाशित लेखों के सम्बन्ध में सम्पूर्ण उत्तर दायित्व संबन्धित लेखक/रचनाकार/संकलनकर्ता का होगा।

सरस्वती वन्दना

सरस्वती महाभागे विद्ये कमललोचने।
विद्यारूपे विशालाक्षि विद्यां देहि नमोस्तुते।।
या देवी सर्वभूतेषु विद्या-रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै-नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

महाविद्यालय का कुलगीत

नगर ललितपुर का गौरव, बुन्देलखण्ड की शान
शिक्षा दीप प्रकाशित करता, हमको इस पर मान
सा विद्या या विमुक्तए, सा विद्या या विमुक्तए।
राजकीय महाविद्यालय यह, आर.एम.वी. कहलाए
इसकी ज्ञान पताका देखो, दूर तलक लहराए
सा विद्या या विमुक्तए, सा विद्या या विमुक्तए।
भेदभाव के बिना हमारा, उत्तम शिक्षा दाता
देश की सेवा करने लायक, हमको योग्य बनाता
सा विद्या या विमुक्तए, सा विद्या या विमुक्तए।
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में, ऊंचा इसका नाम
अनुशासित शिक्षण से देता, सर्वोत्तम परिणाम
सा विद्या या विमुक्तए, सा विद्या या विमुक्तए।
है कुटुम्ब यह सारी बसुधा, मूल मंत्र सिखलाता
कर्तव्यों मानव मूल्यों का, हमको पाठ पढ़ाता
सा विद्या या विमुक्तए, सा विद्या या विमुक्तए।

डॉ0 रीतेश कुमार खरे 'सत्य'
असिस्टेंट प्रोफेसर (जन्तु विज्ञान)
द्वारा दिनांक 06 फरवरी 2022 को रचित

डॉ. अमित भारद्वाज
निदेशक,उच्च शिक्षा

उच्च शिक्षा निदेशालय, उ.प्र.
प्रयागराज
0532-2623874 (का.)
9412582038 (मो.)
दिनांक : 23/03/2022

सन्देश

हर्ष का विषय है कि **रघुवीर सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,ललितपुर** अपने महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं में लेखन प्रतिभा को विकसित करने तथा उनकी अभिव्यक्ति को मैलिकता प्रदान करने के उद्देश्य से महाविद्यालय की पत्रिका **''ज्ञान पथिक''** को प्रकाशित कराने जा रहा है। यह एक प्रशंसनीय कार्य है। महाविद्यालय परिवार के साथ देश एवं समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा मे **''ज्ञान पथिक''** पत्रिका सशक्त माध्यम बन सकती है। मुझे विश्वास है कि पत्रिका के माध्यम से शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति एवं रचनात्मक प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर प्राप्त होगा। एवं उनका संवर्द्धन भी होगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

डॉ. (अमित भारद्वाज)

सेवा में,
प्रो. केशव देव
प्राचार्य,
रघुवीर सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
ललितपुर (उ.प्र.)

प्रो० मुकेश पाण्डेय
कुलपति

Prof. Mukesh Pandey
Vice- Chancellor

बुन्देखण्ड विश्वविद्यालय
झांसी–284 128 (उ.प्र.) भारत

BUNDELKHAND UNIVERSITY
JHANSI-284 128 UP (INDIA)

पत्रांक सं. – 5353
दिनांक 17.01.2022

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पथिक' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में प्रकाशित लेख, कविताओं आदि में ऐसी जानकारियों का समावेश किया जायेगा जो कि नवागंतुक विद्यार्थियों को उनके भविष्य में अपना लक्ष्य पाने में सहायक सिद्ध होगीं।

मेरी ओर से पत्रिका के प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित हैं।

शुभकामनाओं सहित

प्रो. केशव देव
प्राचार्य
रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,
ललितपुर (उ.प्र.)

प्रो० मुकेश पाण्डेय
कुलपति

Phone : 0510-2320497, 2321390 (O) 2320046 (R) 7076501601 (M)
Fax : 0510-2320761 (O), 2320762 (R) email: vc@bujhanshi.ac.in

डॉ0 (राजेश प्रकाश)
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
झांसी/चित्रकूट धाम मण्डल

कचहरी चौराहा
झोकन बाग रोड़, झांसी
दूरभाष/फैक्स- 0510-2370060

दिनांक- 12.03.2022

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पथिक' वर्ष 2021-2022 का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा है कि पत्रिका 'ज्ञान पथिक' छात्र/छात्राओं के मार्गदर्शन, सर्वांगीण विकास एवं सृजनात्मक क्षमता के विकास में सहयोग प्रदान करेगी।

मेरी ओर से पत्रिका 'ज्ञान पथिक' के सफल प्रकाशन हेतु प्राचार्य, सम्पादक मण्डल एवं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभमंगलकामनाएं।

सेवा में,
प्रो. केशव देव
प्राचार्य
रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,
ललितपुर (उ.प्र.)

डॉ0 (राजेश प्रकाश)
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
झांसी/चित्रकूट धाम मण्डल

आलोक सिंह
आई.ए.एस.

जिलाधिकारी,ललितपुर (उ.प्र.)
05176-273523 (कार्यालय)
272201 (निवास/फैक्स)
9454417549 (मोबाईल)
dmlal@nic.in(E-mail)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं में लेखन प्रतिभा को विकसित करने तथा उनकी अभिव्यक्ति को मौलिकता प्रदान करने के उद्देश्य से वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पथिक' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा है कि उक्त पत्रिका छात्र/छात्राओं के मार्गदर्शन,सर्वांगीण विकास एवं सृजनात्मक क्षमता के विकास में सहयोग प्रदान करेगी, जो विद्यार्थियों को उनके भविष्य में अपना लक्ष्य पाने में सहायक सिद्ध होगी।

मेरी ओर से पत्रिका 'ज्ञान पथिक' के सफल प्रकाशन हेतु प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं।

भवनिष्ठ,

(आलोक सिंह)

प्रो. केशव देव
प्राचार्य
रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,
ललितपुर (उ.प्र.)

प्राचार्य की कलम से

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर की पत्रिका 'ज्ञान पथिक' के अष्ट्म अंक (संयुक्तांक) सत्र 2017-2022 को विद्यार्थियों, शिक्षाविदों तथा सुधी पाठकों के हाथों में सौंपते हुए अत्यन्त प्रसन्नता तथा आत्मसंतुष्टि का अनुभव हो रहा है। महाविद्यालय की पत्रिकाएं छात्र-छात्राओं में छिपी हुई रचनात्मकता को बाहर लाने का सबसे बड़ा माध्यम होती हैं। साहित्य को समाज का दर्पण माना गया है। अत: पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों, कविताओं आदि में समाज की वास्तविक स्थिति परिलक्षित होती है।

विगत कई वर्षों से कतिपय कारणों से पत्रिका का प्रकाशन सम्भव नहीं हो पा रहा था। वर्तमान सत्र में पत्रिका के सम्पादक डॉ० रीतेश कुमार खरे तथा उनकी पूरी टीम के कठिन परिश्रम के फलस्वरूप इस अंक का प्रकाशन सम्भव हुआ है। पत्रिका में प्रथम बार महाविद्यालय के कुलगीत को स्थान प्रदान किया गया है इसके लेखन के लिए पत्रिका के सम्पादक बधाई के पात्र हैं। पत्रिका में विगत 05 सत्रों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को संकलित किया गया है। इसमें शैक्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ पाठ्येत्तर क्रियाकलापों में छात्र-छात्राओं के योगदान को समान रूप से सम्मिलित किया गया है ताकि छात्र-छात्राओं को उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया जा सके।

यह महाविद्यालय उत्तर प्रदेश राज्य के पिछडे माने जाने वाले बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थित है। इसमें अध्ययनरत अधिकांश छात्र-छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र के निम्न आय वर्ग से आते हैं अत: प्रतिस्पर्धा के इस युग में छात्र-छात्राओं को हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए उनमें छिपी प्रतिभाओं की खोज करना अतिआवश्यक है। इस क्रम में भी महाविद्यालय की पत्रिकाएं उपयोगी मानी जाती हैं।

विगत दो सत्रों में कोविड महामारी के चलते शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। वर्तमान सत्र 2021-22 से महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। अत: एक नई ऊर्जा के साथ यह महाविद्यालय अपने कार्य में संलग्न है।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग प्रदान करने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को हार्दिक धन्यवाद तथा बधाई देता हूं। इसके साथ पत्रिका के प्रकाशन को सम्भव बनाने में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए सम्पादक मण्डल को विशेष बधाई प्रदान करता हूं। विद्यार्थियों से यह अपेक्षा है कि भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी रचनात्मक क्षमता को विशेष महत्व प्रदान करें तथा राष्ट्र की उन्नति तथा गरिमामयी संस्कृति के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें।

प्रो० केशव देव
प्राचार्य

सम्पादकीय

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर की वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पथिक' के अष्टम अंक का संयुक्तांक के रूप में पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। शिक्षा को जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया माना गया है और हम सभी ज्ञान प्राप्ति के मार्ग में निरंतर गतिशील हैं अत: सर्व सम्मति से पत्रिका का नाम ''**ज्ञान पथिक**'' रखा गया है। महाविद्यालय में संयुक्तांक के रूप में पत्रिका प्रकाशन की परम्परा रही है। पत्रिका के पंचम् तथा षष्ठम् संयुक्तांक 'प्रगति' का प्रकाशन क्रमश: वर्ष 1999 एवं वर्ष 2003 में किया गया। इसी क्रम में पत्रिका के सप्तम् संयुक्तांक 'जागृति' को वर्ष 2007 में प्रकाशित किया गया। इसके पश्चात् कई वर्षों से पत्रिका का प्रकाशन सम्भव नहीं हो सका। वर्तमान सत्र 2021-22 में महाविद्यालय के संरक्षक तथा हमारे प्रेरणास्त्रोत, प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में पत्रिका के वर्तमान अंक का प्रकाशन हो रहा है। सम्पादक मण्डल के हमारे सहयोगी साथियों एवं छात्र-छात्राओं के रचनात्मक सहयोग से पत्रिका में विभिन्न क्षेत्रों से सामग्री को संकलित कर पूर्णता प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

पत्रिका के वर्तमान अंक में उच्च अधिकारियों द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेशों के लिए सम्पादक मण्डल हृदय से आभारी है। संदेशों के माध्यम से हमारे उत्साह में ऊर्जा का नवीन संचार हुआ है। पत्रिका में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के लेखों, कविताओं, महाविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं समितियों की आख्याओं, आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों, छात्र-छात्राओ की प्रतियोगिताओं तथा महाविद्यालय की अन्य उपलब्धियों को पर्याप्त स्थान दिया गया है। कार्यरत शिक्षको के संक्षिप्त बायोडाटा के साथ-साथ विगत पाँच वर्षों में प्रकाशित शोध कार्यों को भी संकलित किया गया है। पत्रिका में प्रथम बार महाविद्यालय के कुलगीत को स्थान दिया गया है।

पत्रिका में आजादी के अमृत महोत्सव, राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम, संविधान तथा समरसता कार्यक्रम, वृक्षारोपण कार्यक्रम, मिशन शक्ति कार्यक्रम आदि को विशेष महत्व प्रदान किया गया है ताकि छात्र-छात्राओं को अखण्ड राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित किया जा सके।

पत्रिका की सहसम्पादक श्रीमती अर्चना सूरौठिया, श्री बारीष कुमार द्विवेदी एवं डॉ. सुनील कुमार के साथ-साथ समस्त शिक्षक साथियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने अपना अमूल्य योगदान दिया गया है फलस्वरूप पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हुआ है।

पत्रिका के प्रकाशन में अपना अमूल्य सहयोग, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान करने के लिए उच्च अधिकारियों, हमारे मार्गदर्शक सम्माननीय प्राचार्य जी एवं समस्त सहयोगी प्राध्यापक बन्धुओं को सादर धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। यदि पत्रिका में प्रकाशित किसी सामग्री में कोई त्रुटि रह गई हो तो उसके लिए क्षमा प्रार्थी हूं। आशा है कि आप सभी का स्नेह तथा मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहेगा।

डॉ० रीतेश कुमार खरे
सम्पादक

महाविद्यालय की प्रगति आख्या

उत्तर प्रदेश राज्य का बुन्देलखण्ड क्षेत्र राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। इस क्षेत्र की मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित ललितपुर जनपद के जिला मुख्यालय में स्थित रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर की स्थापना स्थापना 41 वर्ष पूर्व सन् 1981 में की गई। यह महाविद्यालय विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग की स्नातक तथा परास्नातक कक्षाओं के शिक्षण कार्य हेतु बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। स्थापना वर्ष में यह महाविद्यालय 07 प्राध्यापकों तथा 17 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ वर्तमान जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के कमरों में प्रारम्भ किया गया। इस वर्ष कुल 80 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। जुलाई 1998 से महाविद्यालय अपने वर्तमान नवीन स्थाई भवन में स्थानांतरित हो गया।

सत्र 2021-2022 में महाविद्यालय में 11 प्राध्यापक एवं 04 शिक्षणेत्तर कर्मचारी कार्यरत हैं। वर्तमान सत्र में 858 विद्यार्थी अध्ययनरत् है। शासन द्वारा इस महाविद्यालय में 01 प्राचार्य, 22 प्राध्यापक तथा 27 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में 35 पद रिक्त चल रहे हैं जिनको भरे जाने हेतु शासन से मांग की गई है।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग जनपद ललितपुर के नोडल महाविद्यालय के रूप में निरन्तर कार्यरत है तथा शासन की सभी योजनाओं के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु कृतसंकल्पित है। महाविद्यालय अपने अनुशासन, नकलविहीन परीक्षाओं के आयोजन तथा उत्कृष्ट शिक्षण हेतु जाना जाता है। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उच्च अंक प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित करते रहे हैं। महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा निष्ठा एवं लगन के साथ शिक्षण कार्य किया जाता है जिसके कारण पिछड़े क्षेत्रों के निर्धन छात्र-छात्राओं को अपने भविष्य के सपनों को साकार करने में सहायता मिलती है।

महाविद्यालय द्वारा विगत 4 सत्रों में निरन्तर बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनपद में एक लाख से अधिक तथा महाविद्यालय में 5 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। महाविद्यालय में वर्तमान में 2 हजार से अधिक पौधे जीवित हैं।

महाविद्यालय में उत्तम शैक्षिक वातावरण की स्थापना के लिए 41 समितियों का गठन किया गया है। समिति के प्रभारी एवं सदस्यों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है जिससे महाविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति दृष्टिगोचर हो रही है।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रोबर्स-रेंजर्स के स्वयं सेवियों ने कोरोना महामारी के कठिन दौर में सराहनीय योगदान दिया है। विगत सत्रों में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र तथा छात्रा इकाई द्वारा चयनित बस्तियों में स्वच्छता, पर्यावरण, जन जागरूकता आदि कार्यक्रम चलाकर सराहनीय कार्य किया गया। सत्र 2020-21 में रोबर्स-रेंजर्स के प्रतिभागियों ने प्रवेश/निपुण प्रशिक्षण एवं समागम कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। सत्र 2021-22 में भी प्रतिभागियों ने अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

महाविद्यालय में सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए 20622 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय का ऑटोमेशन किया गया है जिससे सुविधापूर्ण तरीके से पुस्तकों का वितरण सम्भव हुआ है।

महाविद्यालय की क्रीड़ा परिषद द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक क्रीड़ा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें छात्र-छात्रा वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभा को तरासने का कार्य किया जाता है। इस कार्यक्रम में सत्र की विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों के साथ-साथ मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाता है।

ज्ञान पथिक

महाविद्यालय में समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) तथा शासन द्वारा अनुदान दिया जाता है जिसका उपयोग कर विगत सत्रों में रसायन विज्ञान पी.जी. लैब, स्मार्ट क्लासरूम, कम्प्यूटर लैब, सोलर पैनल, ओपन जिम की स्थापना के साथ-साथ सेमिनार हॉल, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, प्राचार्य कक्ष एवं शिक्षण कक्षों को बेहतर बनाया जा सका है।

महाविद्यालय द्वारा विगत तीन सत्रों में बालिकाओं के आत्मसम्मान, सुरक्षा तथा स्वावलम्बन के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाया गया है जिसमें योगाभ्यास, आत्मरक्षाभ्यास, स्वास्थ्य तथा पोषण, हेल्पलाइन नम्बर, कानूनी प्रावधान आदि विषयों पर कार्यक्रम/संगोष्ठी आयोजित कर छात्राओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका तथा उपसंयोजिका को इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय, ललितपुर द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

कोरोना महामारी के कठिन दौर में महाविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया गया इसी क्रम के राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ई-कण्टेन्ट आदि से सम्बन्धित उत्कृष्ट कार्य हेतु इस महाविद्यालय के 07 प्राध्यापकों को वर्ष 2021 में शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया।

इस महाविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन आय वर्ग के छात्र-छात्राओं को उनकी शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शासन की छात्रवृत्ति योजना से आच्छादित किया गया है इसके अलावा महाविद्यालय में संचालित निर्धन छात्र कल्याण निधि से अति निर्धन छात्र-छात्राओं को विशेष सहायता प्रदान की जाती है।

यह महाविद्यालय नैक मूल्यांकन में बी-ग्रेड प्राप्त महाविद्यालय है। महाविद्यालय की आई.क्यू.ए.सी. एवं नैक मूल्यांकन समिति द्वारा महाविद्यालय को ए-ग्रेड हेतु प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए महाविद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण सुधार किया जा रहा है। उच्च स्तरीय संस्थाओं के साथ अनुबंध हेतु प्रयास किया जा रहा है।सत्र 2021-2022 से इस महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया गया है। स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को मेजर विषयों के साथ-साथ माइनर प्रश्नपत्रों के शिक्षण की व्यवस्था की गई है। इस हेतु अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ एम.ओ.यू. किया जा रहा है।

महाविद्यालय में रैगिंग को पूर्णतः प्रतिबन्धित किया गया है। इसके साथ-साथ छात्राओं को विशेष सहायता प्रदान करने के लिए महिला शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

महाविद्यालय में बदलते परिवेश के अनुरूप छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षण प्रदान करने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि बुन्देलखण्ड के पिछड़े क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य के सपनों को साकार करने में सहायता मिल सके। महाविद्यालय के विकास में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को हृदय से साधुवाद देता हूं। आशा है यह महाविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयास से इसी प्रकार भविष्य में उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए अपने लक्ष्य के उच्च शिखर को प्राप्त होगा।

प्रो0 केशव देव
प्राचार्य

महाविद्यालय का इतिहास

बुन्देलखण्ड के सबसे पिछड़े क्षेत्र जनपद ललितपुर में शासनादेश संख्या 2727/15-81(11)12(8)/81 दिनांक 30.05.1981 द्वारा इस महाविद्यालय की स्थापना एवं विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय से स्नातक स्तर पर हुई। विज्ञान में गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान के विषयों में अध्ययन प्रारम्भ हुआ। महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य डॉ0 राजेन्द्र कुमार दीक्षित दिनांक 31.07.1981 से 30.06.1987 तक कार्यरत रहकर यहीं से सेवानिवृत्त हुए। कार्यालय में सर्वप्रथम श्री रामनरेश, वरिष्ठ कार्यालय अधीक्षक, श्री ग्याप्रसाद, परिचारक एवं श्री चन्द्र कुमार लोहिया, कनिष्ठ लिपिक ने कार्यालय की स्थापना में अपना योगदान दिया। प्रारम्भ में महाविद्यालय जूनियर ट्रेनिंग कॉलेज के छात्रावास के 06 कमरों में संचालित रहा। वर्ष 1998 में महाविद्यालय को नवीन भवन में स्थानान्तरित किया गया।

महाविद्यालय की अचल सम्पत्ति में कुल तीन भू-खण्ड हैं प्रथम भू-खण्ड वर्तमान महाविद्यालय परिसर है जिसका क्षेत्रफल 5.50 हेक्टेयर है। दूसरा भूखण्ड हवाई पट्टी के निकट स्थित है जिसका क्षेत्रफल लगभग 4.781 हेक्टेयर है। दोनों का संयुक्त क्षेत्रफल 10.2810 हेक्टेयर है जो कि 14 गाटा में समाहित है इनकी गाटा संख्या 6045/2, 5335, 5244, 5258, 5259मि, 5274, 5245, 5331, 5258/6949, 5257/6948, 5994/1, 5231, 6045/1 तथा 5336 है जबकि तीसरा भूखण्ड सिद्धन मंदिर के पास बुढ़वार रोड़ पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 5.5640 हेक्टेयर है जिनके गाटा संख्या 619मि, 606मि, 617, 616मि तथा 619 है।

वर्ष 1981 से लेकर 2012 तक महाविद्यालय में स्नातक स्तर तक की कक्षाएं संचालित थीं। इसके उपरान्त शासनादेश संख्या 1552/सत्तर-5-2013-41(12)/2012 दिनांक 05.08.2013 के द्वारा परास्नातक कक्षाएं प्रारम्भ की गई इस समय डॉ0 निर्मल चन्द्र गुप्ता, प्राचार्य पद पर कार्यरत थे। उन्होंने इसी सत्र से एम.एस-सी. एवं एम.कॉम. की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ किया।
स्थापना वर्ष से लेकर वर्ष 1997 तक महाविद्यालय का नाम राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर रहा। इसके उपरान्त शासनादेश संख्या 3901/सत्तर-5-98-40(13)/98 दिनांक 25.11.1998 द्वारा महाविद्यालय का नाम परिवर्तित कर रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर कर दिया गया। इसके साथ स्वीकृत पदों की संख्या बढ़कर 50 हो गई। जिनमें से वर्तमान में 15 का स्टॉफ कार्यरत है। महाविद्यालय को सभी संचालित विषयों में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है। महाविद्यालय को 21 फरवरी 2014 में नैक मूल्यांकन में बी-ग्रेड प्रदान किया गया। इस समय नैक कॉआर्डीनेटर प्रो. केशव देव थे वर्तमान में महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

विगत पांच वर्षो मे सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची

क्र.स.	महाविद्यालय से सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	प्रो. जे.पी.सिंह	प्राचार्य	31.07.2020
2.	श्री कैलाश नारायण पुरोहित	प्रयोगशाला परिचर	30.06.2017
3.	श्री राम प्रताप	कार्यालय परिचर	31.07.2017
4.	श्री चुन्नी लाल	प्रयोगशाला परिचर	31.05.2020
5.	श्री सुखसिंह यादव	प्रयोगशाला परिचर	31.08.2021

चन्द्र कुमार लोहिया
कार्यालय अधीक्षक

महाविद्यालय के प्राचार्यों की सूची

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर के नाम को सुशोभित करने वाले स्व. श्री रघुवीर सिंह लोधी ''नेताजी'' का जीवन वृतान्त

जन्म तिथि 12 दिसम्बर 1929

जन्म स्थान – ग्राम भैलौनी लोध, विकास खण्ड– बार जनपद ललितपुर

पिता– दाऊ जू श्री कुन्जीलाल

माता– श्रीमती कौशल्या देवी

पत्नी– श्रीमती सुमित्रा देवी

पुत्र/पुत्रियां– तीन पुत्र व दो पुत्रियां

शिक्षा– स्नातक स्तर तक

प्रारम्भ जीवन वृत में शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् 1946 ई0 में अहमदाबाद (गुजरात) में राजनैतिक उथल–पुथल के दौरान स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया और देश आजाद होने पर 1949 ई0 में गांव वापिस आकर ललितपुर मुख्यालय पर प्रेस संचालित की तथा सन् 1951 ई0 में राष्ट्रवादी विचारधारा होने से जनसंघ संस्थापक मण्डल में जनपद झांसी–ललितपुर का प्रतिनिधित्व किया।

जनपद ललितपुर की भौगोलिक स्थिति से भली–भांति अवगत होने से ग्रामीण क्षेत्र को मुख्य रूप से जनसेवा का केन्द्र बिन्दु माना व राजनैतिक स्थिति से जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, जिला संगठन मंत्री झांसी एवं जिला पंचायत सदस्य व जिला सिंचाई सलाहकार एवं ऊर्जा समिति सदस्य रह कर अपने दूर दराज के गरीब शोषित व दबे–कुचले लोगों की मदद के लिए स्वयं को समर्पित किया। उनकी व्यक्तिगत डायरी से उनकी योजनाओं का पूर्ण उल्लेख मिलता है। प्रत्येक गांव का जन सम्पर्क मार्गों से जोड़ना, शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्तियों को साकार होने मे पूर्ण मानना, दरिद्र नारायण को नारायण मानकर सेवा करना। सन् 1967 ई0 में बुन्देलखण्ड के गांधी व महामना मदनमोहन मालवीय कहे जाने वाले स्वामी ब्रह्मानन्द, सांसद राठ के साथ ललितपुर के ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण करने पर उनकी प्रेरणा से शिक्षा क्षेत्र को कार्य क्षेत्र बनाया और ''शिक्षा प्रसार समिति'' की स्थापना की। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों का शुभारम्भ कराया जो आज भी कार्यरत व प्रगति पर है आपने शिक्षा प्रसार समिति को 13 एकड़ भूमि समर्पित की।

इमरजैन्सी के दौरान डी0आई0आर0 में झांसी कारागार सेन्ट्रल जेल में रहकर यातनाएं सहीं व भविष्य की राजनीति की रणनीति तय की। इसके पूर्व गांव का विशेष आन्दोलन, कश्मीर आन्दोलन में भाग लिया तथा समय–समय पर विभिन्न आन्दोलनों में जेल यात्राएं की। इसके पश्चात् आप ललितपुर क्षेत्र में शिक्षा के उत्थान में निरन्तर कार्य करते रहे तथा नवीन शिक्षण संस्थाओं की स्थापना में अपना योगदान देते रहे।

संकट की घड़ी 14 दिसम्बर 1989 को उस समय घटित हुई जब पार्टी के कार्य से नेताजी एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए जा रहे थे, जिस जीप में बैठे थे, उसी की दुर्घटना होने पर घायल हुए तथा ग्वालियर (म.प्र.) में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली, पार्थिव शरीर गांव लाया गया, जहां अपने नेताजी को हजारों नागरिकों ने अंतिम विदाई दी।

मरणोपरांत सम्मान स्वरूप 26 सितम्बर 1998 ई0 को राजकीय महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के समय, तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ0 नरेन्द्र सिंह गौर, स्वास्थ्य व चिकित्सा राज्य मंत्री श्री डॉ0 अरविन्द कुमार जैन, सांसद श्री राजेन्द्र अग्निहोत्री, उच्च शिक्षा निदेशक डॉ0 शिवशंकर सिंह एवं बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 गार्गी जब मंचासीन थे और करोड़ो रूपयों के मूल्य से निर्मित भवन के लोकार्पण का उत्सव मना रहे थे, तब स्व0 रघुवीर सिंह जी की अनुपस्थिति का आभास होने पर सभी का दिल भारी हो गया और एक स्वर में उद्घाटन स्थल पर ही एक सच्चे कर्मयोगी नेताजी के नाम पर जनपद के उच्च शिक्षा के केन्द्र, इस महाविद्यालय का नामकरण रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय के रूप में कर दिया गया फलस्वरूप यह महाविद्यालय इनके नाम से सुशोभित है तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति पर अग्रसर है।

रमेश कुमार सिंह (एडवोकेट)
पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह
प्रबन्धक शिक्षा समिति, भैलौनी लोध,
विकास खण्ड–बार, जिला–ललितपुर

महाविद्यालय परिवार

प्रो0 केशव देव, प्राचार्य एवं संरक्षक

भौतिक विज्ञान विभाग

1. प्रो0 केशव देव, एसोसिएट प्रोफेसर
2. डॉ0 देवेन्द्र कुमार साहू, असिस्टेंट प्रोफेसर
3. श्री बारीष कुमार द्विवेदी, असिस्टेंट प्रोफेसर

रसायन विज्ञान विभाग

1. डॉ0 सुनील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ0 रवीन्द्र कुमार सरौनियां, एसोसिएट प्रोफेसर
2. श्रीमती अनुराधा, असिस्टेंट प्रोफेसर
3. डॉ0 रीतेश कुमार खरे, असिस्टेंट प्रोफेसर

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ0 मनीष कुमार वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर
2. सुश्री इच्छा ओमर असिस्टेंट प्रोफेसर

वाणिज्य विभाग

1. श्री विजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर

पुस्तकालय एवं कार्यालय स्टॉफ

1. श्रीमती अर्चना सूरौठिया, असिस्टेंट प्रोफेसर / पुस्तकालयाध्यक्ष
2. श्री चन्द्र कुमार लोहिया, कार्यालय अधीक्षक
3. श्री राम सागर सरोज, कनिष्ठ सहायक
4. श्री पुरूषोत्तम, कार्यालय परिचारक
5. श्री छोटेलाल, पुस्तकालय परिचर

महाविद्यालय में स्वीकृत पदों की वर्तमान स्थिति

क्र.स.	पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
1.	प्राचार्य	01	0	01
2.	प्रवक्ता भौतिक विज्ञान	03	03	0
3.	प्रवक्ता रसायन विज्ञान	04	01	03
4.	प्रवक्ता जन्तु विज्ञान	03	03	0
5.	प्रवक्ता वनस्पति विज्ञान	03	02	01
6.	प्रवक्ता गणित	03	0	03
7.	प्रवक्ता वाणिज्य	05	01	04
8.	प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा	01	0	01
9.	पुस्तकालयाध्यक्ष	01	01	0
10.	कार्यालय अधीक्षक	01	01	0
11.	कनिष्ठ सहायक	01	01	0
12.	प्रयोगशाला सहायक	05	0	05
13.	दफ्तरी	01	0	01
14.	कार्यालय/पुस्तकालय परिचारक	06	01	05
15.	प्रयोगशाला परिचर	09	0	09
16.	सफाई कर्मी	01	0	01
17.	माली	01	01	0
18.	चौकीदार	01	0	01
	योग	50	15	35

वाणिज्य विभाग

महाविद्यालय का वाणिज्य विभाग प्रथम तल पर स्थित है विभाग में सन् 1981 से बी.कॉम तथा सन् 2013 से एम.कॉम की कक्षाऐं संचालित है वर्तमान सत्र में बी.कॉम में 204 तथा एम.कॉम में105 विद्यार्थी पंजीकृत है विभाग में कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है इसके माध्यम से कम्प्यूटराइज्ड एकाउन्टिंग की कक्षाओं का संचालन किया जाता है विभाग में प्रवक्ता के पाँच पद स्वीकृत है इनमें से 4 पद रिक्त चल रहें है वर्तमान में श्री विजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर/विभाग प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

विजेन्द्र सिंह
प्रभारी वाणिज्य विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के प्रथम तल पर स्थित वनस्पति विज्ञान विभाग में स्नातक सन् 1981 से एवं परास्नातक की कक्षाएं सन् 2013 से संचालित हैं। विभाग प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन हेतु प्रयोगशाला उपकरण जैसे- बी.ओ.डी. मशीन, ऑटो क्लेव, सेन्ट्रीफ्यूज, कैमरा ल्यूशिडा, ओवेन, शेकर, स्पेक्ट्रोफॉटोमीटर, माइक्रोवेब, हॉट प्लेट एवं कैमीकल्स इत्यादि समस्त आवश्यक सामग्री मौजूद हैं। विभाग में विभागीय लाइब्रेरी की सुविधा भी है जिसमें एम.एस-सी. के छात्र-छात्राओं के लिए नेट की तैयारी हेतु भी पुस्तकें उपलब्ध हैं।
वर्तमान में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष 60 द्वितीय वर्ष 69 तथा तृतीय वर्ष 79 विद्यार्थी अध्ययनरत है। वही एम.एस-सी. प्रथम व द्वितीय वर्ष 15-15 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विभाग में वर्तमान मे 02 शिक्षक डॉ. मनीष कुमार वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सुश्री इच्छा ओमर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर कार्यरत हैं। एक पद प्रयोगशाला परिचर तथा एक पद प्रयोगशाला सहायक का वर्तमान में रिक्त है। विभाग में निरन्तर पाठ्यक्रम अनुसार सेमिनार एवं विभागीय अन्य गतिविधियां संचालित हैं।

डॉ. मनीष कुमार वर्मा,
प्रभारी वनस्पति विज्ञान विभाग

भौतिक विज्ञान विभाग

महाविद्यालय का भौतिक विज्ञान विभाग भू तल पर स्थित है। विभाग में स्नातक की कक्षाएं 1981 से एवं परास्नातक की कक्षाएं 2013 से संचालित हैं। विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन हेतु प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोगो के उपकरण जैसे- Michelson Morley Experiment, Four Probe Experiment, Hall Effect, Transister Characeristics, E/M by Thomson Effect, E/M by Hallical Method, SCR Characeristics, LDR Characeristics, Diode Characeristics, Maxwell Needle, Power Suply Characeristics, LDR Bridge, Dielectric Constant Measurement, Dielectric Loss Measurement आदि उपलब्ध है।
विभाग में वर्तमान मे 03 शिक्षक प्रो.केशव देव, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. ढेवेन्द्र कुमार साहू, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं श्री बारीष कुमार द्विवेढी, असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत हैं। प्रयोगशाला परिचर एवं प्रयोगशाला सहायक का एक-एक पद वर्तमान में रिक्त है। विभाग में विभागीय प्रतियोगिताएं, सेमिनार आदि का आयोजन किया जाता है। छात्र-छात्राओं के ऑनलाइन शिक्षण एवं ऑनलाइन शिक्षण सामग्री की व्यवस्था विभाग द्वारा की गयी है।

प्रो.केशव देव,
प्रभारी भौतिक विज्ञान विभाग

जन्तु विज्ञान विभाग

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर का जन्तु विज्ञान विभाग प्रथम तल पर स्थित है। विभाग में स्नातक की कक्षाएं 1981 से एवं परास्नातक की कक्षाएं 2013 से संचालित हैं। विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन हेतु प्रयोगशाला उपकरण जैसे- माइक्रोटोम, माइक्रोस्कॉप, बी.ओ.डी. मशीन, ऑटोक्लेव, सेन्ट्रीफ्यूज, ओवेन, डीपफ्रीजर, माइक्रोवेव, हीमोमीटर, हीमोसाइटोमीटर, स्फिग्मोमेनोमीटर, डिजीटल पी.एच. मीटर, ग्लूकोमीटर, आदि उपलब्ध हैं प्रयोगशाला में 200 स्पेसिमेन्स, 300 स्लाइड्स, कई मॉड्ल्स, प्रोजेक्टर, आवश्यक कैमीकल्स इत्यादि सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्राध्यापकों द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

वर्तमान में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष में 60 द्वितीय वर्ष में 69 तथा तृतीय वर्ष 73 विद्यार्थी अध्ययनरत है। वही एम.एस-सी. प्रथम व द्वितीय वर्ष में क्रमशः 15 व 12 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विभाग में वर्तमान मे 03 शिक्षक डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां, एसोसिएट प्रोफेसर, श्रीमती अनुराधा, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं डॉ० रीतेश कुमार खरे, असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत हैं। प्रयोगशाला परिचर एवं प्रयोगशाला सहायक का एक-एक पद वर्तमान में रिक्त है। विभाग में विभागीय प्रतियोगिताएं, सेमिनार तथा शैक्षिक भ्रमण का अयोजन किया जाता है। एम. एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को लघु शोध प्रबन्ध भी कराया जाता है।

शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का विवरण

क्र.स.	सत्र	दिनांक	स्थान
1.	2017-18	05.12.2017	टसर रेशम फार्म,घिसौली,झांसी
2.	2018-19	02.12.2018	टसर रेशम फार्म,घिसौली,झांसी
3.	2019-20	24.11.2019	लेयर पॉल्ट्री फार्म,टेरा,ललितपुर
4.	2020-21	22.01.2021	गोविन्द सागर बांध,ललितपुर
5.	2021-22	13.01.2022	गोविन्द सागर बांध,ललितपुर

सत्र 2017-18 में दिनांक 12 से 13 मई 2018 को विभाग द्वारा "Social Insects and Environment" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां
प्रभारी, जन्तु विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में बी.एस-सी. त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की कक्षाएं सन् 1981 से एवं एम.एस-सी. द्विवर्शीय पाठ्यक्रम की कक्षाएं सन् 2013 से संचालित हैं। रसायन विज्ञान विभाग में डॉ. सुनील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान के पद पर कार्यरत हैं। विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के 03 पद रिक्त हैं। इसके अलावा प्रयोगशाला सहायक तथा प्रयोगशाला परिचर के पद भी रिक्त हैं। विभाग में स्नातक एवं परास्नातक स्तर की प्रयोगशाला उपलब्ध हैं जहां पर Centrifuge, Hot air oven, Spectro photometer, Autoclave, Hotplate with Magnetic Stirrer, Gas plant एवं अन्य उपकरण तथा कैमीकल्स विद्यार्थियों के प्रायोगिक कार्य हेतु उपलब्ध हैं। विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को लघु शोध हेतु प्रेरित किया जाता है तथा आस पास

के वातावरण में होने वाले परिवर्तनों, प्रदूषण और उसकी रोकथाम आदि विषयों पर प्रोजेक्ट तैयार कराये जाते हैं। सत्र 2021-22 में बी.एस-सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में क्रमश: 146, 131 एवं 76 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जबकि एम.एस-सी. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में क्रमश: 15 एवं 07 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। गत वर्ष में रसायन विज्ञान विभाग का परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत से अधिक रहा।

डॉ. सुनील कुमार
प्रभारी, रसायन विज्ञान विभाग

पुस्तकालय विभाग

पुस्तकालय शब्द पुस्तक+आलय नामक दो शब्दों से मिलकर बना है जिनका अर्थ है पुस्तकों का घर अथवा पुस्तकों का मंदिर। महाविद्यालय का पुस्तकालय भूतल पर स्थित है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों जैसे विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, गणित, सामान्य विश्वकोष, शब्दकोष आदि पाठ्यक्रमों एवं सन्दर्भ की पुस्तकें संग्रहित करके पाठकों हेतु रखी गई हैं। महाविद्यालय का पुस्तकालय छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए ज्ञान की कार्यशाला के रूप में कार्य करता है तथा उनमें पढ़ने एवं सीखने की आदत को विकसित करने में सहायक है।

पुस्तकालय में कुल 20622 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय लगभग 2111 वर्गफुट में फैला है। पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में बुक रैक्स एवं अन्य फर्नीचर उपलब्ध है। महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षक एवं कर्मचारी पुस्तकालय के सदस्य हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय के उन्नतिकरण के लिए उत्तर प्रदेश शासन एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) आदि के द्वारा समय-समय पर अनुदान प्राप्त हुआ है। पुस्तकालय में पुस्तकों का चयन शैक्षिक पाठ्यक्रम को ध्यान मे रखते हुए विषय विशेज्ञकों के द्वारा किया जाता है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सौजन्य से महाविद्यालय में पुस्तकालय स्वचालन (लाइब्रेरी ऑटोमेशन) का कार्य भी सम्पादित किया गया। डिजिटल रूप से सूचना एवं अध्ययन सामग्री के लिए पुस्ताकलय नोटिस बोर्ड पर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए वेब लिंक्स एवं अन्य जानकारियां भी प्रदर्शित की जाती हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुस्ताकलय में सी.सी.टी.वी. कैमरा भी लगा हुआ है। 2020 में मातृ भाषा दिवस के उपलक्ष्य में पुस्तकालय में हिन्दी एवं बुन्देली भाषा की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

महाविद्यालय पुस्तकालय शैक्षिक प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। यह सभी सम्भावित अध्ययन के लिए बड़े स्तर पर शोध एवं शिक्षा के महान अवसर प्रदान करता है।

श्रीमती अर्चना सूरौठिया
प्रभारी, पुस्तकालय

एम.एस-सी. वनस्पति विज्ञान

एम.एस-सी. जन्तु विज्ञान

एम.एस-सी. भौतिक विज्ञान

एम.एस-सी. रसायन विज्ञान

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा गोविन्द सागर बांध ललितपुर में आयोजित शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

महाविद्यालय के विकास में रूसा का योगदान

महाविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हेतु केंद्र एवं राज्य की ओर से राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के अंतर्गत वर्ष 2015 से 2020 के मध्य दो करोड़ रुपए का वित्तीय योगदान प्राप्त हुआ। रूसा के पूर्व प्रभारी प्रो. केशव देव रहे। अप्रैल 2019 से डॉ. मनीष कुमार वर्मा रूसा प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

महाविद्यालय में 70 लाख रुपए की लागत से एम0एस-सी0 रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला, अध्ययन कक्ष एवं छात्र छात्राओं हेतु प्रसाधन का निर्माण सत्र 2016-17 में प्रारम्भ हुआ जो कि 2018-19 में पूर्ण हुआ। 27 लाख रुपए की लागत से महाविद्यालय में लाइब्रेरी को सुदृढ़ बनाने हेतु लाइब्रेरी ऑटोमेशन का कार्य सत्र 2018-19 में पूर्ण किया गया जिसके अंतर्गत 18 हजार पुस्तकों में आर0एफ0आई0डी0 टैग भी लगाए गए। महाविद्यालय में कैंपस डेवलपमेंट के अंतर्गत पुरानी पानी की टंकियों की जगह नई पानी की टंकियां, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान प्रयोगशालाओं में विद्युतीकरण, प्राचार्य कक्ष में टाइल्स एवं पुताई तथा बाथरूम का रिनोवेशन एवं महाविद्यालय में स्थापित पुराने टॉयलेट ब्लॉक क्रियाशील करने हेतु टूटे-पड़े वॉसवेशन, यूरेनल्स सीट्स इत्यादि को बदल कर क्रियाशील किया गया। साथ ही साथ उपरोक्त सभी जगहों पर एलईडी लाइट भी लगाई गई।

महाविद्यालय में 11 लाख 80 हजार की लागत से दो स्मार्ट क्लास रूम की भी स्थापना रूसा के अंतर्गत की गई है जिसमें दोनों कक्षों में 75 इंच के इंटरएक्टिव बोर्ड, प्रोजेक्टर, डाइस, कंप्यूटर तथा एंपलीफायर सिस्टम लगाए गए। महाविद्यालय में रूसा के अंतर्गत 26.51 लाख की लागत से कंप्यूटर लैब की स्थापना की जा चुकी है जिसमें 20 कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर ऑनलाइन 6 केवीए के यू0पी0एस0 के साथ कम्प्यूटर लैब में स्थापित है।

रूसा के अन्तर्गत ही महाविद्यालय मे स्पोर्ट्स फैसिलिटी के अंतर्गत 5 लाख की लागत से ओपन जिम की स्थापना साथ ही क्रीड़ा विभाग को सुदृढ़ करने हेतु क्रिकेट, वॉलीबॉल, चेसबोर्ड, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन इत्यादि के स्पोर्ट्स आर्टिकल भी क्रय किए गए हैं। सत्र 2017-18 एवं 2018-19 मे पुस्तक मद से रूसा के अंतर्गत विज्ञान एवं वाणिज्य विभाग से संबंधित 3.23 लाख रूपये की 925 पुस्तकें क्रय की गई। वर्ष 2019-20 में प्रयोगशाला उपकरण मद से 7.5 किलोवॉट ऑफलाइन रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना भी रूसा मद से 5.25 लाख की लागत से की गई है जो की प्रयोगशालाओं में विद्युत को आत्मनिर्भर बनाता है। वर्तमान में लगभग 20 लाख की लागत से एक सेमिनार हॉल एवं रीडिंग रूम का कार्य कक्षो को उच्चीकृत कर किया जा रहा है। साथ ही साथ महाविद्यालय के अध्ययन कक्षों में व्हाइट बोर्ड, एलईडी लाइट की स्थापना एवं दरवाजो खिड़कियों एवं विद्युत बोर्डो की मरम्मत का कार्य जारी है। आगामी महीनों में प्रयोगशाला उपकरण एवं महाविद्यालय की जरूरत के हिसाब से सामग्री या उपकरणों का क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

डॉ. मनीष कुमार वर्मा
प्रभारी, रूसा

महाविद्यालय के विकास में रूसा का योगदान

महाविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हेतु केंद्र एवं राज्य की ओर से राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के अंतर्गत वर्ष 2015 से 2020 के मध्य दो करोड़ रुपए का वित्तीय योगदान प्राप्त हुआ। रूसा के पूर्व प्रभारी प्रो. केशव देव रहे। अप्रैल 2019 से डॉ. मनीष कुमार वर्मा रूसा प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

महाविद्यालय में 70 लाख रुपए की लागत से एम0एस-सी0 रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला, अध्ययन कक्ष एवं छात्र छात्राओं हेतु प्रसाधन का निर्माण सत्र 2016-17 में प्रारम्भ हुआ जो कि 2018-19 में पूर्ण हुआ। 27 लाख रुपए की लागत से महाविद्यालय में लाइब्रेरी को सुदृढ़ बनाने हेतु लाइब्रेरी ऑटोमेशन का कार्य सत्र 2018-19 में पूर्ण किया गया जिसके अंतर्गत 18 हजार पुस्तकों में आर0एफ0आई0डी0 टैग भी लगाए गए। महाविद्यालय में कैंपस डेवलपमेंट के अंतर्गत पुरानी पानी की टंकियों की जगह नई पानी की टंकियां, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान प्रयोगशालाओं में विद्युतीकरण, प्राचार्य कक्ष में टाइल्स एवं पुताई तथा बाथरूम का रिनोवेशन एवं महाविद्यालय में स्थापित पुराने टॉयलेट ब्लॉक क्रियाशील करने हेतु टूटे-पड़े वॉसवेशन, यूरेनल्स सीट्स इत्यादि को बदल कर क्रियाशील किया गया। साथ ही साथ उपरोक्त सभी जगहों पर एलईडी लाइट भी लगाई गई।

महाविद्यालय में 11 लाख 80 हजार की लागत से दो स्मार्ट क्लास रूम की भी स्थापना रूसा के अंतर्गत की गई है जिसमें दोनों कक्षों में 75 इंच के इंटरएक्टिव बोर्ड, प्रोजेक्टर, डाइस, कंप्यूटर तथा एंपलीफायर सिस्टम लगाए गए। महाविद्यालय में रूसा के अंतर्गत 26.51 लाख की लागत से कंप्यूटर लैब की स्थापना की जा चुकी है जिसमें 20 कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर ऑनलाइन 6 केवीए के यू0पी0एस0 के साथ कम्प्यूटर लैब में स्थापित है।

रूसा के अन्तर्गत ही महाविद्यालय मे स्पोर्ट्स फैसिलिटी के अंतर्गत 5 लाख की लागत से ओपन जिम की स्थापना साथ ही क्रीड़ा विभाग को सुदृढ़ करने हेतु क्रिकेट, वॉलीबॉल, चेसबोर्ड, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन इत्यादि के स्पोर्ट्स आर्टिकल भी क्रय किए गए हैं। सत्र 2017-18 एवं 2018-19 मे पुस्तक मद से रूसा के अंतर्गत विज्ञान एवं वाणिज्य विभाग से संबंधित 3.23 लाख रूपये की 925 पुस्तकें क्रय की गई। वर्ष 2019-20 में प्रयोगशाला उपकरण मद से 7.5 किलोवॉट ऑफलाइन रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना भी रूसा मद से 5.25 लाख की लागत से की गई है जो की प्रयोगशालाओं में विद्युत को आत्मनिर्भर बनाता है। वर्तमान में लगभग 20 लाख की लागत से एक सेमिनार हॉल एवं रीडिंग रूम का कार्य कक्षो को उच्चीकृत कर किया जा रहा है। साथ ही साथ महाविद्यालय के अध्ययन कक्षों में व्हाइट बोर्ड, एलईडी लाइट की स्थापना एवं दरवाजो खिड़कियों एवं विद्युत बोर्डो की मरम्मत का कार्य जारी है। आगामी महीनों में प्रयोगशाला उपकरण एवं महाविद्यालय की जरूरत के हिसाब से सामग्री या उपकरणों का क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

Computer Lab

डॉ. मनीष कुमार वर्मा

प्रभारी, रूसा

- विद्यार्थी न्यूनतम 46 क्रेडिट अर्जित करने पर एक वर्षीय सर्टिफिकेट, न्यूनतम 92 क्रेडिट अर्जित करने पर दो वर्षीय डिप्लोमा तथा न्यूनतम 132 क्रेडिट करने पर तीन वर्षीय स्नातक डिग्री ले सकता है।
- यदि अभ्यर्थी निर्धारित समय से कम समय में स्नातक उपाधि के आवश्यक क्रेडिट प्राप्त कर लेता है तो उसे अन्तराल की सुविधा होगी परन्तु उपाधि तीन वर्ष बाद ही मिलेगी।
- क्रेडिट वेलिडेशन के लिए परीक्षा देना अनिवार्य होगा।
- परीक्षा देने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

स्नातक स्तर पर निम्न प्रकार से विषयों का चयन किया जायेगा-

B.Com Course	B.Sc Course	Minor-1 Elective (Form other faculty)	Minor-2 (Vocational/Skill Development)	Minor-3 (Co- Curricular Course)
Commerce	Physics	Direct & Indirect Tax Structure in India	Food Processing	Analytic Ability and Digital Awareness
	Chemistry	Digital Marketing	Desktop Printing	First Aid and Health
	Botany	Elementary Mathematics	Tally	Food, Nutrition and Hygiene
	Zoology	General Science	Multimedia	Human Values and Environment Studies
	Mathematics	Indian Constitution	Salesmanship	Personaltiy and Personal Grooming
		Indian History & Culture	Enterprenuship	Physical Education and Yoga

माइनर -3 के अंतर्गत सेमेस्टर बार निम्नलिखित प्रश्नपत्र निर्धारित किए गये-

I Semester- Food, Nutrition and Hygiene
II Semester- First Aid and Health
III Semester- Human Values and Environment Studies
IV Semester- Physical Education and Yoga
V Semester- Analytic Ability and Digital Awareness
VI Semester- Communication Skill & Personality

उपर्युक्त जानकारी शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुपालन में दी गई है अधिक जानकारी हेतु छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें।

डॉ० डी० के० साहू
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भौतिक विज्ञान)

क्रीड़ा विभाग

एक कहावत है कि "**स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है**" इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय में क्रीड़ा परिषद के अंतर्गत समय-समय पर विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग में क्रिकेट, बैडमिंटन, चैस, कैरम, बॉलीबॉल, बास्केट बॉल, टेबल टेनिस, खो-खो, एथलेटिक्स आदि से सम्बन्धित क्रीड़ा उपकरणों का क्रय किया गया है। सत्र 2021-22 में रूसा के सहयोग से एक ओपन जिम की स्थापना की गई है इसके साथ ही योगा से सम्बन्धित गतिविधियों को भी प्रारम्भ किया गया है। महाविद्यालय की क्रीड़ा परिषद द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक क्रीड़ा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाता है इस दो दिवसीय कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपने दम-खम का परिचय कराते हैं। क्रीड़ा समारोह में छात्र-छात्राओं की 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 5000 मीटर एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ का आयोजन किया जाता है इसके साथ-साथ लम्बी कूद, ऊंची कूद, कुंत प्रक्षेप (जेवलिन थ्रो), गोला प्रक्षेप (शॉटपुट), चक्र प्रक्षेप (डिस्कस थ्रो), बैडमिंटन, चैस, कैरम आदि आउटडोर एवं इनडोर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं जिसमें विजयी प्रतिभागियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया जाता है। इसके साथ ही छात्र-छात्रा चैम्पियन्स की भी घोषणा की जाती है एवं इन्हें अगले वर्ष के वार्षिक क्रीड़ा समारोह के उद्घाटन में मशाल प्रदक्षिणा का अवसर प्रदान किया जाता है। विगत 5 सत्रों में आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का विवरण निम्न विवरणानुसार है-

वार्षिक क्रीड़ा समारोह सत्र 2017-18

यह समारोह 29 एवं 30 जनवरी 2018 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो० जे.पी. सिंह ने किया जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सी.के. चौरसिया प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, पुलवारा रहे। इस सत्र में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. संजीव सैकिया रहे।

छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़ में अखिलेश जैरोनियां, 200 मीटर दौड़ में राजेन्द्र कुमार, 400 मीटर दौड़ में राजेन्द्र कुमार, गोला प्रक्षेप में अखिलेश जैरोनियां, चक्र प्रक्षेप में इन्द्रपाल, कुंत प्रक्षेप में फूल सिंह, लम्बी कूद में इन्द्रपाल, 800 मीटर दौड़ में अभिषेक, 1500 मीटर दौड़ में मिथुन सिंह तथा 5000 मीटर में मनोज कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा वर्ग की प्रतियोंगितायों में 100 मीटर दौड में मनीषा, 200 मीटर दौड़ में मनीषा, 400 मीटर दौड़ में अंजली कुशवाहा, 5000 मीटर दौड़ में अलकाफिया, गोला प्रक्षेप में आरती अहिरवार, चक्र प्रक्षेप में अभिलाषा श्रीवास, कुंत प्रक्षेप में आरती अहिरवार तथा लम्बी कूद में मेघा नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में **राजेन्द्र कुमार** तथा छात्रा वर्ग में **अंजली कुशवाहा** को चैम्पियन घोषित किया गया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह सत्र 2018-19

यह समारोह 23 एवं 24 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो० जे.पी. सिंह ने किया जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री रमेश कुमार सिंह, एडवोकेट, ललितपुर रहे। इस सत्र में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. रीतेश कुमार खरे रहे।

छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़ में रवि कुमार पंथी, 200 मीटर दौड़ में रवि कुमार पंथी, 400 मीटर दौड़ में अमर सिंह,, 800 मीटर दौड़ में धीरज, 1500 मीटर दौड़ में अवनीश तथा 5000 मीटर में राजेन्द्र कुमार, गोला प्रक्षेप में रवि कुमार पंथी, चक्र प्रक्षेप में रविकुमार पंथी, कुंत प्रक्षेप में लक्ष्मन अहिरवार तथा लम्बी कूद में मिथुन सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा वर्ग की प्रतियोंगितायों में 100 मीटर दौड में जनक नंदनी, 200 मीटर दौड़ में जनक नंदनी, 400 मीटर दौड़ में अंजली कशवाहा, गोला प्रक्षेप में रानी देवी, चक्र प्रक्षेप में दीक्षा, कुंत प्रक्षेप में ज्योति तथा लम्बी कूद में मेघा नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में **रवि कुमार पंथी** तथा छात्रा वर्ग में **जनक नंदनी** को चैम्पियन घोषित किया गया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह सत्र 2019-20

यह समारोह 03 एवं 04 फरवरी 2020 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंजी. आर.आर. कटियार, परियोजना प्रबन्धक सी.एन.डी.एस. उ0प्र0 जलनिगम, झांसी एवं प्राचार्य प्रो. जे.पी. सिंह द्वारा किया गया जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. एस. चौहान विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, ललितपुर रहे। इस सत्र में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. रीतेश कुमार खरे रहे।

छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़ में रवि कुमार पंथी, 200 मीटर दौड़ में रवि कुमार पंथी, 400 मीटर दौड़ में राजेन्द्र कुमार, 800 मीटर दौड़ में धीरज, 1500 मीटर दौड़ में धीरज तथा 5000 मीटर में धीरज, गोला प्रक्षेप में रवि कुमार पंथी, चक्र प्रक्षेप में रविकुमार पंथी, कुंत प्रक्षेप में बृजेन्द्र कुमार तथा लम्बी कूद में दीपक रैकवार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा वर्ग की प्रतियोंगितायों में 100 मीटर दौड में मेघा नायक, 200 मीटर दौड़ में मनीषा, 400 मीटर दौड़ में अंजली कुशवाहा, गोला प्रक्षेप में रानी देवी, चक्र प्रक्षेप में ज्योति राजपूत, कुंत प्रक्षेप में ज्योति राजपूत तथा लम्बी कूद में अंजली कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में **रवि कुमार पंथी** तथा छात्रा वर्ग में **ज्योति राजपूत** को चैम्पियन घोषित किया गया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह सत्र 2020-21

यह समारोह 02 एवं 03 मार्च 2021 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. केशव देव द्वारा किया गया जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री रामशंकर, जिला विद्यालय निरीक्षक, ललितपुर रहे। इस सत्र में कोविड महामारी के कारण प्रतियोगिताओं मे कटौती की गई तथा पहली बार आउटडोर के साथ इनडोर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस सत्र में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. रीतेश कुमार खरे रहे।

छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन में संस्कार निरंजन, शतरंज में नीरज पांचाल, गोला प्रक्षेप में रवि कुमार पंथी, चक्र प्रक्षेप में अनिकेत तथा कुंत प्रक्षेप में देशराज सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा वर्ग की प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन में ट्विंकल साहू, चैस में मनीषा निरंजन, गोला प्रक्षेप में ज्योति राजपूत, डिस्कस थ्रो में ज्योति राजपूत तथा कुंत प्रक्षेप में भी ज्योति राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस सत्र में छात्र वर्ग में **रवि कुमार पंथी** तथा छात्रा वर्ग में **ज्योति राजपूत** को चैम्पियन घोषित किया गया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह सत्र 2021-22

यह समारोह 03 एवं 04 मार्च 2022 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. केशव देव ने किया। उद्घाटन समारोह में डॉ0 रीतेश कुमार खरे द्वारा रचित महाविद्यालय के कुलगीत का प्रथम बार गायन किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री रमेश कुमार सिंह (एडवोकेट) पुत्र स्व0 श्री रघुवीर सिंह लोधी, ललितपुर रहे। इस सत्र में भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रतियोगिताओं मे कटौती की गई। इस सत्र में क्रीड़ा प्रभारी डॉ. रीतेश कुमार खरे एवं सहक्रीड़ा प्रभारी श्रीमती अर्चना सूरौठिया एवं श्री बारीश कुमार द्विवेदी रहे।

छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन में संस्कार निरंजन, शतरंज में शुभम निरंजन, कैरम में, मो. अदनान, गोला प्रक्षेप में अमित कुमार, चक्र प्रक्षेप में अमित कुमार तथा कुंत प्रक्षेप में मिथुन राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग की प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन में सौम्या सिंह, चैस में ज्योति कौशिक, कैरम में स्वाती नामदेव, गोला प्रक्षेप में शिवानी राजा, डिस्कस थ्रो में ऐनी जैन तथा कुंत प्रक्षेप में सृष्टि वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन प्रतिभागियों को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस सत्र में छात्र वर्ग में **अमित कुमार** तथा छात्रा वर्ग में **सौम्या सिंह** को चैम्पियन घोषित किया गया। समापन समारोह में विभिन्न वार्षिक प्रतियोगितों के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया तथा वर्ष 2021 परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मेधावी सम्मान पदक एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. रीतेश कुमार खरे
क्रीड़ा प्रभारी

39 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह दिनांक- 03 एवं 04 फरवरी 2020

40 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह दिनांक- 02 एवं 03 मार्च 2021

महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिताएं 2022

मिशन शक्ति अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलओं/बालिकाओं के स्वावलंबन एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नवरात्रि के अवसर पर 17 अक्टूबर 2020 को मिशन शक्ति अभियान का शुभारम्भ किया गया। महाविद्यालय में इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने हेतु श्रीमती अनुराधा को संयोजक, श्रीमती अर्चना सूरौठिया को सह-संयोजक, सुश्री इच्छा ओमर को उप सह-संयोजक एवं डॉ0 रीतेश कुमार खरे तथा डॉ0 सुनील कुमार को सदस्य नामित किया गया। अब तक मिशन शक्ति कार्यक्रम के तीन फेज संचालित किए जा चुके हैं।

मिशन शक्ति प्रथम फेज– दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक।

मिशन शक्ति द्वितीय फेज– दिनांक 26 फरवरी 2021 से 08 मार्च 2021 तक।

मिशन शक्ति तृतीय फेज– दिनांक 21 मार्च 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक।

इस कार्यक्रम के बेहतरीन क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी श्री अन्नावि दिनेश कुमार द्वारा संयोजक श्रीमती अनुराधा एवं सह-संयोजक श्रीमती अर्चना सूरौठिया को मिशन शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित प्रमुख कार्यक्रम अधोलिखित हैं-

1. **मिशन शक्ति प्रथम फेज में आयोजित कार्यक्रम-**

क्र.स.	दिनांक	आयोजित वेबिनार का विषय	मुख्य वक्ता
1.	17.10.2020	मिशन शक्ति 1.0 उद्घाटन कार्यक्रम	प्रो. केशव देव
2.	18.10.2020	लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा, कानूनी प्रावधान	श्री दीपक कुमार, अधिवक्ता दिल्ली उच्च न्यायालय
3.	19.10.2020	स्वस्थ नारी सुरक्षित नारी	डॉ. रीतश कुमार खरे
4.	20.10.2020	महिला सशक्तिकरण में पोषण की भूमिका	डॉ. शाशि वर्मा, रघुनाथ महिला महाविद्यालय, मेरठ
5.	21.10.2020	साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता	डॉ. मनीष कुमार वर्मा
6.	22.10.2020	महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण	डॉ. संतोष पाण्डेय, कालपी डिग्री कॉलेज, जालौन
7.	23.10.2020	सुरक्षित एवं स्वस्थ महिला	डॉ. विजय कुमार यादव, बिपिन बिहारी महाविद्यालय, झांसी
8.	24.10.2020	महिला सुरक्षा अधिनियम	डॉ. संजीव सैकिया, राजकीय महाविद्यालय, महमूदाबाद
9.	25.10.2020	महिला सुरक्षा के विधिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण/समापन कार्यक्रम	श्री उदयवीर सिंह अनुभाग अधिकारी, उच्च न्यायालय लखनऊ प्रो. केशव देव

2. मिशन शक्ति द्वितीय फेज में आयोजित कार्यक्रम–

क्र.स.	दिनांक	आयोजित कार्यक्रम	मुख्य वक्ता
1.	26.02.2021	कार्यक्रम का शुभारम्भ लैंगिक समानता एवं घरेलू हिंसा से महिलओं की सुरक्षा विषयक वेबीनार	प्रो. केशव देव, डॉ. जगवीर सिंह, नेहरू महाविद्यालय,ललितपुर
2.	27.02.2021	महिला सुरक्षा एवं सम्मान विषयक वेबीनार	डॉ. मनीष कुमार वर्मा
3.	28.02.2021	महिला स्वावलंबन और सुरक्षा विषयक सेमीनार	प्रो. केशव देव
4.	01.03.2021	महिला सशक्तिकरण विषयक वेबीनार	श्री गजेन्द्र नाथ, राजकीय महाविद्यालय तालबेहट
5.	04.03.2021	महिला सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की भूमिका विषयक वेबीनार	श्री धर्मेन्द्र कुमार, राजकीय महाविद्यालय पुलवारा
6.	05.03.2021	महिला सशक्तिकरण में समाज की भूमिका विषयक वेबीनार	श्री राजेन्द्र कुमार, राजकीय महाविद्यालय महरौनी
7.	06.03.2021	महिला सशक्तिकरण में डिजिटल लाइब्रेरी/ ई–कटेन्ट की भूमिका विषयक सेमीनार	श्री मनीष कुमार वर्मा
8.	07.03.2021	महिला सशक्तिकरण हेतु शासन की प्रमुख योजनाऐं	डॉ. हरिओम दिवाकर, राजकीय महिला महाविद्यालय,झांसी
9.	08.03.2021	मिशन शक्ति 2.0 समापन कार्यक्रम	प्रो. केशवदेव

3. मिशन शक्ति तृतीय फेज में आयोजित कार्यक्रम–

क्र.स.	दिनांक	आयोजित कार्यक्रम	मुख्य वक्ता
1.	21.08.2021	मिशन शक्ति 3.0 अद्घाटन समारोह	प्रो. केशव देव
2.	26.08.2021	महिला समानता दिवस	डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां
3.	28.08.2021	छात्राओं हेतु परामर्श सत्र	श्रीमती अनुराधा सिंह
4.	04.09.2021	महिला स्वास्थ्य एवं पोषण विषयक वेबीनार	डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां
5.	11.09.2021	महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन विषयक वेबीनार	डॉ. प्रिया बजाज, राजकीय महाविद्यालय नोएडा
6.	18.09.2021	महिलाओं से सम्बधिंत विविध योजनाएं विषयक वेबीनार	डॉ. डी.के. साहू
7.	09.10.2021	साइबर सुरक्षा विषयक सेमीनार	डॉ. सुनील कुमार
8.	16.10.2021	महिला सुरक्षा एवं हेल्पलाइन नं. विषयक वेबीनार	श्रीमती अर्चना सूरौठिया
9.	23.10.2021	रॉल मॉडल से संवाद	डॉ. रेखा लगरखा, बुन्देलखाण्ड विश्वविद्यालय,झांसी
10.	30.10.2021	परामर्श सत्र	श्रीमती अर्चना सूरौठिया
11.	13.11.2021	महिला सुरक्षा के कानूनी प्रावधान विषयक वेबीनार	श्री दीपायन मालवीय, ओ.पी. जिन्दल स्कूल ऑफ लॉ,सोनीपत
12.	20.11.2021	बालिका सुरक्षा शपथ एवं स्वच्छता अभियान	डॉ. रीतेश कुमार खारे
13.	27.11.2021	रॉल मॉडल से संवाद	डॉ. रीना वालिया, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, तालबेहट
14.	04.12.2021	प्राथमिक चिकित्सा विषयक सेमीनार	डॉ. मनीष कुमार वर्मा
15.	11.12.2021	परामर्श सत्र	सुश्री इच्छा ओमर
16.	16.12.2021	निर्भया दिवस पर आयोजित क्रीड़ा प्रतियागिता	डॉ. रीतेश कुमार खारे
17.	18.12.2021	दहेज,बाल विवाह एवं कन्या भ्रूण हत्या: एक सामाजिक बुराई विषयक सेमीनार	डॉ. डी.के. साहू
18.	31.12.2021	मिशन शक्ति 3.0 समापन समारोह	डॉ. संध्यारानी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी बरेली डॉ. नीरा सिंह भूतपूर्व प्रो. मेरठ कॉलेज, मेरठ प्रो. केशव देव, प्राचार्य

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। महविद्यालय में बालिका हेल्थ क्लब का गठन किया गया है जिसमें मिशन शक्ति समिति द्वारा समय-समय पर बालिकाओं के योग प्रशिक्षण शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आदि का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। दिनांक 10.11.2020 को आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में शिवानी मिश्रा, स्लोगन प्रतियोगिता में रिचा प्रजापति तथा पोस्टर प्रतियोगिता में राजेन्द्र कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में दिनांक 08.03.2021 को आयोजित भाषण प्रतियोगिता में शिवि पटैरिया, कविता पाठ में अंशिका रावत तथा पोस्टर प्रतियोगिता में अदिति सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिलाई जाने वाली शपथ का सभी को पालन करना चाहिए।

अभिभावकों द्वारा ली जाने वाली शपथ

भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप में मैं, शपथ लेता हूं कि मैं अपने बेटे और बेटी में भेदभाव नहीं करूंगा। मैं अपने बच्चों को जीवन के नैतिक मूल्यों की शिक्षा दूंगा और उन्हें सही तथा गलत का भेद बताऊंगा। जिस प्रकार मैं, अपनी बेटी को स्वंय की सुरक्षा के लिए ध्यान रखने को कहता हूं उसी प्रकार अपने बेटे को अनुशासन में रखते हुए उसकी दैनिक गतिविधियों पर पूरा ध्यान रखूंगा।

जय हिन्द।

छात्रों द्वारा ली जाने वाली शपथ

भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप में मैं शपथ लेता हूं कि मैं, सदैव बालिकाओं व महिलाओं का सम्मान करूंगा और उनके अधिकारों की सुरक्षा करूंगा। मैं, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से अपने कृत्यों, शब्दों तथा कर्मों से किसी बालिका एवं महिला के अधिकारों एवं मर्यादा का हनन नहीं होने दूंगा। मैं, शपथ लेता हूं कि मैं, बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके विकास के लिए समान अवसर प्रदान करने में अपना पूरा योगदान दूंगा।

जय हिन्द।

श्रीमती अनुराधा
संयोजक, मिशन शक्ति

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित वेबिनार

मिशन शक्ति कार्यक्रम की झलकियां

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग द्वारा संचालित योजना है। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में सम्पूर्ण समाज के कल्याण की भावना को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई सक्रिय है। सत्र 2017-18 में प्राचार्य प्रो0 जे0 पी0 सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 सतीश कुमार एवं श्रीमती अर्चना सूरौठिया के नेतृत्व में एक दिवसीय शिविर 20.01.2018, 23.01.2018, 24.01.2018 एवं 25.01.2018 को बंशीपुरा मलिन बस्ती ललितपुर तथा खिरकापुरा मलिन बस्ती में आयोजित किए गए। सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 31.01.2018 से 06.02.2018 तक खिरकापुरा मलिन बस्ती एवं बंशीपुरा मलिन बस्ती में आयोजित किया गया। इसमें शिविरार्थियों ने रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया तथा शिक्षा निर्माण विषय पर संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। शिविरार्थियों द्वार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं स्वच्छता पर रैली निकाली गई। आपदा प्रबन्धन एवं प्रदूषण, युवा शक्ति एवं योग पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

सत्र 2018-19 में प्राचार्य प्रो0 जे0 पी0 सिंह की अध्यक्षता एवं डॉ0 रबीन्द्र कुमार सरौनियां एवं श्रीमती अर्चना सूरौठिया के नेतृत्व में 25.01.2019, 04.02.2019, 07.02.2019 तथा 11.02.2019 को एक दिवसीय शिविर लगाए गए। सात दिवसीय विशेष शिविर 18.02.2019 से 24.02.2019 तक इन्दिरा बस्ती रामनगर एवं कांशीराम बस्ती रामनगर ललितपुर में आयोजित किया गया जिसमें शिविरार्थियों ने मतदाता जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के द्वारा बस्तीवासियों को मतदान के प्रति जागरूक किया तथा बेटी बचाओ एवं पर्यावरण बचाओ पर रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया। शिविरार्थियों ने लोकतंत्र व्यवस्था शैक्षिक जागरूकता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आतंकवाद आदि पर संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। शिविर में जिला सेवा योजन कार्यालय ललितपुर के अधिकारियों श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, श्री पृथ्वीराज, श्री हेमन्त, श्री संतोष राठौर एवं पर्यटन मित्र श्री फिरोज द्वारा शिविरार्थियों को परीक्षा के लिए तैयारी के सम्बन्ध में बताया गया।

सत्र 2019-20 में प्राचार्य प्रो0 जे0 पी0 सिंह की अध्यक्षता एवं डॉ0 सतीश कुमार एवं श्रीमती अर्चना सूरौठिया के नेतृत्व में एक दिवसीय शिविर 23.01.2020, 25.01.2020, 29.01.2020 तथा 31.01.2020 सम्पन्न कराये गए। सात दिवसीय विशेष शिविर 18.02.2020 से 24.02.2020 तक काशीराम बस्ती रामनगर ललितपुर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 सतीश कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें शिविरार्थियों ने साफ-सफाई, युवा शक्ति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर अनेकों जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। शिविरार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली एवं वृक्ष बचाओ रैली निकाली गई। शिविरार्थियों द्वारा अविरल गंगा यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। शिविरर्थियो ने बस्ती में जाकर जल स्त्रोतों के आस-पास साफ-सफाई भी की। सत्र 2020-21 में कोविड़ महामारी के कारण शिविर का आयोजन नहीं किया गया।

सत्र 2021-22 में एक ईकाई का गठन किया गया है इसके प्रभारी श्री बारीष कुमार द्विवेदी द्वारा स्वयं सेवियों से स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा तथा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इस सत्र में दिनांक 21.03.2022 से 27.03.2022 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विविध कार्यक्रम आयोजित किए गये।

बारीष कुमार द्विवेदी, प्रभारी, एन.एस.एस.

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर की झलकियां

श्रमदान करती हुयीं छात्राएं

राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र को सम्मानित करते प्राचार्य जी

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत रैली का आयोजन

रोबर्स रेंजर्स

रोबर्स/रेंजर्स प्रवेश जांच शिविर सत्र 2020-21

यह शिविर दिनांक 27.01.2021 से लेकर 31.01.2021 तक नेहरू महाविद्यालय ललितपुर में आयोजित हुआ। इस शिविर में रोबर्स प्रभारी डॉ0 रीतेश कुमार खरे एवं रेंजर्स प्रभारी श्रीमती अनुराधा के नेतृत्व में 13 रोबर्स तथा 16 रेंजर्स ने प्रतिभाग किया।

रोबर्स/रेंजर्स समागम 2020-21

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय अन्तरमहाविद्यालयी रोबर्स/रेंजर्स समागम का आयोजन दिनांक 18.03.2021 से 20.03.2021 तक नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर में आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी श्रीमती अनुराधा के नेतृत्व में 10 रोबर्स तथा 10 रेंजर्स ने प्रतिभाग किया।

रोबर्स/रेंजर्स निपुण जांच शिविर सत्र 2021-22

यह जांच शिविर दिनांक 14.12.2021 से 18.12.2021 तक नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर में आयोजित किया गया। इस शिविर में प्रभारी श्री विजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में 05 रोबर्स तथा 03 रेंजर्स ने प्रतिभाग किया।

विजेन्द्र सिंह
प्रभारी, रोबर्स

श्रीमती अनुराधा
प्रभारी, रेंजर्स

वेबिनार एवं ऑनलाइन शिक्षण समिति

कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित हुई शिक्षण व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए महाविद्यालय में वेबिनार एवं ऑनलाइन शिक्षण समिति का गठन किया गया है। वर्तमान सत्र में इसके संयोजक डॉ0 मनीष कुमार वर्मा जबकि सदस्य डॉ0 रवीन्द्र कुमार सरौनियां, डॉ0 डी0 के0 साहू, डॉ0 रीतेश कुमार खरे, डॉ0 सुनील कुमार तथा श्री बारीष कुमार द्विवेदी हैं। इस समिति द्वारा समय-समय पर वेबिनार आयोजित किए गए हैं तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था को सुचारू किया गया है।

आयोजित वेबिनार की सूची

क्र.स.	दिनांक	वेबिनार का शीर्षक	मुख्य वक्ता
1.	24.06.2020	बुन्देलखण्ड की विरासत, इतिहास,कला,संस्कृति हस्तशिल्प एवं व्यंजन	डॉ. चित्रगुप्त श्रीवास्वत,इतिहासकार झांसी प्रो. देवेन्द्र निगम,बुन्देखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी
2.	30.08.2020	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	श्री मानसिंह भारती,प्रधानाचार्य राजकीय आई.टी.आई. ललितपुर डॉ. दिनेश बाबू, प्राचार्य जय बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय,ललितुपर
3.	21.11.2020	पढ़े ललितपुर बढ़े ललितपुर	प्रो. संध्या रानी,क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी झांसी
4.	30.06.2021	आजादी का अमृत महोत्सव	डॉ. अवधेश अग्रवाल,प्राचार्य नेहरू महाविद्यालय,ललितपुर डॉ. नरेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य,राजकीय महाविद्यालय पुलवारा श्री राम शंकर,जिला विद्यालय निरीक्षक,ललितपुर
5.	24.01.2022	उत्तर प्रदेश दिवस	श्री बारीष द्विवेदी

महाविद्यालय के ऑनलाइन प्लेटफार्म

महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सभी कक्षाओं के व्हाट्सऐप समूह बनाए गए हैं। इसके साथ-साथ विद्यार्थी गतिविधि मंच, राष्ट्रीय सेवा योजना, मिशन शक्ति, रोबर्स-रेंजर्स, पूर्व छात्र समूह आदि बड़े मंच भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। महाविद्यालय की वेबसाइट www.gdclalitpur.ac.in सक्रिय रूप से कार्यरत है जिस पर सभी प्रकार की सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अलावा प्राध्यापकों द्वारा गूगल क्लास रूम जैसे पोर्टल पर शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। राजकीय महाविद्यालय ललितपुर नाम से महाविद्यालय का फेसबुक अकाउण्ट भी संचालित है इस पर विभिन्न कार्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराई जाती हैं। वर्तमान में 200 से अधिक विद्यार्थी इसके फॉलोवर हैं। इसी प्रकार महाविद्यालय का ट्वीटर अकाउण्ट भी संचालित है। उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी की साइट पर भी प्राध्यापकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षण हेतु गूगल मीट, जूम ऐप आदि पोर्टल का प्रयोग किया जाता है। वर्तमान सत्र में माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी के सौजन्य से टीम ऐप पर ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

संविधान समरसता दिवस कार्यक्रम 2019-20

यह कार्यक्रम दिनांक 26.11.2019 से लेकर 14.04.2020 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ 26 नवम्बर 2019 को प्राचार्य प्रो० जे० पी० सिंह द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में संविधान दिवस के अवसर पर संसद के सेन्ट्रल हॉल से महामहिम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया। इसके पश्चात् दिनांक 27 नवम्बर 2019 को संविधान के प्रति जागरूकता हेतु रैली निकाली गई। दिनांक 28 नवम्बर 2019 को संविधान की प्रस्तावना पर चर्चा की गई। दिनांक 29 नवम्बर 2019 को संविधान में निहित समाजवादी, लोकतांत्रिक गणराज्य एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अवधारणा पर विचार विमर्श कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दिनांक 30.11.2019 को स्वतंत्रता, न्याय एवं समानता विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। दिनांक 02.12.2019 को संविधान विषयक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 03.12.2019 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद जी की जयन्ती का आयोजन हुआ। इसी क्रम में दिनांक 04.12.2019 से लेकर 13.12.2019 तक संविधान में निहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई इसी दौरान दिनांक 06.12.2019 को संविधान के निर्माता डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस को मनाया गया। दिनांक 17.12.2019 को निबन्ध प्रतियोगिता को आयोजित किया गया जिसमें सोनम प्रथम, अभिलाषा द्वितीय तथा ज्योति कौशिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में दिनांक 18.12.2019 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मणि सोनी ने प्रथम, जनक नंदिनी ने द्वितीय तथा सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात् दिनांक 23.12.2019 से लेकर 25.12.2019 तक भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल विहारी बाजपेयी जी की जयन्ती का आयोजन किया गया। दिनांक 02.01.2020 से 08.01.2020 तक विभिन्न विषयों पर गोष्ठियां आयोजित हुई। 09.01.2020 को संविधान से सम्बन्धित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अमरेन्द्र एवं रानी देवी प्रथम, ज्योति कौशिक द्वितीय तथा शोभाराम, जगभान, देवेन्द्र सिंह तथा रिचा प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 11.01.2020 को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शोभाराम, संस्कार जैन एवं विकास पुरोहित की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनांक 13.01.2020 को स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों से सम्बन्धित परिचर्चा का आयोजन हुआ। इसी क्रम में 25.01.2020 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 26.01.2020 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमारा संविधान विषय पर भाषण तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। भाषण प्रतियोगिता में देवेन्द्र सिंह जबकि रंगोली प्रतियोगिता में दिव्या जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनांक 14.04.2020 को डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती के अवसर पर उक्त कार्यक्रम का समापन किया गया। कोविड़-19 महामारी के कारण उक्त कार्यक्रम के प्रतिभागियों का पुरस्कार वितरण वार्षिक क्रीड़ा समारोह के साथ किया गया। इस वृहद कार्यक्रम के संयोजक डॉ० रीतेश कुमार खरे एवं सहसंयोजक प्रो० केशव देव, डॉ० डी० के० साहू, श्रीमती अर्चना सुरौठिया एवं श्रीमती अनुराधा रहे।

छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

23 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 2020

दिनांक 12 जनवरी से 16 जनवरी तक 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन लखनऊ में किया गया जिसमें देश के सभी राज्यों से चयनित युवाओं ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में जनपद ललितपुर द्वारा चयनित युवाओं के दल में चार युवा रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर से चयनित किए गए-

1. देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री समरत सिंह बी० कॉम०
2. मेघा नायक पुत्री श्री वेद प्रकाश नायक बी० कॉम०
3. मणि सोनी पुत्री श्री राजेश सोनी बी० एस-सी०
4. बाबूलाल पुत्र श्री परम बी० एस-सी०

उक्त समारोह में महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र, देवेन्द्र सिंह को ''यूथ आइकॉन'' के रूप में चयनित किया गया।

उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपलब्धियां

क्र.स.	दिनांक	प्रतियोगिता का नाम	उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रा का नाम
1.	28.11.2019	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता	शिवि पटैरिया-प्रथम
2.	16.01.2020	राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ	देवेन्द्र सिंह-यूथ आइकॉन
3.	15.08.2020	एक राष्ट्र : एक चुनाव विषयक जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता	देवन्द्र कुमार - प्रथम
4.	12.02.2021	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय प्रतियोगिता	देवेन्द्र कुमार - प्रथम (क्विज), राधा निरंजन-प्रथम (लेखन) सूर्य प्रताप सिंह -द्वितीय (क्विज), मनीषा निरंजन-द्वितीय (लेखन)
5.	30.06.2021	आजादी के अमृत महोत्सव पर आधारित जिला स्तरीय प्रतियोगिता	अंकित झां- प्रथम (महापुरूष वेश-भूषा) विवेक बुधौलिया-प्रथम (आजाद भारत के वीर सपूत), अदिति नायक-प्रथम (गौरव गाथा)
6.	07.12.2021	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय प्रतियोगिता	देवेन्द्र कुमार-प्रथम (क्विज) अदिति नायक-प्रथम (चित्रकला) राधा निरंजन-द्वितीय (क्विज)
7.	08.12.2021	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता	राधा निरंजन-प्रथम (क्विज) अदिति नायक-तृतीय (चित्रकला) देवेन्द्र कुमार-तृतीय (क्विज)
8.	10.12.2021	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	राधा निरंजन-सांत्वना (क्विज)

परीक्षा विभाग

महाविद्यालय का परीक्षा विभाग प्रथम तल पर स्थित है इसके पूर्व प्रभारी डॉ. अजय कुमार एवं वर्तमान प्रभारी डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां है परीक्षा विभाग द्धारा प्रतिवर्ष नकल विहीन विश्वविद्यालयी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसके साथ-साथ अन्य आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र/छात्राओं को मेधावी सम्मान पदक द्धारा सम्मानित किया जाता है।

विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2017 का परिणाम

क्र.स.	परीक्षा का नाम	सम्मिलित परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रथम क्षेणी से उत्तीण परीक्षायों की सं.
1	B.Sc. Final	186	186	100	80
2	M.Sc Final	82	82	94.2	16
3	B.Com Final	103	102	99	19
4	M. Com Final	70	70	100	16

विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2018 का परिणाम

क्र.स.	परीक्षा का नाम	सम्मिलित परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रथम क्षेणी से उत्तीण परीक्षायों की सं.
1	B.Sc. Final	193	175	90.6	86
2	M.Sc Final	59	54	91.5	38
3	B.Com Final	101	98	97	50
4	M. Com Final	52	51	98	10

विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2019 का परिणाम

क्र.स.	परीक्षा का नाम	सम्मिलित परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रथम क्षेणी से उत्तीण परीक्षायों की सं.
1	B.Sc. Final	141	130	92.19	64
2	M.Sc Final	33	31	93.92	08
3	B.Com Final	84	75	89.28	20
4	M. Com Final	42	41	97.61	02

विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2020 का परिणाम

क्र.स.	परीक्षा का नाम	सम्मिलित परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रथम क्षेणी से उत्तीण परीक्षायों की सं.
1	B.Sc. Final	119	112	94.1	38
2	M.Sc Final	32	30	93.75	06
3	B.Com Final	61	51	83.6	05
4	M. Com Final	40	29	72.5	00

विश्वविद्यालय परीक्षा वर्ष 2021 का परिणाम

क्र.स.	परीक्षा का नाम	सम्मिलित परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण परीक्षीयों की सं.	उत्तीर्ण प्रतिशत	प्रथम क्षेणी से उत्तीण परीक्षायों की सं.
1	B.Sc. Final	141	138	97.87	49
2	M.Sc Final	37	27	72.97	09
3	B.Com Final	71	61	85.91	06
4	M. Com Final	52	34	65.38	04

सत्र 2020-21 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावियों की सूची

क्र.स.	कक्षा	परीक्षार्थी का नाम	पिता का नाम
1	बी.कॉम. अन्तिम वर्ष	आर्यन राठौर	श्री सुरेन्द्र राठौर
2	बी.एस-सी. बायो अन्तिम वर्ष	सौम्या जैन	श्री सुनील कुमार जैन
3	बी.एस-सी गणित अन्तिम वर्ष	शिवम कुमार	श्री रामराजू दुबे
4	एम.कॉम. अन्तिम वर्ष	पल्लवी जैन	श्री नीरज कुमार जैन
5	एम.एस-सी. भौतिक विज्ञान अन्तिम वर्ष	रीमा विश्वकर्मा	श्री लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा
6	एम.एस-सी. रसायन विज्ञान अन्तिम वर्ष	रागिनी राजपूत	श्री रामसेवक
7	एम.एस-सी. जन्तु विज्ञान अन्तिम वर्ष	कंचन सोनी	श्री अशोक कुमार
8	एम.एस-सी. वनस्पति विज्ञान अन्तिम वर्ष	दीक्षा मेहरा	श्री रमेश मेहरा

डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां
प्रभारी, परीक्षा

महाविद्यालय में आयोजित विविध कार्यक्रम

महाविद्यालय की समारोह समिति द्वारा समय-समय पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। वर्तमान में महाविद्यालय के मुख्य समारोहक डॉ0 रीतेश कुमार खरे एवं सह समारोहक श्री बारीष कुमार द्विवेदी एवं सुश्री इच्छा ओमर हैं। विगत सत्रों में आयोजित प्रमुख कार्यक्रम निम्नवत हैं-

1. भारत रत्न माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जयंती कार्यक्रम- भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म दिवस के अंतर्गत इस कार्यक्रम का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 21 दिसम्बर 2020 को ''व्यक्ति के जीवन में राष्ट्र का महत्व'' शीर्षक पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आयुषी जैन ने प्रथम, पुष्पेन्द्र कुमार ने द्वितीय तथा बबली कुशवाहा एवं अर्चित जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में दिनांक 22 दिसम्बर 2020 को ऑनलाइन काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं क्विज का आयोजन हुआ। काव्य पाठ में सुरक्षा सिंह प्रथम, अंकित झां द्वितीय तथा अर्चित जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि क्विज में शिवम पटैरिया प्रथम, वृतिका चौबे एवं स्वाती जैन द्वितीय तथा अक्षात जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज के संयोजक डॉ0 सतीश कुमार रहे। इसी क्रम में 23 दिसम्बर 2020 को अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

2.राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम- भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयंती को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा अखण्ड भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया जाता है। 31 अक्टूबर 2019 को आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो0 जे0 पी0 सिंह ने किया तत्पश्चात् समारोहक डॉ0 अजय कुमार ने छात्र-छात्राओ को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात् 'रन फॉर यूनिटी' के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की दौड़ का आयोजन किया गया। दिनांक 31 अक्टूबर 2020 को आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो0 केशव ढेव ने किया तत्पश्चात् श्रीमती अर्चना सूरौठिया ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के नोडल अधिकारी डॉ0 रीतेश कुमार खरे ने किया।

वर्ष 2021 में इस कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत 29 अक्टूबर 2021 को सामान्य ज्ञान, निबन्ध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान में यशपाल यादव, निबन्ध में हरीचन्द्र तथा भाषण प्रतियोगिता मे राज खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 31 अक्टूबर 2021 को आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो0 केशव देव ने किया तत्पश्चात् समारोहक डॉ0 रीतेश कुमार खरे छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इसी क्रम में मुख्य वक्ता श्री बारीष कुमार द्विवेदी ने पटेल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

3. आजादी का अमृत महोत्सव- भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्कृति विभाग एवं शासन द्वारा प्रेषित कार्य योजना के अनुपालन में महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय को जनपद स्तरीय कार्यक्रम हेतु नोडल महाविद्यालय भी नियुक्त किया गया है

कार्यक्रम का उद्घाटन 12 मार्च 2021 को प्राचार्य प्रो0 केशव देव द्वारा किया गया। यह महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक मनाया जाएगा। 12.03.2022 को समारोह इंडिया @75 कार्यक्रम का आयोजन हुआ इसमें दांडी मार्च के प्रारम्भ होने की तिथि पर दिनांक 12 मार्च 2021 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

18 जून 2021 को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस का आयोजन किया गया तथा 18.06.2021 से 30.06.2021 तक जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें गौरव गाथा लेखन एवं महापुरूष वेश-भूषा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसी क्रम में 30.06.2021 को वेबिनार का आयोजन किया गया। 26.07.2021 को कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 15.08.2021 को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में किया गया तथा ऑनलाइन संगोष्ठी द्वारा छात्र-छात्राओं को आजादी की महत्वपूर्ण घटनाओं के विषय में जानकारी दी गई। महाविद्यालय के छात्र प्रिंस राठौर ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। दिनांक 28.10.2021 को वृक्षारोपण प्रभारी डॉ0 रीतेश कुमार खरे द्वारा महाविद्यालय में राष्ट्रीय वृक्ष का रोपण किया गया। दिनांक 10.11.2021 को प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर राष्ट्रगान का गायन किया गया।

4.चौरी-चौरा शताब्दी समारोह- यह समारोह चौरी-चौरा ऐतिहासिक घटना के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इसका शुभारम्भ 04 फरवरी 2021 को प्राचार्य प्रो0 केशव देव द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत प्रतिमाह भाषण, काव्य पाठ, लोकगीत तथा विविध प्रतियोगिता आयोजित की गई। 04 फरवरी 2022 को इसका समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

5.सड़क सुरक्षा कार्यक्रम- छात्र-छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए महाविद्यालय में प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसके अंतर्गत सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं सड़क सुरक्षा माह में विविध जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं तथा परिवहन विभाग के सौजन्य से जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। दिनांक 28.11.2019 को जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक 'ब्रासीलिया डिक्लेरेशन के दृष्टिगत सड़क दुर्घटना में 2020 तक त्वरित कमी लाने हेतु उठाये जाने वाले कदम' था जिसमें महाविद्यालय की छात्रा शिवि पटैरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में वर्ष 2020 में सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष 2021 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 06 फरवरी 2021 को प्राचार्य प्रो0 केशव देव द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ0 अजय कुमार यादव, संयोजक डॉ0 रीतेश कुमार खरे रहे। दिनांक 08 फरवरी 2021 को पोस्टर/रंगोली प्रतियोगिता एवं लघु कहानी/कविता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पोस्टर/रंगोली प्रतियोगिता में राजेन्द्र कुमार ने प्रथम, अश्विनी ताम्रकार ने द्वितीय तथा वैष्णवी राठौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि कविता/कहानी प्रतियोगिता में मनीषा निरंजन ने प्रथम, राधा निरंजन ने द्वितीय तथा सुरक्षा सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में 09 फरवरी 2021 को क्विज का आयोजन किया गया जिसमें सूर्य प्रताप सिंह ने प्रथम, विवेक वुधौलिया ने द्वितीय तथा देवेन्द्र कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में परिवहन विभाग ललितपुर के सौजन्य से दिनांक 12 फरवरी 2021 को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर/रंगोली प्रतियोगिता में राजेन्द्र कुमार तथा वैष्णवी राठौर ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कविता/कहानी प्रतियोगिता में राधा निरंजन ने प्रथम, मनीषा निरंजन ने द्वितीय तथा सुरक्षा सिंह ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में देवेन्द्र कुमार ने प्रथम, सूर्यप्रताप सिंह ने द्वितीय तथा विवेक वुधौलिया ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी क्रम में नवम्बर 2021 में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन दिनांक 22 नवम्बर 2021 से 27 नवम्बर 2021 तक किया गया। इसके अंतर्गत सड़क सुरक्षा की शपथ एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। स्लोगन प्रतियोगिता में सोनिया प्रथम, मनीषा निरंजन द्वितीय तथा अदिति नायक तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में अदिति नायक प्रथम, मनीषा निरंजन द्वितीय तथा वैष्णवी राठौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता प्रतियोगिता में मूरत सिंह प्रथम, मनीषा निरंजन द्वितीय तथा अदिति नायक तृतीय स्थान पर रहीं। डिजीटल कोलाज प्रतियोगिता में प्रिंस राठौर प्रथम, अदिति नायक द्वितीय तथा मनीषा निरंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि क्विज प्रतियोगिता में राधा निरंजन प्रथम, देवेन्द्र कुमार द्वितीय तथा रोशन राठौर तृतीय स्थान पर रहे।

परिवहन विभाग ललितपुर के सौजन्य से दिनांक 07 दिसम्बर 2021 को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लेखन प्रतियोगिता में मनीषा निरंजन ने तृतीय, क्विज प्रतियोगिता में देवेन्द्र कुमार ने प्रथम तथा राधा निरंजन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में अदिति नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनमें से देवेन्द्र कुमार, राधा निरंजन तथा अदिति नायक ने मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें राधा निरंजन का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

6.महाराजा सुहेलदेव जंयती- इस कार्यक्रम का आयोजन बसंत पंचमी पर्व पर दिनांक 16 फरवरी 2021 को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो0 केशव देव ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर लोक कल्याण हेतु प्रार्थना सभा का भी

7.विश्व महिला दिवस कार्यक्रम– इस कार्यक्रम का आयोजन विश्व महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च 2021 को किया गया। इसमें आयोजित भाषण प्रतियोगिता में शिवि पटैरिया ने प्रथम, अदिति सिंह ने द्वितीय तथा विवेक वुधौलिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में अंशिका रावत ने प्रथम, आरती वर्मा ने द्वितीय तथा राधा निरंजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अदिति सिंह प्रथम, अदिति नायक द्वितीय तथा रोशनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

8.साइबर सुरक्षा संगोष्ठी 2021– साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए छात्र–छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिमाह साइबर सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इसका शुभारम्भ 01 दिसम्बर 2021 को प्राचार्य प्रो0 केशव देव ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ0 सुनील कुमार एवं डॉ0 मनीष कुमार वर्मा हैं। 05 जनवरी 2021 को इस संगोष्ठी में साइबर क्राइम इंस्पेक्टर श्री राजेश कुमार ने छात्र–छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

9.डिजिशक्ति कार्यक्रम 2021–22 – विद्यार्थियों की डिजीटल साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 25.12.2021 को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ के श्री अटल बिहारी बाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम इकाना में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 केशव देव एवं संयोजक श्री बारीष कुमार द्विवेदी ने जनपद ललितपुर के छात्रों के दल के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्रों को टेबलेट/स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के सभागार में किया गया। जनपद ललितपुर के पात्र छात्रों में टेबलेट/स्मार्टफोन के वितरण हेतु इस महाविद्यालय को नोडल नियुक्त किया गया है।

10. अन्य कार्यक्रम– उक्त कार्यक्रमों के अलावा महाविद्यालय में अन्य विविध कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। जैसे गंगा यात्रा कार्यक्रम, विश्व हाथ धुलाई कार्यक्रम आदि

ई-कण्टेन्ट

कोरोना महामारी के कारण प्रभावित शिक्षा व्यवस्था को सुधार करने के लिए तथा छात्र–छात्राओ को ऑनलाइन उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री को उपलब्ध कराने के उत्तर प्रदेश शासन द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। महाविद्यालय में डिजीटल लाइब्रेरी की बेवसाइट http://heecontent.upsdc.gov.in पर ई–कण्टेन्ट से सम्बन्धित कार्य को प्रभारी डॉ0 रीतेश कुमार खरे द्वारा देखा जा रहा है अबतक विकसित किए गए ई–कण्टेन्ट का विवरण निम्नवत है–

डॉ. रीतेश कुमार खरे
समारोहक

क्र.स.	अधिकारी/प्राध्यापक	विषय	अपलोड किए गए ई-कण्टेन्ट की सं.
1.	प्रो. केशव देव	भौतिक विज्ञान	06
2.	डॉ. मनीष कुमार वर्मा	वनस्पति विज्ञान	04
3.	रवीन्द्र कुमार सरौनियां	जन्तु विज्ञान	04
4.	डॉ. देवेन्द्र कुमार साहू	भौतिक विज्ञान	04
5.	डॉ. रीतेश कुमार खरे	जन्तु विज्ञान	04
	योग		22

डॉ. रीतेश कुमार खरे
प्रभारी, ई -कन्टेंट

सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता 2019

महाविद्यालय के छात्रों द्वारा रक्तदान कार्यक्रम

कोविड़-19 महामारी के दौरान रूधिर बैंकों में जरूरत मंदों के लिए रूधिर की भारी कमी देखी गई। इस समस्या के निराकरण के लिए शासन के निर्देशानुसार स्वैच्छिक रक्तदान हेतु अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के छात्रों ने रक्तदान का संकल्प उठाया। इस कार्य में महाविद्यालय के छात्र प्रिंस राठौर ने अग्रणी भूमिका निभाई। अब तक प्रिंस राठौर,राज खान तथा प्रदीप राज द्वारा चार बार, बाबूलाल,अमित कुमार द्वारा तीन बार, शोभाराम प्रजापति द्वारा दो बार जबकी अंकित झां, अभिनय साहू, राजेन्द्र अहिरवार, रोशनलाल , धीरज तथा राज प्रताप द्वारा एक - एक बार रक्तदान किया जा चुका है।

महाविद्यालय के चमकते सितारे

रघुवीर सिंह महाविद्यालय विगत 41 वर्ष से देश के विभिन्न सेवा क्षेत्रों में प्रतिभाओ को तैयार कर स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री प्रवीण तिवारी एवं श्रीमती पूजा तिवारी प्रशासनिक सेवा में कार्यरत हैं विगत पाँच वर्षो में सेवा क्षेत्रों में नियुक्त होने वाले प्रमुख छात्र/छात्राओं में वर्षा यादव (यू.पी. पुलिस), दिनेश सिंह (राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला पुणे), रजनी सूरी (शिक्षा विभाग), शशांक शर्मा (आई.आई.एस.ई.आर. भोपाल), सत्येन्द्र सिंह (बैंक), स्वीकृति वैद्य (शिक्षा विभाग), अंजली श्रीवास्तव (राजस्व विभाग), शशांक नामदेव (शिक्षा विभाग), अंशुल सोनी (बैंक), वर्षा राजा (यू.पी. पुलिस), जितेन्द्र राजपूत (बैंक), मयंक कुमार नामदेव (भारतीय रेल्वे), सत्येन्द्र कुमार (नगर निगम), अमरेन्द्र (मरचेन्ट नेवी), ब्रजेश कुमार (भारतीय आर्मी),विशाल (आयकर विभाग) तथा बाबूलाल (पुलिस विभाग) में नियुक्त होकर अपनी सेवायें दे रहें है। विगत वर्षो में दिनेश सिंह,शशांक शर्मा तथा शशांक नामदेव नें नेट/जे.आर.एफ. की परीक्षा को उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

महाविद्यालय में संचलित विद्यार्थी क्लब

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों को संचालित करने के लिए महाविद्यालय में कुछ विद्यार्थी क्लब (Student Clubs) का गठन किया गया है इनके द्वारा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में विद्यार्थी क्लब के संयोजक/नोडल अधिकारी डॉ. रीतेश कुमार खरे हैं जबकि श्रीमती अर्चना सूरौठिया सहसंयोजक हैं। महाविद्यालय में संचालित प्रमुख विद्यार्थी क्लब निम्नवत है-

1. **एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब** (EBSB Club)- इस क्लब की स्थापना दिनांक 17 जनवरी 2020 को की गई। यह क्लब भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत गठित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को साझा किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य को मेघालय तथा अरूणाचल प्रदेश राज्य से जोड़ा गया है जबकि शासन द्वारा इस महाविद्यालय को कॉलेज ऑफ टीचर एजूकेशन, शिलांग, मेघालय के साथ जोड़ा गया है। इस क्लब द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जैसे कि 21 जनवरी को मेघालय एवं 20 फरवरी को अरूंणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस का आयोजन, मेघालय की खासी भाषा का अभ्यास, राष्ट्रीय एकता, स्वच्छता आदि से सम्बन्धित शपथ, मातृभाषा दिवस का आयोजन, युग्मित राज्यों पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताए आदि। मेघा नायक, देवेन्द्र सिंह, शिवि पटैरिया, बाबूलाल, सौम्या जैन, अंकित झां, प्रिंस राठौर, जतिन जैन आदि इसके सक्रिय सदस्य रहे हैं।

2. **चुनावी साक्षरता क्लब-** (ELC)- महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में निर्वाचन से सम्बन्धित जागरूकता को उत्पन्न करने एवं उनके माध्यम से समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 01 अक्टूबर 2018 को इस क्लब का गठन किया गया। इसका प्रथम अध्यक्ष सुदामा सेन एवं उपाध्यक्ष मेघा नायक को चुना गया। वर्तमान में अंकित झां, प्रिंस राठौर, अदिति नायक आदि इसके सक्रिय सदस्य हैं। इस क्लब द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जैसे चुनावी पाठशाला, मतदाता पंजीयन, नुक्कड़ नाटक, निर्वाचन की दीवार, गोष्ठी, रैली, विभिन्न प्रतियोगिताएं, प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन आदि।

सत्र 2021-22 को इस क्लब द्वारा निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया-

क्र.स.	दिनांक	प्रतियोगिता का नाम	परिणाम
1.	25.01.2022	निबन्ध /स्लोगन प्रतियोगिता	प्रथम- राजीव कुमार, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष द्वितीय - हरिचन्द्र, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष तृतीय- यश कुमार जैन, बी.कॉम,तृतीय वर्ष
2.	25.01.2022	चित्रकला/पोस्टर प्रतियोगिता	प्रथम- सृष्टि वर्मा, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष द्वितीय - अदिति सिंह, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष तृतीय- मनीषा निरंजन, बी.एस-सी.,द्वितीय वर्ष
3.	14.02.2022	स्लोगन प्रतियोगिता	प्रथम- अंकित झां, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष द्वितीय - उपासना देवी, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष तृतीय- प्रवेश सिंह, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

3. **फिटनेस क्लब** (Fitness Club)- इस क्लब की स्थापना 17 जनवरी 2020 को की गई। छात्र-छात्राओं में स्वास्थ्य सम्बन्धी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस क्लब का गठन किया गया है। इस क्लब द्वारा समय-समय पर सामूहिक पीटी, योगाभ्यास तथा क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस क्लब द्वारा प्रतिवर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस का आयोजन किया जाता है। सत्र 2021-22 में योग सम्बन्धी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रूसा के सहयोग योगा मैट का क्रय किया गया।
4. **विद्यार्थी गतिविधि मंच**- छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थी गतिविधि मंच नाम से ऑनलाइन प्लेटफार्म का गठन किया गया है। इसमें ऑनलाइन प्रतियोगिताओं एवं महाविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं का त्वरित प्रसारण किया जाता है। सभी विद्यार्थी इसके सदस्य हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब द्वारा दिलाई जाने वाली शपथ

Pledge of Cleanliness. Avoid Single Use Plastic. Water Conservation and National Unitv

I pledge that I will remain committed towards cleanliness and devote time for this. I will devote 100 hours per year, that is two hours per week, to voluntarily work for cleanliness. I will neither litter not let others litter. I will initiate the quest for cleanliness with myself, my family, my locality, my village and my workplace. I will encourage 100 other persons to take this pledge which I am taking today. I am confident that every step I take towards cleanliness will help in making my country clean. I pledge that I will avoid single-use plastic. I pledge that I will conserve the water and water resources. I solemnly pledge that I dedicate myself to preserve the unity, integrity and security of the

Jay Hind

रीतेश कुमार खरे
संयोजक,विद्यार्थी क्लब

विद्यार्थी क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ

वृक्षारोपण समिति की आख्या

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रतिवर्ष वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है। उच्च शिक्षा विभाग जनपद ललितपुर के विभिन्न महाविद्यालयों में वृक्षारोपण हेतु इस महाविद्यालय को नोडल बनाया गया है इस कार्य को सम्पन्न कराने हेतु महाविद्यालय में वृक्षारोपण समिति का गठन किया गया है जो महाविद्यालय को आवण्टित लक्ष्य के साथ-साथ उच्च शिक्षा विभाग जनपद ललितपुर को आवण्टित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत वृक्षारोपण कार्य सम्पन्न कराती है इसके साथ ही वृक्षारोपण का भौतिक सत्यापन एवं जियो टैगिंग का कार्य भी इस समिति द्वारा देखा जाता है। इस समिति के प्रभारी/समन्वयक डॉ0 रीतेश कुमार खरे जबकि सदस्य डॉ0 मनीश कुमार वर्मा, डॉ0 रवीन्द्र कुमार सरौनियां, श्रीमती अर्चना सूरौठ्िया, श्रीमती अनुराधा, सुश्री इच्छा ओमर तथा श्री सी0 के0 लोहिया हैं। इस समिति द्वारा विगत सत्रों में किए गए वृक्षारोपण कार्य का विवरण निम्नवत है-

वृक्षारोपण वर्ष 2018-19 - इस सत्र में जनपद में कुल 9,623 पौधों का रोपण किया गया। इनमें से 1,523 पौधों का रोपण महाविद्यालय की भूमि में किया गया। इनमें से 16 प्रतिशत पौधे वर्तमान में जीवित हैं।

वृक्षारोपण वर्ष 2019-20 - इस सत्र में जनपद में कुल 10,075 पौधों का रोपण किया गया। इनमें से 1,075 पौधों का रोपण महाविद्यालय की भूमि में किया गया। इनमें से 20 प्रतिशत पौधे वर्तमान में जीवित हैं।

वृक्षारोपण वर्ष 2020-21 - इस सत्र में जनपद में कुल 50,000 पौधों का रोपण किया गया। इनमें से 5,000 पौधों का रोपण महाविद्यालय की भूमि में किया गया। इनमें से 24 प्रतिशत पौधे वर्तमान में जीवित हैं।

वृक्षारोपण वर्ष 2021-22 - इस सत्र में जनपद में कुल 60,000 पौधों का रोपण किया गया है । इस सत्र में उच्च शिक्षा विभाग को कुल सात ग्राम पंचायतें आवण्टित की गई जिनमें विभिन्न महाविद्यालयों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्य किया गया। मड़वारी में 8500, देवगढ़ में 9500, जामुनधाना कलां में 9500, सरखड़ी में 8000, दिढ़ौरा में 9000, भौंटा में 7000 तथा धमकना ग्राम पंचायत में 8500 पौधे रोपित किये गये हैं जिनका संरक्षण सम्बन्धित ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। सत्र 2022-23 में 70,000 पौधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसकी तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई हैं।

क्यों न पेड़ लगाते हो

तेज धूप है हवा गरम
बहा पसीना निकला दम
धूल भरी आंधी में घिरकर
रोते हो चिल्लाते हो
क्यों न पेड़ लगाते हो।

चौमासा दस दिन मे बीता
ताल रहा रीते का रीता
एक घड़ा पानी को लेने
चार कोस तक जाते हो
क्यों न पेड़ लगाते हो।

फसल नहीं अब ज्यादा होवे
घर बैठा किसान भी रोवे
राहत की चैकों को लेने
दर-दर ठोकर खाते हो
क्यों न पेड़ लगाते हो।

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रोपित बरगद का पौधा

डॉ0 रीतेश कुमार खरे 'सत्य'
प्रभारी, वृक्षारोपण

महाविद्यालय के वृक्षारोपण कार्यक्रम की झलकियाँ

महाविद्यालय में छात्रवृत्ति योजना

महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को केन्द्र सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति योजनाओं से आच्छादित किया गया है ताकि प्रत्येक छात्र-छात्रा उचित ढंग से अपनी शिक्षा प्राप्त कर सके।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति

यह छात्रवृत्ति योजना उ0प्र0 सरकार द्वारा कम आय वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु संचालित की जा रही है। सामान्य, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के ऐसे छात्र-छात्राएं जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 02 लाख रूपये तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के ऐसे छात्र-छात्रायें जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 2.5 लाख रूपये से अधिक नहीं है वे इस योजना हेतु पात्र हैं। पात्रता की अन्य शर्तें इस प्रकार हैं-

- आवेदक को उ0प्र0 राज्य का मूल निवासी होना चाहिए।
- आवेदक को महाविद्यालय का संस्थागत छात्र होना चाहिए।
- आवेदक के पास फीस की रसीद, पिछले वर्ष के उत्तीर्ण होने का अंक पत्र होना चाहिए।
- आवेदक के पास आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए।
- आवेदक के पास बैंक में वर्तमान में संचालित खाता होना चाहिए जो कि आधारकार्ड से लिंक हो।
- इसके लिए पात्र छात्र-छात्राओं को निम्नलिखित प्रक्रिया अपनानी होगी-
- सर्वप्रथम छात्रवृत्ति पोर्टल (http://scholarship.up.gov.in) पर अपना पंजीकरण करवाना होगा।
- पंजीकरण के पश्चात् आधार ऑथेंटिकेशन किया जायेगा।
- इसके पश्चात् सही-सही फार्म भरना होगा।
- फार्म में उपस्थित त्रुटियों को सुधारकर फाइनल सबमिट करना होगा।
- इसके पश्चात् फार्म की हार्ड कॉपी को सभी आवश्यक पत्राजातों के साथ महाविद्यालय में जमा करना होगा।

बाद में महाविद्यालय की छात्रवृत्ति समिति द्वारा उक्त फार्म की जांच की जायेगी तथा उसे स्वीकृत तथा सत्यापित कर अग्रसारित किया जायेगा। अंत में शासन द्वारा आवेदक के खाते में सम्बन्धित छात्रवृत्ति को हस्तांतरित किया जायेगा।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (NSP):

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (http://scholarship.gov.in) एक समर्पित छात्रवृत्ति पोर्टल है जो कि केन्द्र सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार तथा अन्य सरकारी संस्थानों जैसे AICTE, UGC इत्यादि द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का मंच है। इस पोर्टल पर जाकर पात्र छात्र, छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर सकते हैं। यह उन सभी सरकारी छात्रवृत्ति के एक स्टॉप पोर्टल है जो ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन से लेकर परेशानी मुक्त छात्रवृत्ति वितरण तक विविध सेवायें प्रदान करता है।

यदि कोई छात्र राज्य द्वारा निर्धारित छात्रवृत्ति योजना से वंचित रह जाता है तो वह इस पोर्टल पर आवेदन कर सकता है।

इंस्पायर स्कॉलरशिप

भारत सरकार ने विज्ञान एवं उच्च शिक्षा के लिए, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से देश के होनहार और प्रतिभाशाली छात्रों को इंस्पायर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ऐसे छात्र-छात्राएं जो बारहवीं की विज्ञान वर्ग की परीक्षा में टॉप एक प्रतिशत की सूची में आते हैं वे इस योजना हेतु आवेदन कर सकते हैं। इस छात्रवृत्ति के अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष 80 हजार रू. तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसे प्राप्त करने हेतु छात्र-छात्राओं को स्नातक गणित वर्ग अथवा जीव विज्ञान वर्ग में प्रवेश लेना अनिवार्य है। इसके लिए छात्र-छात्राओं को मंत्रालय की वेवसाइट www.online-inspire.gov.in or www.inspire-dst.gov.in पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके पश्चात् आवेदन को भरने के लिए पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, जाति प्रमाण पत्र का पी.डी.एफ., बोर्ड द्वारा पात्रता लेटर, 10वी तथा 12वीं का अंकपत्र एवं प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित इंडोर्समेंट फार्म की आवश्यकता होती है।

महाविद्यालय में प्रत्येक छात्र उपरोक्त योजनाओं में से किसी एक योजना में आवेदन कर सकता है। विगत सत्रों में छात्रवृत्ति से लाभांवित छात्र-छात्राओं की संख्या का विवरण इस प्रकार है-

सत्र/वर्ग	सामान्य (General)	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	अनूसचित जाति/जनजाति (SC/ST)	अल्पसंख्यक (Minority)
2019-20	84	311	99	52
2020-21	70	306	111	62
2021-22	100	296	103	88

सत्र 2021-22 में छात्रवृत्ति समिति के नोडल डॉ. डी.के. साहू,सहायक नोडल डॉ. मनीष कुमार वर्मा तथा सदस्य श्रीमती अर्चना सूरौठिया, श्रीमती अनुराधा, डॉ. सुनील कुमार तथा श्री बिजेन्द्र सिंह है।

डॉ0 डी0 के0 साहू
नोडल अधिकारी, छात्रवृत्ति

शुभकामना संदेश

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर अपनी वार्षिक पत्रिका प्रकाशित कर रहा है, राजकीय महाविद्यालय के पूर्व छात्र होने का मुझे गौरव प्राप्त है। वर्तमान में अध्ययनरत् छात्रों से मैं यह कहना चाहता हूँ कि राजकीय महाविद्यालय में वह सब कुछ उपलब्ध है जो एक छात्र के लिए आवश्यक होता है। विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों पर मंच से सम्बन्धित कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के अवसर प्राप्त होते हैं। प्रतिवर्ष होने वाले क्रीड़ा महोत्सव में खेल के प्रति स्नेह रखने वाले छात्रों को अवसर होते हैं। बड़े ही समर्पित प्राध्यापकजन हैं, कोई भी ऐसा नहीं है अगर उनसे बात की जाय तो कोई मना करेगा। महाविद्यालय सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करता है किन्तु बड़े ही खेद का विषय है कि छात्रों की उपस्थिति बहुत कम होती है, मेरा आप सभी से निवेदन है कि कृपया अधिक से अधिक संख्या में महाविद्यालय की गतिविधियों में भाग लें। यह आपके भविष्य के लिए बहुत ही सहायक होगा अत: आप सब आए और महाविद्यालय का तथा जिले का नाम रोशन करें।

शशांक नामदेव
एम.एस-सी. जन्तु विज्ञान 2018

बाढ़ की समस्या का कारण

पिछले कुछ वर्षों में भारत देश के विभिन्न प्रदेशों में बाढ़ की समस्या बढ़ गई है। लोगों के इसको लेकर विभिन्न मत हैं, जनता त्रस्त है, वास्तविक दोषी कौन है? इन सबको लेकर मुझे हमेशा लगता है कि वर्षा के असामान्य वितरण का जिम्मेदार स्वयं मनुष्य ही है, इस समस्या का प्रारम्भ तो औद्योगिक युग (Industrial Era) के शुरूआत के साथ ही हो गया था।

जब फैक्ट्रियों में कच्चे तेल और कोयला आदि का दहन प्रारम्भ हुआ तो वातावरण में कार्बन डाई ऑक्साइड मिलने लगी जो प्राकृतिक रूप से उपस्थित कार्बन डाई ऑक्साइड से कई गुना अधिक थी। बीसवीं शताब्दी के अंत तक कई जगहों पर कार्बन सिंक को देखा गया है। कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ने से वैश्विक तापन (Global Warming) जैसी समस्याओं की शुरूआत हुई। इससे पृथ्वी के औसत तापमान में भी एक से तीन डिग्री की वृद्धि हुई है, इसकी वजह से समस्त मौसमी दशाओ पर प्रभाव पड़ा है।

1950 के बाद से भारत में रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। इसकी वजह से नाइट्रोजन की निष्कासित मात्रा में आप्रत्याशित वृद्धि हुई। कार्बन चक्र और नाइट्रोजन चक्र पूर्ववत नहीं हो रहे हैं। वैश्विक तापन की वजह से विभिन्न पादपों एवं जन्तुओं की प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं इसके अतिरिक्त फसल चक्र पर भी प्रभाव पड़ा है। विभिन्न वाहनों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि भी औद्योगिकीकरण की ही देन है। जिससे भी वायुमण्डल में गैसीय असन्तुलन प्रारम्भ हुआ है।

अगर हम मानसून की उत्पत्ति को समझें तो जमीन पर समुद्र की तुलना में अधिक तापमान होता है। इससे जमीन की हवाएँ गर्म होकर ऊपर उठ जाती हैं फलस्वरूप समुद्री हवाएँ समुद्र के जल की ऊपरी सतह के साथ जमीन की ओर चलना प्रारम्भ करती हैं। इन्हें ही मानसूनी हवाएँ कहते हैं। ये हवाएँ भारत में मुख्यत: वर्षा करती हैं किन्तु तापमान में अत्याधिक वृद्धि की वजह से इन सामान्य मौसमी दशाओं में परिवर्तन हुआ है और वर्तमान मे विभिन्न इलाकों में अत्याधिक वर्षा इसी का परिणाम है।

मनीष कुमार नामदेव
बी.एस-सी. मैथ 2017

सब्जियों का आल्हा

पहले सुन लो गांव के माते, दूजे मुखिया ध्यान लगायें
तीजे सुन लो बड़े मुकद्दम, चौथे सुनलो लम्बरदार।
हमाई लड़ाई है ई सब्जी की, ईमें मोरी करो सहाय
गली-गली में चर्चा हो रई, सब्जी को है बंद बजार।
मायसें से आ गई लौकी बैगन, आलू तोय शर्म न आए
मौरो नांव मिटा दव जग में, केवल तोरो है प्रचार।
बीच रोड पै ठांड़ी बैगन, पूरौ रोड जाम हो जाए
मारूती और ठेलन की लेनें, लेंनन पे लेनें लग जाए।
जो कोऊ इनकी बात करै सो, पकर जेल में बंद करायें
ये सब बात यहीं पे छोड़ो, अब आगे को हाल सुनाएं।
कद्दू बोला तब कटहल से, कटहल सुनलो ध्यान लगाएं
तीन लाख से जाढा सेना, तीस लाख होवें हतयार।
चलदी सेना रण खेतों में, धुंआ गया आकाश में छाए
हाथी चढैया हाथी चढ़ गए, बाकी घोड़न पे हैं सवार।
बातन-बातन बतवा बढ़ गऔ, बातन पे जा चल गई राय
बड़ी बात तो लाते चल गईं, फिर तो चमक उठीं तलवार।
आलू भैया बड़े लडैया, जिनकी मार सही न जाय
सैम, तुरैया ऊने काटी, समखों पंगत दई कराय।
एई बात से, एई कान से,
आल्हा हो गव बन्द हमाओ।।

राघवेन्द्र निरंजन
बी.एस-सी. बायो 2019

नेत्रदान

मरने के बाद एक नेक काम करते जाइये
दो अमूल्य मोती दान करते जाइये।
इन्हें न जलाये न खाक में मिलायें
इस बेसकीमती धन को दान देते जाइये।
ये चिराग जलने दें मत इन्हें बुझाइये
मरने के बाद एक नेक काम करते जाइये।
नेत्र बिना जिन्दगी में दर-दर पर ठोकर
काटना पड़ता जीवन नैन बिन रोकर।
व्याकुल किसी की जान को आसान करते जाइये
मरने के बाद एक नेक काम करते जाइये।
सूनी भयानक रात लगे चांद बिना
बैसे बेनूर चेहरा लगे आंख बिना।
उजड़े चमन दीप जला फिर बहार लाइये
मरने के बाद एक नेक काम करते जाइये।
मौत से बद्तर आंखों का अंधेरा
मुद्दत से काली रात मिले फिर हो सबेरा।
ऐसे किसी मजबूर का भगवान बनते जाइये
मरने के बाद एक नेक काम करते जाइये।

नीरज
बी.एस-सी. बायो 2019

अव्यवस्था का कारण कौन?

वर्तमान युग में मनुष्य बड़ा ही व्यस्त जीवन व्यतीत कर रहा है। उसके पास समय की अत्यधिक कमी है। उसको हर कार्य समय पर चाहिए लेकिन अगर कभी कुछ कार्य व्यक्ति द्वारा निर्धारित समय पर उसके अनुसार नहीं हो पाता तो उसको लगता है कि ये उसकी कमी नहीं है, बल्कि व्यवस्था की कमी है, और मुझे लगता है कि अधिकांश व्यक्ति गड़बड़ी का जिम्मेदार किसी दूसरे को ही मानता है।

मेरा ऐसा मानना है व्यक्ति को जब किसी व्यवस्था में कमियां नजर आती हैं, तो उसको उन्हें सुधारने का ही प्रयास करना चाहिए। अगर वह उन्हें सुधार नहीं सकते तो कम से कम यह शपथ तो ले लेना चाहिए कि अगर भविष्य में कभी हम व्यवस्था का हिस्सा बनेगें तो इसको बहुत अच्छे से ही बिना किसी असुविधा के सम्पूर्ण करेगें।

इसके अतिरिक्त सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्ति को स्वयं का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। अगर व्यक्ति स्वयं का मूल्यांकन करते रहें तो निश्चित रूप से चीजों में कमी निकालने की बजाय वह उन्हें दूर करने का ही प्रयास करेगा। वह आंकलन करेगा कि उस व्यवस्था में उसकी कितनी हिस्सेदारी है और उसने अपना कार्य पूर्ण समर्पण के साथ किया अथवा नहीं। अगर उसको लगा कि उसने पूर्ण मन से और निष्ठा से कार्य नहीं किया है तो वह स्वयं को सुधारेगा और व्यवस्थायें स्वत: अच्छी हो जायेगी।

मयंक कुमार नामदेव
बी.एस-सी. बायो 2018

किसान दिवस

गांव से चाचा का फोन था आया, उन्होंने हमको है बतलाया
बोले किसान दिवस आज है, खुश गांव का सारा समाज है।
शहर से आए हैं अधिकारी, बड़े स्तर पर है तैयारी
बहुत बड़ा पंडाल लगा है, कोना-कोना जिसका सजा है।
एक बड़े मंत्री आयेगें, कई सौगातें भी लायेगें
किसानों से वो स्नेह है करते, सुख-दुख में संग रहेगें कहते।
मैंने बोला चाचाजी से, एक तथ्य पर समझ न आया
जब आपको वहां था होना,तभी आपने फोन लगाया।
बड़े कष्ट से चाचा बोले, व्याकुल मन के पट फिर खोले
शहर से सब हैं आने वाले, सुनने और सुनाने वाले।
हमें वहां से भगा दिया है, साथ में ये भी कहा गया है
इस ओर तुम कभी न आना, फालतू यहां भीड़ न लगाना।
अब मुझको सब समझ था आया, क्यूं चाचा ने फोन लगाया
क्योंकि किसान दिवस आज है, खुश गांव का सारा समाज है।

शशांक नामदेव
एम.एस-सी. जन्तु विज्ञान 2018

भारत की जनमानस की भाषा हिन्दी

विश्व आर्थिक मंच की गणना के अनुसार हिन्दी विश्व की दस शक्तिशाली भाषाओं में से एक है। एथनोलॉग के अनुसार हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

भारत में जनगणना 2011 के अनुसार 57.1 प्रतिशत भारतीय जनसंख्या हिन्दी जानती है जिसमें से 43.63 प्रतिशत भारतीय लोगों ने हिन्दी को अपनी मूल भाषा या मातृभाषा घोषित किया था। देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिन्दी ही है और यही वजह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था।

हिन्दी बहुत समृद्ध है, यू.पी., राजस्थान।
मध्य प्रदेश बिहार, में बहुत मान सम्मान।।
बहुत मान सम्मान, माने माथे ही बिंदी।
सभी करें स्वीकार, राष्ट्रभाषा हो हिन्दी।।

हर साल देश में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1918 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने की बात कही थी। देश का आम नागरिक जानता है कि हिन्दी दिवस क्यों मनाया जाता है ? लेकिन शायद वो यह नहीं जानता है कि आज भी हिन्दी हमारी राज भाषा है राष्ट्र भाषा नहीं।

हमारा भारत एक ऐसा देश है जो विविद्यता में एकता की विशेषता रखता है। हमारे भारत देश में अनेक विभिन्नताएं पायी जाती हैं, यहां हर राज्य की अपनी राजनैतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है। भारत में 22 भाषाओं को अधिकारिक दर्जा प्राप्त है उनमें हिन्दी का स्थान सर्वोपरि है। हिन्दी को राजभाषा का दर्जा 14 सितम्बर 1949 को मिला था इसके बाद समय-समय पर इसे राष्ट्रभाषा घोषित करने की मांग उठायी जाती रही है। संविधान के अनुसार सभी भाषायें बराबर है परन्तु जनमानस के बहुमत की मांग को स्वीकार करते हुए हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित करने का कदम उठाना चाहिए।

मेघा नायक
बी.कॉम. 2020

कम्पटीशन का जमाना

ये है कम्पटीशन का जमाना, पर मुश्किल नहीं सरकारी सेवा पाना
देखों मेहनत करने वालों को, सीखों इनसे मंजिल पाना।
संभल जाओ घंटो को पार करने वालो
समय को जान लो, आलस करने वालो।
ये है कम्पटीशन का जमाना, पर मुश्किल नहीं सरकारी सेवा पाना।
गुंडागिर्दी, दादागिर्दी नहीं हमारा काम
हमको तो मेहनत के बल पर करना अपना नाम।
अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा यारों, अध्ययन में जुट जाना
ये है कम्पटीशन का जमाना, पर मुश्किल नहीं सरकारी सेवा पाना।

रामरतन
बी.एस-सी. मैथ 2016

नशे से हानियाँ

ये शराब, सिगरेट और बीड़िया तबाह करे हमारी जिदंगानियां।
नशे में डुबा दे, जीना भुला दें, कायर बना दें, साथी छुड़ा दें।
जीवन नर्क बना दें, जेब खाली करा दें,
खांसी दें, कैंसर का रोगी बना दें,
ये शराब, सिगरेट और बीड़िया तबाह करे हमारी जिदंगानियां।
कर्ज मे डुबा दें, हमको निर्धन बना दें, आवारा बना दें, शराबी का तमगा लगा दें।
परिवार की इज्जत को मिट्टी में मिला दें,
मां-बाप के अरमानों में आंसुओं में बहा दें।
ये शराब, सिगरेट और बीड़िया तबाह करे हमारी जिदंगानियां।
दोस्ती को दुश्मनी में बदल दें, निकम्मा बना दें,
ईमानदारी भुला दें, जमाने के सारे ग़म दिला दें,
अब दूर करो तुम सारी परेशानियां,
छोड़ दो पीना, ये शराब, सिगरेट और बीडियां।

रामरतन
बी.एस-सी. मैथ 2016

किसान भूखा है

दरिया सूखा है,किसान भूखा है,
जीने का सहारा, उसका खेत सूखा है।
थी आस उसको बादल से,बादल भी रूखा है
जाने कब बरसेगा, हर तरफ सूखा है।
नहीं दूसरी चाह उसकी,जीने की एक राह उसकी,
आशा थी जिनसे, उनका हाथ छूटा है
लुट गया अपनों से, अन्दर से टूटा है।
बागों में फिर गेंदा फूले,किसान फिर कोई फांसी न झूलें

अनुज राजपूत
बी.कॉम. 2020

थाह

क्यों इच्छाओं की थाह नहीं
क्यों दिखाती कोई राह नहीं
क्यों धसते जाते दलदल में
क्यों टिकते कहीं ये पांव नहीं।
ये मन क्यों बागी लगता है
क्यों इधर उधर ये भगता है
क्या मन का ही सब किस्सा है
जो आज हमारा हिस्सा है।
तृष्णाओं का कोई अंत नहीं
संतुष्टि सा कोई संत नहीं
खुशियां तो अपने अन्दर हैं
बाहर तो कोई बसंत नहीं।
क्यों व्यर्थ ये जीवन खोते हो
क्यों भार समझ इसे ढोते हो
तुम स्व: को छोड़ो सर्व गहो
फिर क्या से क्या तुम होते हो।
खुशियां तो सारी यहीं कहीं
बस हमको उनकी परख नहीं।

भारती
बी.एस-सी. बायो 2020

परीक्षा का भूत

हे प्रभु इस दास की इतनी विनय सुन लीजिए
मार ठोकर नाव मेरी पार तो कर दीजिए।
मैं नहीं डरता प्रभु आंधी मौत या तूफान से
कांपती है रूह मेरी सर्वदा इम्तिहान से।
जीव के हर शब्द के हिस्से सताते हैं मुझे
स्वप्न मे भी सर्प और बिच्छू नजर आते मुझे।
एलजेब्रा व गणित के सिवा कुछ भाता नहीं
क्या करें लेकिन गुणा और भाग तक आता नहीं।
राम राम: राम रामम् हाय प्यारी संस्कृतम
लगता है कि पीछा नहीं छोडेगी ले लेगी दम।
नाश हो इतिहास का सातो समन्दर बह गए
मर गए वो लोग रोने को हम रह गए।
जन्म और मृत्यु को रटना लगता मुझको श्राप है
कौन है बेटा न जाने कौन किसका बाप है।
भूगोल में एक प्रश्न था क्या गोल है अपनी धरा
और उत्तर पुस्तिका में लिख दिया उत्तर खरा।
गोल है पूड़ी, कचौड़ी, गोल गप्पा गोल है
इसलिए श्रीमान जी यह धरा भी गोल है।
खुश हुये श्रीमान मेरे इस अनोखे ज्ञान से
पुस्तिका पर लिख दिया जल्दी ही बड़ी शान से।
ठीक है बेटा हमारी लेखनी भी गोल है
इसलिए इस प्रश्न में नम्बर तुम्हारा गोल है।
हे प्रभु इस दास की इतनी विनय सुन लीजिए
मार ठोकर नाव मेरी पार तो कर दीजिए।

नीरज
बी.एस-सी. बायो 2019

बायोलॉजी

देखिए मेरी साइकोलॉजी,
मैंने ली बायोलॉजी।
जिसे पढ़ने से आए जीवों का ध्यान
हिन्दी में इस विषय को कहते हैं जीव विज्ञान।
जूलॉजी में होता है जन्तुओं का ज्ञान
प्रोटोजोआ से कॉर्डेटा तक की पहचान।
इनका हमसे गहरा नाता
अरस्तु हैं जूलॉजी के जन्मदाता।
देखें जिनको हम सचित्र
वो बोटनी है बड़ी विचित्र।
अनावृत से आवृत बीजी पौधे
इनको प्रतिदिन हम हैं देखाते।
थियोफ्रेस्टस का था इनका गहरा नाता
आप बने बॉटनी के जन्मदाता।
औषधियों पौधों को जाने
रोगों को अपने पहचानें।
जीवों का हम करें बचाव
पेड़ों का न करे कटाव।
बायोलॉजी को हम अपनाए
जीवन को खुशहाल बनायें।

भूपेन्द्र सिंह
बी.एस-सी. बायो 2019

है इंसा तू

है वीर भी तू रणधीर भी तू,
है तरकस वाला तीर भी तू।
तू ही प्रेमभात तू ही शंखनाद,
रण में जीती शमशीर भी तू।
है रावण तू कहीं कंस भी तू,
अंतर में जीता राम भी तू।
व्यवचारी तू व्यवहारी तू,
गंगा का है पतवारी तू।
है राजा तू कही रंक भी तू,
इज्जत से हारा कलंक भी तू।
निर्मल भी है तू कोमल भी,
कर शीश शिखार दुर्बल भी तू।
कहीं दिखाता सुन्दर है प्रपात,
है करता तू प्राणों पे घात।
है शीतल गंगा जल तू कहीं,
है जलता दावानल तू कहीं।
कभी बनता खुद रक्षक तू कहीं,
कभी बनता खुद भक्षक तू कहीं।
है करता वंजर पावन तू कहीं,
तो मरता जीवन तेरे डर से कहीं।
अब हर पल करवट लेता तू,
क्यों खुद ही खुद में खोता तू।
कर शोक मनन और चिंता तू,
है इंसा तू, है इंसा तू।

नैन्सी गुप्ता
बी.एस-सी. बायो 2019

सच्चा दोस्त है जरूरी

एक बार मेरी और मेरे साथी की बात चल रही थी। बात इस मुद्दे पर अटक गई कि कौन सच्चा दोस्त और मददगार होता है, कौन नहीं ? मैनें उससे पूछा कि तुम्हारा कौन दोस्त है? उसने तपाक से जबाब दिया बहुत से। मैंने उससे चार दोस्तों के नाम बताने को कहा। दस मिनट सोचने के बाद उसने बमुश्किल एक नाम लिया। मुझे लगा कि वह नाम भी इस शर्मदिगी से बचने के ले लिया कि कहीं मैं यह न कह बैठूं कि तेरा तो एक भी सच्चा दोस्त नहीं है।

चर्चा आगे बढ़ी तो साथी ने सवाल दागा कि फिर सच्चा दोस्त कौन है?मैने उसे बताया कि जब हम मुसीबत में हो तो सबसे पहले जिस आदमी का नाम हमें याद आए वही हमारा असल दोस्त है। मजे की बात यह है कि कई बार यह वो व्यक्ति होता है जिसे हम अपना दुश्मन समझ रहे होते हैं पर इस सच्चे दोस्त के साथ हम न ज्यादा हसते बोलते हैं, न साथ घूमते हैं। उसके साथ हम कम से कम समय बिताते हैं। यह बात सुनकर मेरा साथी मेरा मुहं ताकने लगा, मानों मैनें उसके मन बात जान ली हो।

लगता है कि दुनिया अकेली हो गई है। लोग भीड़ में अकेले घूम रहे हैं और सबको सच्चे दोस्त की तलाश है। आजकल की दोस्ती में हमें किसी पर विश्वास ही नहीं रहा। दोस्ती तो तब है, जब अंतरंग से अंतरंग बाते भी एक दूसरे से बेहिचक सांझा की जा सके। पर आजकल हर दूसरे आदमी से हमें डर लगता है कि कहीं वह हमारे नाम का गलत फायदा न उठा ले, हमारी चुगली न कर दे या हमें नुकसान न पहुंचा दे। क्या विडम्बना है कि जिसे हम दोस्त कह रहे हैं, जिसके साथ हम समय बिता रहें हैं, उससे भी खुल नहीं पा रहे।

कुछ लोग कहते हैं कि आजकल दुश्मन ज्यादा भरोसेमंद है क्योंकि हमें पता है कि वे कहां तक नुकसान पहुंचा सकते हैं ? बहुत से लोगो की पीड़ा यह है कि उनके पास कोई ऐसा दोस्त नहीं है जिससे वे खुलकर मन की बात कर सके।

दोस्ती निस्वार्थ, त्याग मांगती है। दोस्ती तब होती है जब दूसरे को लगता है कि आप उसकी चिंता करते हैं। हमने कई बार देखा है कि दोस्त का जरूरी काम पड़ने पर हम कोई तकनीकी बहाना बनाकर बचते हैं और सोचते हैं कि इस बहाने को वह सच मानेगा और हमारी दोस्ती में कोई फर्क नहीं आयेगा। लेकिन फिर जब हमें काम पड़ता है तो उधर से भी तकनीकी बहाना आ जाता है। कहते है कि हमारी भावना ही हम तक लौटकर आती है। कई बार हम दोस्तों और चाटूकारता में फर्क नहीं कर पाते। असल दोस्त वह है जो आपके मुख पर सही को सही और गलत को गलत बोलने की ताकत रखता हो। लेकिन हम सामने वाले को दोस्त भी कह रहे हैं और उससे ईर्ष्या भी कर रहे हैं कि कही वह हमसे आगे न निकल जाए। कितने दोस्त ऐसे हैं जो दोस्त को खुद से आगे निकलता देख खुश होते हैं ?

बहुत से लोग कहते हैं कि दोस्ती तब होती है जब आपको किसी से काम नहीं होता। मेरा मानना इससे बिल्कुल उलट है। मुझे लगता है कि दोस्ती तब होती है जब कोई आदमी सुख-दुख का साथी बनता है। जब हम एक दूसरे के काम आते हैं तो धीरे धीरे निकटता बढ़ती है। कई बार मैं, लोगों से कहता हूं कि आप मेरा काम करियें उससे आपका विश्वास मुझमें बढ़ जायेगा। क्योंकि तब आपको लगेगा कि जब आपने मेरा भला किया है तो मैं, आपका बुरा क्यों करूंगा ? जिंदगी में किसी भी मोड़ पर सिर्फ एक अच्छा दोस्त मिल जाये तो वह हजार के बराबर है। वह सभी हीरों में कोहिनूर है।

चन्द्रप्रकाश
एम.एस-सी. बॉटनी 2019

जिन्दगी जी के देखो

किसी अजनवी से बात करके तो देखो
अपनी झिझक से आगे बढ़के तो देखो
किसी अनजान को मुस्कुराहट देके तो देखो
कुछ रूठों को चाहत देके तो देखो
रोते आये थे, रोते जायेंगें ऐसा जरूरी नहीं है
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं है।

कुछ पुराने पन्नों को हिला के तो देखो
अचानक उनको फोन मिला के तो देखो
कुछ जख्म ऐसे साफ करके तो देखो
उनको और खुद को माफ करके तो देखो
रास्ते अलग हैं अब पर दिलों मे दूरी नहीं है
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं है।

दोस्ती के हाथ बढ़ा के तो देखो
अपनो को प्यार जता कर तो देखो
बिना कारण के खुशियां मनाके तो देखो
खुद से ही गीत गुनगुनाके तो देखो
हर सांस में जिन्दगी है, कोई मजबूरी नहीं है
ये दुनिया इतनी बुरी नही है।

नैन्सी गुप्ता
बी.एस-सी. बायो 2019

स्वच्छता के प्रति हमारा कर्तव्य

सुन्दरता की हरियाली
इस देश में लाना है।
भारत को स्वच्छ बनाने में
अपना कर्तव्य निभाना है।
गीले-सूखे के अलग-अलग
हर घर में हों दो कचरे दान।
कम्पोस्ट खाद बनाकर
खेतों में उपज बढ़ाना है।
भारत को स्वच्छ बनाने में
अपना कर्तव्य निभाना है।
गंगा मां के जल को भी
यमुना मां के जल को भी
निर्मल स्वच्छ बनाना है।
भारत को स्वच्छ बनाने में
अपना कर्तव्य निभाना है।
हम सब को मिलकर के ही
संभव हर लक्ष्य बनाना है।
भारत को स्वच्छ बनाने का
बीड़ा यह हमें उठाना है।
भारत को स्वच्छ बनाने में
अपना कर्तव्य निभाना है।

सुदामा सेन
बी.एस-सी. बायो 2019

ईश्वर तुमने हमें बनाया

ईश्वर तुमने हमें बनाया

इतना सुन्दर कैसे बनाया।

एक नाक जो तुमने बनायी

चेहरे पे जो ऊंची लगायी।

स्वस्थ सांस हम जिससे लेते

तभी तो जीवित हम सब रहते।

ईश्वर तुमने हमें बनाया

इतना सुन्दर कैसे बनाया।

हाथ दिये कुछ करने को

पैर दिये हमें चलने को।

मुंह से हम सब बोल रहे हैं

मन की बाते खोल रहे हैं।

ईश्वर तुमने हमें बनाया

इतना सुन्दर कैसे बनाया।

रूप सिंह
बी.कॉम. 2020

बेटी हूँ मैं

बचपन है मुझे जीने दो

नई कलियां बाग में खिलने दो।

मत छीनों मुझसे मेरा हक

मुझे पढ़ने दो मुझे बढ़ने दो।

दो आजादी मुझे जीने की

दो मंजूरी मुझे खिलने की।

मेरी खुशबू हर ओर रहे

मेरी मुस्कान हर ओर खिले।

लाड़ली हूं मैं खुद की

मेरी भी जीने की भूख है।

मुझे जीने दो, मुझे जीने दो

मेरा भी तो वजूद है।

मत मारों मुझे कोख में

मुझमें भी आकार है।

दिल है मुझमें, बेटी हूं मैं आपकी

मुझे भी जिन्दगी से प्यार है।

मेरे भी कई सपने हैं

मुझे भी जीने का अधिकार है।

गौरी पुरोहित
बी.एस-सी. 2020

बता दो जरा

अंधेरे में दिया जला दो जरा

मुझे कोई रास्ता सूझता नहीं।

जिढंगी बन गई पहेली मेरी

मगर कोई उसको बूझता नहीं।

उठते हुए को पूजते हैं लोग

गिरते को कोई पूछता नहीं।

मन में पड़ी जो ऐसी दरार

लाख कोशिश से भी भरती नहीं।

मोम सा दिल ऐसा पत्थर बना

जो पिघलाने से भी पिघलता नहीं

दिल पर जख्म इतने गहरे हुए

जो मलहम लगाने से सूखता नहीं।

बता दो जहां में इंसा कोई ऐसा

जो मुश्किलों से कभी जूझता नहीं।

अजय कुमार सिंह
बी.एस-सी. 2019

बेटिंया बोझ नहीं

पापा की परी होती हैं बेटियां

मां की जान होती हैं बेटियां

फिर भी लोग क्यूं कहते हैं

बोझ होती हैं ये बेटिया।

बहनों की सखी होती हैं बेटियां

भाइयों का गौरव होती हैं बेटियां

फिर भी लोग क्यूं कहते हैं

बोझ होती हैं ये बेटिया।

दादा-दादी की लाडली होती हैं बेटियां

आंगन की तुलसी होती हैं बेटियां

फिर भी लोग क्यूं कहते हैं

बोझ होती हैं ये बेटिया।

मायके की शान होती हैं बेटियां

ससुराल का मान होती है बेटियां

फिर भी लोग क्यूं कहते हैं

बोझ होती हैं ये बेटिया।

दो परिवारों को संभालती हैं बेटिया

परिवार की नीवं होती है बेटियां

फिर भी लोग क्यूं कहते हैं

बोझ होती हैं ये बेटिया।

दीक्षा सिंह
बी.एस-सी. 2019

महिला सशक्तिकरण- व्यंग एवं वाद-विवाद

आज के आधुनिक परिवेश में हमनें एक शब्द जरूर सुना होगा नारीवाद (Feminism)। हम सभी ने इस शब्द का कहीं न कहीं प्रयोग किया भी होगा। गूगल (Google) पर इसका अर्थ देखने जाएं तो पता चलेगा कि सारे लिगों मुख्यत: महिलाओं को समान अवसर देना। पर हमें क्यों लगता है कि हमें महिलाओं को अवसर देना पडेगा ? क्या हर नारी अपना अवसर खुद नहीं बना सकती? क्या इस पुरूष प्रधान समाज में हमें अवसर पुरूष ही देगें? उत्तर है- नहीं। स्वयं एक महिला होने के नाते मैं समझती हूं कि हर महिला इतनी सशक्त होती है कि वह अपनी जिम्मेदारी व अवसर खुद समझ सके या बना सके।

नारी तुम स्वतन्त्र हो
जीवन धन यन्त्र हो
काल के कपाल पर लिखा
सुन्दर सुख मन्त्र हो।

हर महिला को यह समझना होगा कि हमें हर परिस्थिति से जूझकर खुद अपना नाम व स्थान सशक्त करना होगा। ऐसी न जाने कितनी ही नारियां है जिन्होंने हर पुरुष प्रधान क्षेत्र में पुरूषों से बेहतर कार्य किया जैसे - कल्पना चावला, लता मंगेशकर, किरण वेदी, भारती सिंह, इन्दिरा गांधी कुछ उदाहरण है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहां शक्ति, ज्ञान व धन तीनों के रूप में नारी को ही पूजा जाता है। मां दुर्गा, मां सरस्वती व मां लक्ष्मी तीनों भारतीय संस्कृति की स्तम्भ हैं। हर नारी मे इन तीनों का वास होता है व हर नारी दुर्गा की तरह शक्तिशाली, सरस्वती की तरह ज्ञानशील व लक्ष्मी की तरह धनवान बन सकती है अगर वह अपने अन्दर की लौ को जलाए।

कोमल है कमजोर नहीं तू
शक्ति का नाम ही नारी है
जग को जीवन देने वाली
मौत भी तुझसे हारी है।

एक जीवन को दुनिया में जब नारी लाती है तो असीम कष्ट से गुजरकर भी जब अपने शिशु को देखती है तो सारा कष्ट भूलकर मुस्कराती है। हर महीने हर नारी पीड़ा सहती है परन्तु अपने कार्य में पीछे नहीं हटती। डटी रहती है, लगी रहती है अपने कार्य में व जीत भी दर्ज करती है लेकिन पुरूष नारी को इस समय में दूषित समझते हैं परन्तु दूसरी तरफ मां कामाख्या को पूजते हैं। दुर्गा की पूजा करतें है परन्तु खुद में राक्षस छुपा कर रखते हैं। लक्ष्मी का पूजन करते हैं पर अपने घर की लक्ष्मी अपनी पत्नी पर जुल्म ढाते हैं। मगर जब ऐसी खबरें छपती हैं तो नारी को ही दोषी मानते हैं। महिलाओं को अपने ऊपर हो रहे जुर्म व दोषारोपण को रोकना होगा व आगे आकर इसका जग में प्रचार करना होगा। हर पुरूष को स्मरण रखना चाहिए कि महिषासुर, शुम्भ-निशुम्भ जैसे राक्षसों को मारने की शक्ति देवताओं में नहीं थी। देवता खुद को इनसे बचाने के लिए मां दुर्गा की शरण में ही गये थे।

पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था ''हर समाज के विकास का रास्ता महिलाओं के विकास से ही गुजरता है।'' हमें महिला विकास पर ध्यान देना होगा हर क्षेत्र में जैसे विज्ञान, राजनीति, शिक्षा, वाणिज्य, साहित्य इन सभी जगह महिलाओं को खुद स्थान बनाना होगा। मैं अपने विचारों को यहीं विराम देना चाहूंगी परन्तु कुछ पंक्ति कहना चाहूंगी-

हम शब्द है, वह पूरी भाषा है
हम कुंठित हैं, वह अभिलाषा है
बस यही नारी की परिभाषा है।

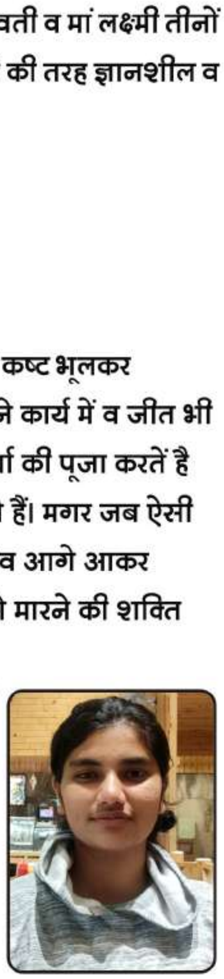

शिवि पटैरिया
बी.एस-सी. 2021

जीवन संघर्ष है परिवर्तन लाने का

जीवन उसी का नाम है,
जो संघर्षों से गुजरे,
उसका जीवन क्या जीवन,
जो बच बच के निकले।
माना संघर्ष में हमको,
दु:ख उठाना पड़ता है,
लेकिन दु:ख के बाद हमें,
सुख का अनुभव होता है।
देखो सुबह के सूरज को,
जो बादलों को चीर के निकले,
अपनी इस ताकत से वो,
रात के अंधेरे को निगले।
इसी अपनी ताकत से वो,
दुनिया में पूजा जाए,
कोई इसको 'रब' कहता,
कोई अपना 'देव' बताए।
इन्तजार न साथ पाने का करना है,
अपनी लडाई अंतिम सांस तक लड़ना है।
अब सब्र नहीं संघर्ष करना है,
भाग्य भरोसे जीवन में नहीं रहना है।
जीवन नाम है तूफान से टकराने का,
जीवन लक्ष्य है पथ की ओर जाने का।
जीवन गीत भी है, जीवन मीत भी है,
जीवन संघर्ष है, परिवर्तन लाने का।

सुभाषी साहू
बी.एस-सी. मैथ 2021

मेरा सलाम

सरहद पर खड़े रखवालों को
इस देश के पहरेदारों को
दिल से मेरा सलाम है।
ये देश चैन से सोता है
वो पहरे पर जब होते हैं
जो आंख उठाता है दुश्मन
तो अपनी जान को खोते हैं
उनकी वजह से आज सुरक्षित
ये सारी आवाम है
उन्हें दिल से मेरा सलाम है
उन्हें दिल से मेरा सलाम है।
गर्मी का मौसम या फिर
हो कड़कडाती सर्दी
सरहद पर वो रहते तैनात
पहनकर स्वाभिमान की वर्दी
डरते न कभी दुश्मन से
चाहे जो भी हो अंजाम
उन्हें दिल से मेरा सलाम है
उन्हें दिल से मेरा सलाम है।

अंशिका रावत
बी.एस-सी. 2021

चिड़िया कहती

सुनो-सुनो क्या चिड़िया कहती
हवा सुहानी अब न बहती।
आंगन की शोभा हरियाली
पेड़ों से अब आंगन खाली।
पीपल बरगद की छांव नहीं
हरा-भरा अब गांव नहीं।
चिड़िया ने अब गाना छोड़ा
घर-आंगन में आना छोड़ा।
चिड़ियों को हम चलों मनाएं
धरती पर फिर पेड़ लगाएं।

भूपेन्द्र सिंह
बी.एस-सी. बायो 2019

समस्या का समाधान

आज कल अक्सर देखा जाता है कि हर व्यक्ति केवल एक ही शिकायत करते हुए मिलता है कि मेरे जीवन में अनगिनत समस्याएं हैं जिनके कारण मैं जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहा हूं। देखा जाए तो समस्या कभी बताकर नहीं आती फिर भी हम उसके लिए हमेशा तैयार रहें हम चाहें तो समस्या के स्वरूप को परिवर्तित करके एक अलग नजरिए से देख सकते हैं जिसका नाम ''चुनौती'' है।

जिस प्रकार हम अपने जीवन में किसी भी व्यक्ति द्वारा दी गई चुनौती को स्वीकार करके साहस के साथ उसका सामना करते हैं ठीक उसी प्रकार हमें समस्या को एक चुनौती के रूप में ग्रहण करके साहस के साथ उसका सामना करके उसे खत्म कर सकते हैं परन्तु सभी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम समस्या को अपने मन में एक भय के रूप में बिठा लेते हैं और उसी भय के बोझ तले हम दबते जाते हैं अर्थात् अन्दर से कमजोर होते जाते हैं लेकिन हम सभी के सामने समस्या उत्पन्न होते ही घबराना नहीं चाहिए बल्कि उसका शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनकर सामना करना चाहिए। समस्याएं व्यक्ति को न सिर्फ एक जिम्मेदार व्यक्ति बनाती हैं वरन् एक अनुभवी व्यक्ति भी बना देती हैं जब कोई व्यक्ति किसी समस्या से जूझता है तो वह पहले की अपेक्षा अधिक मजबूत हो जाता है।

एक अन्य नजरिए से देखा जाए तो समस्याएं व्यक्ति को एक सर्वश्रेश्ठ प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि व्यक्ति को स्वयं को सशक्त, साहसी और मजबूत बनने के लिए नजरिया बदलना अत्यन्त आवश्यक है अत: निर्णय आपके हाथ में है कि आप समस्या को अभी भी समस्या मानते हैं अथवा चुनौती ?

आर्यन राठौर
बी.कॉम. 2021

फोन स्मार्ट कैसे बना?

यह मोबाइल यूं ही हट्टा-कट्टा नहीं है। दोस्तों-इसने बहुत कुछ खाया पिया है।
यह हाथों की घड़ी खा गया।
यह टॉर्च खा गया।
यह कैलकुलेटर खा गया।
पड़ोस की दोस्ती भी खा गया।
रिश्ते भी खा गया।
पैसे भी खा गया।
वक्त भी खा गया।
हमारा मेल-मिलाव भी खा गया।

कम्बख्त इतना कुछ खाकर ही स्मार्ट बना बैठा है। बदलती दुनिया का ऐसा असर हुआ कि आदमी पागल और फोन स्मार्ट होने लगा है। जब तक फोन वायर से बंधा था तब तक आदमी आजाद था आज फोन आजाद है और आदमी फोन से बंध गया है।

अंगुलियां ही निभा रहीं हैं रिश्ते आजकल
जुबान से निभाने का किसी को वक्त कहां है।

दोस्तो, मां-बाप और गुरू का दिल जीत लो कामयाब हो जाओगे वरना सारी दुनिया मुठ्ठी में करके भी हार जाओगे।

अभिषेक
बी.एस-सी. 2021

क्या लिखूं

मैं किसी के बारे में क्या लिखूं,
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को
बहुत लोग लिखाते हैं दूसरों के बारे में,
पर क्या वो जानते हैं उनकी सही प्रकृति को
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं,
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।
मैंनें जिन्दगी को कभी गम्भीरता से लिया ही नहीं,
क्योंकि बचपना था और थी कई अभिलाषाएं
कभी खो जाती थी खुद में पर,
खुद को ही न पहचान सकी मैं
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं,
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।
हिचकिचाहट थी, कदम लड़खड़ाते थे,
पर गम्भीरता न थी जीवन में
कभी मां ने तो कभी शिक्षकों ने,
मेरी गलतियों को सुधारा
मुझसे कई अभिलाषाऐं रखीं,
कुछ अभिलाषाऐं पूरी हुई
पर जो पूरी न हुई तो उदास हो जाती थी मैं,
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।,
मुझे समझ नहीं आया कि मंजिल कहां है
कभी दोस्तों तो कभी किसी और के पीछे,
ऐसे में भटक गई थी मैं
कोई बताये मुझे मैं क्या हूं,
कोई मेरे बारे में भी क्या बतायेगा
जब मैं स्वयं को न पहचान सकी,
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।,
किसी ने अच्छा तो किसी ने बुरा कहा मुझे
और इसी को असलियत माना मैंने,
पर क्या यही असलियत थी
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं,
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।
कभी किसी बात पर ज्यादा खुश होना
न जानती थी मैं,
लोगों से बात करना यहां तक कि
दोस्तों से भी बात करना न चाहती थी मैं,
पर अभिलाषा थी कुछ करने की कुछ बनने की
पर कैसे जब मैं डरी हुई थी इस दुनिया से,
मैं किसी के बारे में क्या लिखूं
जब मैं पहचान ही न सकी स्वयं को।

ईशिका सोनी
बी.एस-सी. 2021

जीवन संघर्ष

जीवन संघर्ष है, तुम्हें लड़ना होगा,
इन बेईमान लोगों से
कपट करम के रोगों से,
उठकर गिरना, गिरकर उठना होगा
विपदाओं से भिड़ना होगा,
जीवन संघर्ष है, तुम्हें लड़ना होगा।
आत्मविश्वास, जो टूट गया हो,
उम्मीद का दामन छूट गया हो
तब हर घाव पर मलहम लगाकर,
सोयी हुई आत्मा जगाकर
आत्मज्ञान तुम्हे करना होगा,
जीवन संघर्ष है, तुम्हें लड़ना होगा।
जब भी कदम तुम आगे बढ़ाओगे,
उपहास अट्ठाहस ही पाओगे
तब अपने को शांतचित्त करके,
मानवता का कृत्य करके
तूफानों में अडिग रहना होगा,
जीवन संघर्ष है, तुम्हें लड़ना होगा।

सुरक्षा सिंह
बी.एस-सी. 2021

राष्ट्रभाषा हिन्दी

उपजी देवों की वाणी से

सम्मानित 'वीणा-वाणी' से

सरल सुगम समृद्ध हमारी

कितनी गौरवशाली हिन्दी!

भारत की संस्कृति की शान

शब्द संजोए अभिनव ज्ञान

बना रही पहचान निरन्तर

अब है 'विश्व-दुलारी' हिन्दी!

पहने राष्ट्र भाषा का ताज

ह्रदय बसी है सबके आज

बोलें-लिखें सुने-गुने सब

क्या भाषा है वाह री हिन्दी

अब है 'विश्व-दुलारी' हिन्दी!

अदिति सिंह
बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष 2022

नशे से दूर रहें

भारत देश युवाओं का देश है। देश को संपन्न और विकसित बनाने में युवाओं का अहम योगदान होता है लेकिन इस समय हमारे देश के कई राज्य नशे की गिरफ्त में है। इनमें पंजाब राज्य का नाम सबसे ऊपर आता है।

जिस उम्र में युवाओं को अपने भविष्य की आधारशिला रखनी चाहिए उस समय वे नशीले पदार्थों जैसे शराब, अफीम, सिगरेट आदि का सेवन कर अपने भविष्य को अंधकार की तरफ धकेल रहे हैं कुछ नवयुवक इसे आज का फैशन मानते हैं। बड़े-बड़े शहरों और इन शहरों के महाविद्यालयों या विश्वविद्यालयों में नशा करना एक आम बात हो गई है।

एक सर्वे के अनुसार हमारे देश के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनके घर में दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती। उनके बच्चे शिक्षा पाने के लिए तरसते हैं। ये लोग जो भी पैसे मजदूरी में कमाते हैं वो सब नशे में उड़ा देते हैं।

नशा हमारे देश की तेजी से बढ़ रही समस्याओं में से एक है। इसकी रोकथाम के लिए सरकार को अधिक कड़े कानून बनाने चाहिए। इसके साथ-साथ युवाओं को भी नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। प्रत्येक जिले में नशा मुक्ति केन्द्र की स्थापना करनी चाहिए तभी इस जहर में डूबते हुए हमारे देश का मुक्ति मार्ग प्रशस्त हो पायेगा।

गौरव राठौर
बी.एस-सी. 2020

सहयोग की भावना

एक दिन शरीर की इन्द्रियों ने सोचा कि हम लोग मेहनत कर-करके मर जाते हैं और ये पेट हमारी कमाई मुफ्त में ही खा जाता है। अब से हम कमाएंगे तो हम खुद की खाएंगे नहीं तो काम करना ही बंद कर देगें। इस सुझाव पर सबने हामी भर दी। जब पेट को इस प्रस्ताव का पता चला तो बोला-'' मैं,तुम्हारी कमाई खुद नहीं रखता हूं जो कुछ तुम लोग देते हो, उसे तुम्हारी शक्ति बढ़ाने के लिए वापस तुम्हारे पास ही भेज देता हूं। यकीन रखो तुम्हारा परिश्रम तुम्हें ही पुन: मिल जाता है।''

यह बात इन्द्रियों की समझ में नहीं आई। उनकी नाराजगी बनी रही। आपस में रखे गये प्रस्ताव के अनुसार, सभी इन्द्रियों ने काम करना बंद कर दिया। पेट को भोजन नहीं मिला तो वह भूख से तड़पने लगा। खुद के शिथिल पड़ने पर वह अब दूसरे अंगों को भी ऊर्जा देने में असमर्थ हो गया। इससे शरीर के सारे अंगों की शक्ति नष्ट होने लगी।

शरीर का ऐसा हाल देखकर मस्तिक ने इन्द्रियों से कहा- ''मूर्खो! तुम्हारा परिश्रम कोई नहीं खा रहा वह लौटकर तुम्हें ही वापस मिलता है। ये मत सोचो कि दूसरों की सेवा से तुम्हारा नुकसान होता है। तुम जो दूसरों को देते हो वह ब्याज समेत तुम्हारें पास लौटकर आता है।''

भोजन से मिलने वाली ऊर्जा के अभाव से जूझ रही इन्द्रियों को आपसी सहयोग की वास्तविकता समझ में आ गई। उन्होनें वापस पहले की तरह काम करना शुरू कर दिया और फिर कभी शिकायत नहीं की।

दोस्तों, कार्य की सफलता का श्रेय किसी को भी जाए किन्तु यह सम्भव सामूहिक प्रयास से ही होता है।

शिवानी मिश्रा
बी.एस-सी. 2021

शिक्षा का स्तर

भारत को विद्धानों का देश कहा जाता है इस देश की सभ्यता एवं संस्कृति के लोग दीवाने हैं। कहा जाता है कि देवताओं की भाषा संस्कृत है। इस भाषा में हजारों वर्ष पूर्व वेद, पुराण, रामायण, श्रीमद् भागवत जैसे ग्रन्थों की रचना भारत में हुई। हमारे देश ने विश्व को शून्य एवं दशमलव से परिचित कराया। प्राचीन काल में नालन्दा तथा तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय भारत में स्थापित थे जिनमें विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आया करते थे। इस समय भारत की शिक्षा का स्तर विश्व में सबसे ऊंचा था परन्तु वर्तमान में भारत की शिक्षा का स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है। टाइम्स हायर एजूकेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत का कोई भी विश्वविद्यालय विश्व के टॉप 300 विश्वविद्यालय में सम्मिलित नहीं है जो कि एक चिन्तनीय विषय है। शिक्षा के गिरते स्तर का मुख्य कारण शिक्षा का निजीकरण एवं व्यवसायीकरण है। आजकल शिक्षा को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है इसके अलावा एक कारण अच्छे शिक्षकों की कमी भी है।

रीना रे के अनुसार इस समय देश के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। गांव के बच्चों के पास पैसे की कमी के कारण वे अच्छे स्कूलों में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते और उन्हें अपनी पढ़ाई को बीच में ही छोड़ना पड़ता है जिससे हमारे देश की बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है। हमारे देश की सरकार को शिक्षा के प्रति कुछ कानूनों को बनाना चाहिए जिससे हमारे देश की शिक्षा का स्तर अच्छा हो सके।

अभिनव साहू
बी.एस-सी. 2020

मानसिक रोगों का उपचार सम्भव है

डिप्रेशन रोग अन्य कारणों के साथ-साथ वंशानुक्रम के प्रभाव के कारण भी होता है। यह आवश्यक नहीं है कि रोगी के निकट सम्बन्धियों में कोई इस रोग से पीड़ित हो लेकिन बहुधा इस प्रकार के रोग उनके सम्बन्धियों में मिलते हैं। वंशानुक्रम के कारण इन रोगियों के मस्तिष्क में कुछ विशेष रसायन घटते हैं तो डिप्रेशन हो जाता है। कुछ समय पश्चात स्वत: सामान्य भी हो जाते हैं अत: यदि इस रोग की चिकित्सा भी न की जाए तो रोगी स्वयं सामान्य हो जाता है। यदि रसायन बढ़ जाता है तो मेनिया हो जाता है। कुछ रोगियों में यह रसायन केवल घटते ही हैं और बढ़ते नहीं हैं। ऐसे में बार-बार डिप्रेशन रोग होता रहता है। उपचार द्वारा इन रसायन के स्तर को सामान्य किया जा सकता है। अत: डिप्रेशन की पहचान कर तुरन्त उपचार कराना चाहिए।

अंकित झां
बी.एस-सी तृतीय वर्ष बायो 2022

मेघालय: मेरा अनुभव

मेघालय- संस्कृत का एक शब्द है जिसका अर्थ है मेघो का घर। ऐसी जगह जहां बादल राज करते हैं। इस खूबसूरत भारतीय राज्य का निर्माण 21 जनवरी 1972 को किया गया था। खासी, जयन्तियां व गारो पहाडियों वाले इस राज्य की राजधानी शिलांग है। बारिश के मौसम में इस जगह की खूबसूरती देखते ही बनती है। जब दिसम्बर 2016 में मैं वहां भ्रमण पर गई थी तो अभीभूत हो गई थी। राजधानी शिलांग की भव्यता व संस्कृति ने मुझे बहुत प्रभावित किया था।

पहाड़ी पर बने अनेक घर, अनेक कैफे, अनेक पर्यटक स्थल इस राज्य की राजधानी को गजब का आकर्षण देते हैं। जब पहाड़ी के ऊपर पहुंचकर मैनें पूरे शिलांग पर नजर डाली तो लगा कहीं यहीं स्वर्ग तो नहीं। मेरी आंखों में वह दृश्य आज भी जिन्दा है। अपने अनुभव सांझा करते हुए मुझे याद आ रहा है वहां का खाना व गर्मजोशी। हर होटल में हमारा अनोखे तरीके से स्वागत किया जा रहा था कहीं फूल मिलते थे तो कहीं पेंटिंग तो कहीं वहां के स्मृति चिन्ह।

अगर मेघालय की बात करें और ऐलीफेन्ट फॉल्स का जिक्र न हो तो वह बात अधूरी ही रहेगी। तीन लेवल पर बने इस वाटर फॉल की सुन्दरता देखती ही बनती है। सच कहूं तो अगर आप मेघालय जाकर यहां नहीं गये तो आपका भ्रमण अधूरा रहा। चारों तरफ हरियाली और इतनी ऊंचाई से गिरती पानी की धार आपका मन मोह लेती है और वहां मिलने वाला खाना जैसे मोमोस, चाऊमीन, चना चाट का स्वाद मन को अद्‌भुत आभास कराता है।

एक ऐरोनोटिकिल म्यूजियम जाने का भी मौका मुझे मिला जहां पर लड़ाकू विमान, युद्ध के उपकरण आदि जो हमारी वायु सेना का गौरव है उनका मन भावन प्रदर्शन था। वहां जाकर सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। अपनी वायुसेना पर अनोखा गर्व होता है।

पार्क में गिरते सफेद गुलाबी फूलों का अलग ही अनुभव था, ऐसे फूल मैनें कभी नहीं देखे थे तो देखते ही अति उत्साहित हो गई थी और इनके साथ खूब तस्वीरें खींचीं। वहां के लोग आज भी अपनी पुरानी संस्कृति के अनुसार कपड़े पहनते हैं व उसका बहुत मान भी करते हैं यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।

इन सब खास बातों के बावजूद नोर्थ ईस्ट हमारे भारत का एक उपेक्षित हिस्सा रहता है। सरकार वहां पर्यटन को बढ़ावा दे रही है जो कि जमीनी स्तर पर दिखाता भी है परन्तु हर भारतीय को हमारे गौरवान्वित करने वाले उत्तर पूर्वी भारत को जरूर घूमना चाहिए और मेघालय को तो छोड़ना ही नहीं चाहिए। आप भी मेघालय जरूर जाएं व जीवन का बेहरीन अनुभव लेकर लाएं व मेरे इस लेख का स्मरण भी वहां रखें और अतुल्य भारत की मुहिम में योगदान दें।

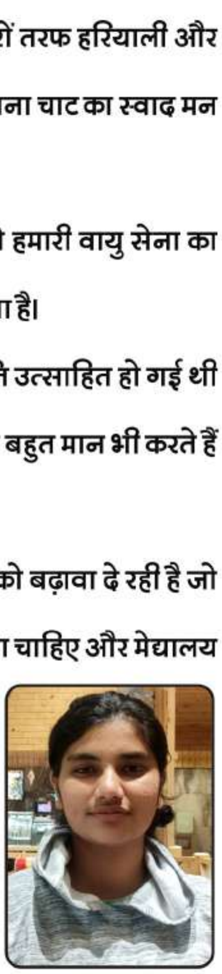

शिवि पटैरिया
बी.एस-सी. 2021

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

प्रस्तावना– भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रति वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है, यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए अहम है, इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति को वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनाता है।

निर्वाचन आयोग गठन– भारत में जितने भी चुनाव होते हैं उनको निष्पक्षता से सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी भारतीय निर्वाचन आयोग की होती है। भारत एक गणतांत्रिक देश बनने वाला था और भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग का गठन जरूरी था इसीलिए 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग का गठन हुआ।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुरूआत– भारत सरकार ने वर्ष 2011 में प्रत्येक चुनाव में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को ही ''राष्ट्रीय मतदाता दिवस'' के रूप में मनाने की शुरूआत की थी और 2011 से ही हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश में सरकारों और अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

मतदाता दिवस के उद्देश्य– राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य लोगों की मतदान में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। साथ–साथ मतदाताओं को एक साफ–सुथरी छवि का प्रतिनिधि चुनने हेतु जागरूक करना है। यही कारण है कि हमारे लोकतंत्र को विश्व में इतना मजबूत बनाने में मतदाताओं के साथ–साथ देश के निर्वाचन आयोग का भी अहम योगदान है।

मतदान का महत्व– राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन लोगों को यह भी बताता है कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना जरूरी है। भारत के प्रत्येक नागरिक की मतदान प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है।

छोड़ के अपने सारे काम
पहले चलो करें मतदान।

क्योंकि आम आदमी का एक वोट ही सरकारें बदल देता है। हम सबका एक वोट ही पलभर में एक अच्छा प्रतिनिधि चुन सकता है। भारत की 65 प्रतिशत आबादी युवाओ की है, इसीलिए देश के प्रत्येक चुनाव में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करनी चाहिए और ऐसी सरकारें चुननी चाहिए जो कि साम्प्रादायिकता और जातिवाद से ऊपर उठकर देश के विकास के बारे में सोचें।

याद रखें कि जबतक आपके पास मतदान का अधिकार सुरक्षित है, तब तक कोई भी आपका बाल भी वांका नहीं कर सकता।

मतदाता दिवस शपथ

'' हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेगें तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म वर्ग जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुये बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें।''

उपसंहार– अंतत: सभी से यही उम्मीद करते हैं कि हम सब निर्भीक होकर बिना किसी प्रलोभन से मतदान करेगें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन देश के प्रत्येक मतदाता को अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है, अत: हमें साम्प्रादियकता और जातिवाद से ऊपर उठकर देश के विकास के बारे में सोचते हुए मतदान करना चाहिए।

न कोई बूढ़ा
न कोई जवान
वोट सभी का
एक समान।

राजीव कुमार
बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष 2022

जीवन में वित्त का महत्व

आइये जानते हैं दो दोस्त अंकित और मुकेश के जीवन में वित्त के द्वारा आये परिवर्तन के बारे में।

अंकित और मुकेश दोनों ही बचपन के दोस्त थे और दोनों ही साथ में पढ़ते थे और दोनों दोस्तों ने साथ में ही परीक्षा पास की। अंकित ने अपनी बारहवीं की परीक्षा, कॉमर्स विषय में पास की और मुकेश ने अपनी बारहवीं की परीक्षा विज्ञान विषय में की और उन्हीं विषय में उन्होनें अपनी महाविद्यालय की परीक्षा पास की और दोनों दोस्त अपनी स्नातक की मार्कशीट लेकर महानगर आ गये और दोनों की नौकरी प्राइवेट कम्पनी में लग गई। अंकित की नौकरी एकाउण्टेण्ट की और मुकेश की नौकरी लैब असिस्टेण्ट की लगी। अंकित की मासिक आय 30 हजार और मुकेश की 50 हजार थी। चूंकि अंकित और मुकेश दोनों महानगर में रहते थे इसलिए दोनों के खर्चे भी समान थे। अंकित के सभी खर्चे काटने के बाद उसके पास 10 हजार बचते थे और मुकेश पास बचते थे 22 हजार।

अब अंकित जानता था कि उसकी आय कम है और उसे बढ़ाना है तो उसे पैसे बचाने होगें इसीलिए अंकित अपने बचे हुए पूरे 10 हजार की बचत करता था। चूंकि अंकित कॉमर्स का विद्यार्थी रहा था अत: उसे पता था कि किस तरह पैसों को बचाया जाता है और किस तरह चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है और अपने ब्याज की धनराशि को ईक्विटी, बॉण्ड, म्यूच्युयल फण्ड या प्रोपर्टी में निवेश कर ज्यादा धन कमाया जा सकता है।

मुकेश को लगता था कि उसके पास जो पैसे बच रहे हैं वो तो अंकितके बचाए हुये पैसों के दोगुने से भी ज्यादा है इसीलिए उसने सोचा कि वह अपनी बचत कुछ समय बाद शुरू करेगा अत: मुकेश ने अपनी बचत कुछ साल बाद शुरू की। मुकेश चक्रवृद्धि ब्याज, शेयर, म्यूच्युअल फण्ड आदि के बारे में अधिक नहीं जानता था। इसीलिए मुकेश अपने पैसों को बैंक में फिक्स डिपोजिट किया करता था। अंकित से दुगुनी धनराशि 18 साल तक जमा कर उसने 47 लाख 52 हजार जमा किये, जिस पर उसे 4 लाख 75 हजार रू ब्याज मिला जिससे उसकी धनराशि 52 लाख 27 हजार हो गई दूसरी ओर अंकित जिसने अपनी बचत मुकेश से 7 साल पहले शुरू की थी उसके बचत की धनराशि मुकेश की धनराशि से आधी से भी कम थी। उसने 25 साल में कुल 30 लाख जमा किया और उसे 92 लाख 43 हजार ब्याज प्राप्त हुआ। अब उसकी कुल धनराशि 1 करोड़ 22 लाख 43 हजार हो गई। अब अंकित मुकेश से ज्यादा अमीर हो गया।

इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने जीवन में निवेश तथा बहुनिवेश को समझना चाहिए ताकि हम जीवन में आर्थिक रूप से सक्षम बन सके।

आकाश जैन
एम0कॉम0 द्वितीय वर्ष 2022

शहीद का संदेश

न होना दु:खी, न तुम शोक मनाना,
बस मेरा जनाजा बड़ी शिद्दत से उठाना।
मेरी मां तुम सुनो गौर से आसूं कभी बहाना मत,
मेरी कसम तुम्हें है माता, दिल कभी दु:खाना मत।
बेटा तेरा मरा नहीं, पिंजरे का पंक्षी भागा है,
ये वो शूरवीर है जग का, भारत फिर से जागा है।
सरहद पर मैं अमर हुआ था, यह मेरा सौभाग्य था,
कफन तिरंगा मिला था मुझको, खुदा कसम ये भाग्य था।
पिता मेरे तुम साहस रखना, सबका धैर्य बढ़ाना,
देश की खातिर मौत है मेरी, ईश्वर को फूल चढ़ाना।
उन दुश्मनों को मेरा सलाम, नफरत के बीज बोए थे,
सादर प्रणाम सभी को शहीदी पर रोये थे।
जब आए राखी का पर्व, बहना उल्लास मनाना,
प्यारे भाई की यादों में, राखी का थाल सजाना।
वादा है मेरा तुमसे, राखी का सम्मान व्यर्थ न जाएगा,
इस भाई-बहन के बन्धन को कोई भी तोड़ न पाएगा।
मेरे प्यारे भाई, पत्र में रखकर प्यार को भेजा है,
बचपन की नखरीले यादें, दिल मैनें सहेजा है।
तेरे भाई ने वो कार्य किया है, पूरे देश को नाज़ है,
सदा तिरंगा लहराएगा, दिल की ये आवाज है।
मेरे प्यारे देश के लोगो, नेकी पर कदम बढ़ाना तुम,
उन दुश्मनों की नफरत में, प्यार की सरिता बहाना तुम।
तुम सब भी गर साथ रहे, मेरी मौत सफल हो जायेगी,
ये घायल भारत माता, उस दिन से प्रबल हो जायेगी।
जिस दिन देश का बच्चा-बच्चा भारत की खातिर जागेगा
उस दिन दुश्मन कुत्ते जैसा दुम दबाकर भागेगा।
फिर भारत क्या पूरे विश्व में, तिरंगे का परचम लहराएगा,
फिर विश्व का हर एक बंदा, वंदे मातरम् गाएगा।

राज सेठ
बी.एस-सी. प्रथम वर्ष 2022

झांसी की रानी : वीरता की अमर निशानी

मराठों के यहां जन्मी मैं, मोरोपन्त की संतान अकेली थी
बचपन में मां ने संग छोड़ा, मैं भोली नादान छबीली थी।
बाबा संग बाजीराव के यहां आयी मैं, मणिकर्णिका नाम हमारा था
संग अपने वीरता की नई पहचान लाई मैं, दुर्गा रूप हमारा था।
नाना साहब को भाई बनाया और तात्या गुरू कहलाए थे
घुड़सवारी-तलवारवाजी सीख हमनें, चुनौतियों के झण्डे लहराए थे।
कम आयु में हाथ हुए पीले, गंगाधर राव जी संग मैं ब्याही थी
झांसी की वधु बनकर, मनु से रानी लक्ष्मीबाई कहलाई थी।
उत्तराधिकारी को जन्म दिया मैनें, झांसी में खुशियां लहराई थीं
पर काल ने उसको छीन लिया, दामोदर को गोद ले हर्शायी थी।
छा गया अंधेरा नगरो में, महलों में दु:ख की घड़ी आई थी
गंगाधर जी स्वर्ग सिधार गए, झांसी ने चिता जलाई थी।
झांसी पर लगी अंग्रेजों की बुरी नजर, गंभीर चुनौती आई थी
दामोदर को अस्वीकार कर, झांसी हड़पने की नीति बनाई थी।
चुनौती को फिर स्वीकार कर, तलवार अपनी उठाई थी,
अपनी झांसी नहीं दूंगी कभी, हमने कसम खाई थी।
माथे पर मिट्टी का तिलक लगा, अपनी सेना सजाई थी,
दामोदर को अपनी पीठ बांध, घोड़े की लगाम दबायी थी।
दुर्गा का रूप दिखाया फिर, तलवार की गूंज सुनाई थी,
फिरंगियों के सिरों को काट-काट हमने तलवार नहलायी थी।
तब कांप उठा अंग्रेजी दल, मर्दो के बीच लड़ती मर्दानी थी,
हिल गई जड़ें अंग्रेजों की, मैं झांसी वाली रानी थी।
सिर कटा दिया पर नहीं झुकी, बस इतनी मेरी कहानी थी
मैं झांसी वाली रानी थी, मैं झांसी वाली रानी थी।

रविन्द्र प्रजापति
बी.एस-सी. प्रथम वर्ष 2022

दशावतार मंदिर देवगढ़,ललितपुर

हमारा बुन्देलखण्ड- ऐतिहासिक स्थल व संस्कृति

उत्तर प्रदेश राज्य में वर्णित सभ्यता एवं संस्कृति का प्रसिद्ध स्थान बुन्देलखण्ड है, इसकी संस्कृति व सभ्यता आज इतिहास में वर्णित है। बुन्देलखण्ड में बहुत से प्रसिद्ध स्थल है जो अपनी ऐतिहासिकता की महत्ता के लिए जाने जाते हैं जैसे - ललितपुर के देवगढ़ में स्थित गुप्त कालीन दशावतार मंदिर, छतरपुर म.प्र. में स्थित खजुराहो मंदिर आदि।

झांसी बुन्देलखण्ड की शान - झांसी वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की शौर्यता एवं वीरता का प्रतीक है। हमारे बुन्देलखण्ड के इतिहास के पन्नों में दर्ज झांसी, अंग्रेजी आक्रमणकारियों के समय अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाली महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई आज हमारे बुन्देलखण्ड के इतिहास में वर्णित है। झांसी के किले में स्थित गुलाम गौस खान की कड़क बिजली तोप, रियासत कालीन पंचमहल व अंग्रेजों की मुठभेड़ के समय का कुदान स्थल दर्शनीय है जो ऐतिहासिकता को गौरान्वित करने के प्रतीक हैं।

दशावतार मंदिर ललितपुर: बुन्देली संस्कृति का प्रतीक- ललितपुर जिले के देवगढ़ में स्थित भगवान विष्णु का दशावतार मंदिर स्थित है जो कि हमारे बुन्देलखण्ड में संस्कृति व ऐतिहासिकता का अति प्राचीनतम स्थल है। यह मंदिर भगवान विष्णु के दस अवतारों के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर की आकृति व वास्तुकला गुप्त कालीन है जिसके कारण यह विशेष धरोहर बुन्देलखण्ड के दर्शनीय स्थल के साथ-साथ पर्यटक स्थल भी है तथा यह हिन्दू धर्म की संस्कृति का भी प्रतीक है। इस मंदिर का उल्लेख आज इतिहास के पन्नों में वर्णित है।

विश्व धरोहर हैं खजुराहों के मंदिर- बुन्देलखण्ड का नाम इस भू-भाग के बुन्देलों शासको के कारण रखा गया। बुन्देलों की प्रमुख रियासत छतरपुर रही है जिसका नाम महाराजा छत्रसाल के नाम पर रखा गया। हमारे बुन्देलखण्ड में स्थित खजुराहो मंदिर प्रसिद्ध है तथा इतिहास में इसका व्यापक वर्णन है इस मंदिर का निर्माण चन्देल शासकों ने करवाया था। यह मंदिर अपनी शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। इसकी शिल्पकला में स्त्री व पुरूष की वेजोड़ कलाकृतियां है जिसे देश और दुनिया के हजारों पर्यटक देखने आते हैं। अत: यह स्थल हमारे बुन्देलखण्ड में दर्शनीय है तथा स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है।

ऐतिहासिक स्थल चंदेरी- ललितपुर के पास मध्य प्रदेश में स्थित चंदेरी बुन्देलखण्ड का ऐतिहासिक स्थल है। यहां पर महावीर स्वामी, गुप्त काल, राजपूत काल, मुगलकाल तथा ब्रिटिश काल में वर्णित अवशेष स्थित व मौजूद हैं। चंदेरी के युद्ध व यहां के शासक आज इतिहास में वर्णित हैं। यहां पर पत्थर की कलाकृतियां तथा उन पर हुये आक्रमण के कारण उनके अवशेष आज भी संग्रहालय मे उपस्थित हैं तथा प्राचीनतम काल की मुद्रायें, हथियार, आभूषण अलग-अलग प्रकार की धातुओं से बने हैं। चंदेरी का क्षेत्र पत्थर की कलाकृतियों से बुन्देलखण्ड को गौरवान्वित करता है तथा चंदेरी का वर्णन मुस्लिम इतिहासकार अल्बरूनी व इब्नबातूता ने भी किया।

अत: यह दर्शनीय पर्यटक स्थल के साथ साथ पत्थरों की कलाकृतियों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां के पर्यटन स्थल जैसे- कौशक महल, खूनी दरवाजा, कटी घाटी, किला कोठी आदि प्रसिद्ध है तथा चंदेरी नाम यहां पर प्रमुख रूप से शासन करने वाले चंदेल शासकों के नाम पर पड़ा।

अत: इसी प्रकार सभी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व पुरातात्विक साक्ष्य बुन्देलखण्ड की संस्कृति व सभ्यता को गौरवान्वित करते हैं।

कृष्ण प्रताप सिंह
बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष 2022

स्वामी विवेकानन्द और वर्तमान आधुनिकता

उठो! जागो! और तब तक मत रूको जग तक लक्ष्य को प्राप्त न कर लो।
स्वामी विवेकानन्द का यह कथन सुनते ही आज भी युवाओं के मन में जोश और दृढ़ संकल्प उत्पन्न हो जाता है। जितनी बार भी हम इस छोटे से कथन को वर्तमान में सुनते या कहते हैं तो हर बार एक नई ऊर्जा से हमें भर देता है। आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व 12 जनवरी 1863 ई. में जन्में स्वामी विवेकानन्द जी के विचार अपने समय से काफी अधिक आधुनिक थे। आज भी हमें उनके विचारों में किसी भी प्रकार की रूढ़िवादिता या अंधविश्वास की प्रवृत्ति का लेश मात्र भी नहीं दिखाई देता है। स्वामी विवेकानन्द ऐसे आध्यात्मिक महापुरूष हैं जो यह मानने को मजबूर करते हैं कि परम्परा एवं आधुनिकता में तालमेल सम्भव है। किसी भी अध्यात्मिक धर्मगुरू के व्यक्तित्व में सनातन जीवन मूल्यों और आधुनिकता का ऐसा समन्वयकारी दृष्टिकोण कम ही दिखाई देता है।

स्वामी जी के अनुसार किसी भी देश की उन्नति देश के युवाओं के कंधों पर होती है जबकि युवा शक्ति के पास संस्कारों एवं वर्तमान आधुनिकता का संतुलित संयोग हो। स्वामी विवेकानन्द जी के इस महान विचार से स्पष्ट होता है कि स्वामी किस तरह से अध्यात्म के साथ-साथ वर्तमान आधुनिक विचार धारा के भी प्रबल सर्मथक थे। उनके विचार इतने क्रांतिकारी और आधुनिक थे कि आज भी हमें उनके आदर्शों एवं विचार में असहजता महसूस नहीं होती है। स्वामी विवेकानन्द जी का कहना था कि ''किसी व्यक्ति के चरित्र की पहचान उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके संस्कारों व जीवन मूल्यों के आधार पर की जाती है।''

इस महान कथन की आधुनिकता आज हमें गौरवान्वित करती है जहां आज भी कई धर्मगुरूओं में पहनावें को लेकर काफी मतभेद हैं। जरा सोचिए कि स्वामी जी कितने आधुनिक स्वतंत्र विचार धारा के व्यक्तित्व थे। उनके इसी प्रकार के विचारों के द्वारा वर्तमानयुगीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के व्यक्तियों के लिए भी आज स्वामी विवेकानन्द रोल मॉडल बने हुये हैं। स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार किसी भी विद्यार्थी के लिए तकनीकी कौशल के साथ-साथ विद्यार्थियों को वैचारिक व चारित्रिक रूप से मजबूत होना चाहिए।

स्वामी विवेकानन्द जी कहते हैं कि किसी भी बात पर आंखे मूदकर भरोसा करने से नास्तिक होना बेहतर है। इससे स्पष्ट होता है कि वे धर्म के सम्बन्ध में भी कितने अधिक आधुनिकता से ओत-प्रोत विचार धारा के व्यक्तित्व थे। वे एक वैज्ञानिक की तरह तर्क-वितर्क, शोध, मनन एवं विश्लेषण के बाद तथ्यों के स्वीकार करने वाले मनीषी थे। उन्होनें कर्म काण्डों के स्थान पर धर्म को संस्कारों से जोड़ा और आध्यात्मिक अवधारणाओं की सरल किन्तु तर्कपूर्ण व्याख्या की ताकि वैज्ञानिक दृष्टि वाले व्यक्ति भी तर्क, सरलता से समझें। जब उन्होनें शिकागो में सन् 1893 में अपनी वैचारिक तर्कशक्ति का लोहा सारे विश्व पटल पर मनवाया तो इसलिए कि उनकी विषद दृष्टि धर्मो तथा संस्कृतियों के प्रति सम्मान पर आधारित थी। अपनी ही आस्था को सर्वश्रेष्ठ मानने के मिथ्या अहंकार से नहीं। वे तो धार्मिक स्तर पर भी संस्कृतियों के तालमेल के पक्षधर थे।

उनकी धार्मिक आधुनिकता उनके इस कथन से और अधिक स्पष्ट होती है। उनके अनुसार- मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे 'मनुष्य' कहते हैं। इस कथन के अनुसार उनका प्रमुख धर्म मानवता ही था। उनके अनुसार यह जरूरी नहीं है कि आप प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति में मग्न रहें बल्कि यह आवश्यक है कि मनुष्य आपस में एक दूसरे की सहायता करे और आपस में एक दूसरे के सुख-दुख में साथ रहे।

स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार- हर व्यक्ति में संवाद की आधुनिक स्वतंत्रता होनी चाहिए अर्थात् हमें कभी भी अपने विचारों और भावों को प्रस्तुत करने में किसी भी प्रकार की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उनके विचार इतने आधुनिक और क्रांतिकारी थे कि हमें इस बात में सन्देह होता है कि स्वामी जी कोई धर्म गुरू नहीं बल्कि एक क्रांतिकारी वैज्ञानिक थे। वे कहा करते थे कि- कोई विचार लाओ और उसे अपने जीवन का संकल्प बना लो और अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, नाड़ियों तथा शरीर के हर भाग में उस विचार को भर लो। यही मनुष्य की सफलता का मूल मंत्र है।

स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार- सभी मनुष्यों को एक दूसरे के प्रति ''सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय'' की भावना होनी चाहिए। यह सबसे महान आधुनिक विचारक का स्थान स्वामी को प्रदान करता है। आज के राजनेताओं को स्वामी जी के इस महान सूत्र से प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वामी जी के अनुसार- हमारा देश तभी उन्नति की ओर अग्रसर हो सकता है जबकि देश के युवा सत्य, समर्पण, शीलता, ईमानदारी, सभ्यता, संस्कृति, साहस, सहिष्णुता आदि गुणों के साथ तकनीकी एवं विज्ञान में निपुण हों।

स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों में धर्म एवं विज्ञान दोनों का समावेश है। विज्ञान की उपयोगिता पृथ्वी पर जीवन की बेहतरी के लिए प्रकृति की शक्तियों का उपयोग करने और ज्ञान के रास्ते ब्रह्माण्ड की वास्तविकता में परिचित होने में है। स्वामी जी का मत था कि ''विज्ञान धर्म का दूत है, धर्म जहां सत्य की खोज के लिए मेंढक कूद का रास्ता अपनाता है वहीं विज्ञान अन्वेषण तकनीकी की औपचारिकता से सत्य तक क्रमशः पहुंचता है।

भारत की सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान संस्था 'इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइसेंज बैंगलूरू' की स्थापना के पीछे स्वामी विवेकानन्द जी की ही प्रेरणा थी। एक बार स्वामी जी एवं एक उद्योगपति जहाज पर साथ-साथ सफर पर थे जहाज की यात्रा के दौरान दोनों के बीच भारत के कायाकल्प को लेकर बातचीत हुई। इसके पांच वर्ष बाद जमशेद जी टाटा ने स्वामी विवेकानन्द जी को पत्र लिखकर यह स्मरण कराया कि जहाज की यात्रा की उनकी चर्चा सार्थक होने जा रही है क्योंकि स्वामी जी की प्रेरणा से टाटा ने भारतीय विद्यार्थियों के लिए एक विज्ञान शोध संस्थान बनाने का निश्चय किया और एक बड़ी धनराशि समर्पित कर आई.आई.एस-सी. बैंगलूरू की बुनियाद रखी।

इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि स्वामी जी तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रबल पक्षधर थे। ''युवा शक्ति देश और समाज की रीढ़ होती है।'' स्वामी जी का यह विचार वर्तमान में तर्क संगत लगता है क्योंकि किसी भी देश के विकास में युवा शक्ति का सबसे बड़ा योगदान होता है इसके लिए युवाओं में तकनीकी और आधुनिकता के साथ साथ चरित्र की प्रधानता होना अतिआवश्यक है।

गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जी ने कहा था कि ''यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानन्द जी को पढ़िए, उनमें आप सब कुछ सकारात्मक ही पायेगें, नकारात्मक कुछ भी नहीं।''

विवेक बुधौलिया
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष 2022

एक गाँव की अधूरी कहानी

एक गांव में एक बूढ़ा आदमी रहता था उसकी चार पुत्रियां और दो पुत्र थे। उसने अपनी पुत्रियों का विवाह कम उम्र में ही कर दिया था इसके बाद दोनों बेटों का भी विवाह धूमधाम से हो गया। घर में खुशियां आ गई लेकिन बाद में उसके जीवन में दु:खों का अम्बार लग गया। उसके दोनों पुत्र अलग अलग रहने लगे। छोटा पुत्र निठल्ला और कामचोर था। वह पुरानें मकान में ही रहता था जबकि बड़ा पुत्र मेहनती था इसलिए उसने मेहनत से अपना अलग मकान बना लिया और एक दुकान खोल ली लेकिन दुकान का सामान उसके बच्चे खा जाते थे जिससे उसे फायदा की जगह नुकसान होने लगा। उधारी भी अधिक हो गई इसलिए हार मानकर उसने दुकान बंद कर दी और फिर से मेहनत मजदूरी करने लगा जिससे उसका परिवार ठीक ढंग से चलने लगा।

एक दिन गर्मी के मौसम में तेज धूप में काम करने से उसकी तबियत बिगड़ गई जिससे वह घर लौट आया लेकिन उसकी तबियत और खराब हो गई। अत: उसको शहर के अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इससे उसके परिवार पर विपत्ति आ गई उसकी पत्नी अब पुराने मकान में रहने लगी और घर परिवार तथा पडोसियों की सहायता से जीवन यापन करने लगी बाद में पैसों की कमी होने पर उसका मकान बेच दिया गया लेकिन उसके देवर के निठल्लेपन के कारण पूरा पैसा बहुत जल्दी खत्म हो गया।

अब उसके पास कुछ भी नहीं था कभी वह चावल से पेट भरती तो कभी पानी पीकर और कभी परिवार वालों के तानों से पेट भरती। उसे बच्चों को पालना मुश्किल होने लगा। उसके वृद्ध सास-ससुर भी कोई सहायता नहीं कर सके जिससे वह टूट सी गई फिर भी उम्मीद के सहारे जीती रही। धीरे धीरे उसके परिवार के लोग उसको रोज रोज ताने देने लगे जिससे तंग आकर वह अपने बच्चों को लेकर मायके चली गई।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि दूसरों की मदद पर जीवनयापन करना ठीक नहीं है।

अंकित झा
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष 2022

प्रेरणादायक कहानी- 'लकड़हारा'

किसी गांव में एक लकड़हारा रहता था। वह लकड़ी काटने में बहुत माहिर था। एक बार किसी बड़े व्यापारी को सूखे पेड़ काटने के लिए मजदूरों की आवश्यकता थीं। यह लकड़हारा उस व्यापारी के पास गया और बोला- ''मैं बहुत तेजी से पेड़ काट सकता हूं मुझे काम पर रख लीजिए।''

व्यापारी ने अच्छी मजदूरी पर उसे काम सौंप दिया और कहा- ''मैं तुम्हारी बात से प्रभावित हूं मेहनत से अपना काम करो''

लकड़हारे ने मेहनत से काम करने का निश्चय किया अगले दिन व्यापारी ने उसे एक कुल्हाड़ी देकर काम पर लगा दिया। पहले दिन उसने कई पेड़ काट दिए उसके मालिक ने शाबासी देते हुए कहा- ''मैं तुम्हारे काम से बहुत खुश हूं इसी तरह मन लगाकर काम करो।''

मालिक की प्रेरणा से प्रेरित होकर अगले दिन से वह और ज्यादा मेहनत से काम करने लगा लेकिन कुछ दिनों बाद वह पहले से कम पेड़ काट पा रहा था। कुछ दिनों बाद वह और कम पेड़ काटने लगा। उसे लगा कि उसकी ताकत कम होने लगी है। वह दु:खी हो गया।

एक दिन उसने निश्चय किया कि वह अपने मालिक से जाकर बात करेगा। वह मालिक के पास गया और माफी मांगते हुए बोला- ''मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि मेरी ताकत क्यों कम होने लगी है? मैं क्यों ज्यादा पेड़ नहीं काट पा रहा हूं ?''

उसकी बात सुनकर मालिक ने पूछा- ''तुमने अंतिम बार अपनी कुल्हाड़ी में धार कब लगाई थी?''

''धार ? मेरे पास समय कहां हैं धार लगाने का?मैं तो पेड़ काटने में ही व्यस्त रहता हूं।''

विचार करें- हमारी जिन्दगी भी कुछ इसी तरह है हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपनी क्षमतारूपी कुल्हाड़ी में धार लगाने का समय नहीं निकाल पाते।

आज के समय में हर कोई पहले से ज्यादा व्यस्त हो गया है लेकिन पहले जितना खुश नहीं है। ऐसा क्यों हो रहा है?

शायद इसीलिए कि हम स्वयं को 'धारदार' नहीं रख पा रहे हैं।

कठिन परिश्रम करने में और गतिविधियां करने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हमें इतना व्यस्त नहीं हो जाना चाहिए कि जिन्दगी की अत्यन्त अहम चीजो की अनदेखी करने लगें जैसे- अपनी व्यक्तिगत जिन्दगी जीना, अपने परिवार को समय देना, अध्ययन के लिए समय निकालना।

हमें सभी कार्यों के लिए समय निकालना चाहिए।

आराम करने के लिए

चिन्तन और ध्यान के लिए

सीखने और विकास के लिए।

अगर हम कुल्हाड़ी में धार लगाने के लिए समय नहीं निकालेगें तो हम सुस्त पड़ जायेगें और अपना प्रभाव खो बैठेगें।

मनोज कुमार
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष 2022

सच्चाई

खुद को कितनी देर मनाना पड़ता है
लफ्ज़ों में जब रंग लगाना पड़ता है।
चोटी तक पहुंची राहों से सीखों तुम
कैसे पर्वत काट के आना पड़ता है।
बच्चों की मुस्कान बहुत ही मंहगी है
दो-दो पैसे रोज बचाना पड़ता है।
तब बच्चे आगे बढ़ पाते हैं
जब कठिन कर्म का स्वेद बहाना पड़ता है।
सच का दामन फूल से हल्का होता है
झूठ का पर्वत लांघ के जाना पड़ता है।
सूरज पर दोषारोपण वेमतलब है
छांव की खातिर पेड़ लगाना पड़ता है।
दिल का क्या है जो कह दो सुन लेता है
आंखों को अक्सर समझाना पड़ता है।
चाहे जितनी बाधायें हो जीवन में
संघर्षों को गले लगाना पड़ता है।

शिवपाल
बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष
मैथ 2022

मैं कौन हूँ?

मैं आसमान में छाए बादल में रहता हूं
वहां से बरस कर धरती पर चला आता हूं
तुम कागज की नाव बनाकर मुझमें ही तैराते हो
बताओं मैं कौन हूं ?
मैं पर्वतों से निकलता हूं
तालाबों और झीलों में जमा होता हूं
नदियो में बहता हूं
बहकर समुद्र में पहुंचता हूं
वहां से भाप बनकर बरस जाता हूं
बताओं मैं कौन हूं ?
मैं नलों में आता हूं
कुओं से निकाला जाता हूं
बांधों में जमा होता हू
बताओं मैं कौन हूं ?
तुम मुझसे से हाथ- मुंह धोते हो,
नहाते हो, कपड़े धोते हो
प्यास लगने पर मुझे ही पीते हो
मुझसे ही तुम खाना बनाते हो
सभी पशु-पक्षी मुझे पीते हैं
किसान मुझसे ही पेड़-पौधे और फसलों को सींचते हैं
मछलियां मुझमें ही रहती हैं
बताओं मैं कौन हूं ?
यदि मैं साफ रहूं तो तुम स्वस्थ्य रहते हो
और यदि मैं गंदा रहा तो तुम बीमार हो जाते हो
इसीलिए मुझे साफ रखना तुम्हारी जिम्मेदारी ही नहीं
बल्कि तुम्हारी आवश्यकता है
मेरी आवश्यकता सभी को है,
इसीलिए मुझे कभी भी बरबाद न करना
क्योंकि धीरे-धीरे जमीन के नीचे,
मेरा स्तर घटता जा रहा है
अभी भी समय है, संभल जाओ,
यदि तुम नहीं संभले तो मेरा अस्तित्व
धीरे-धीरे धरती से समाप्त हो जायेगा
अब तो तुम जान गये होगे कि मैं कौन हूं ?
मैं जल हूं, मैं जल हूं, मैं जल हूं।

विकास पुरोहित
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष बायो 2022

रानू की साईकिल

ठंडी मंद समीर आंगन में सो रहे रानू को जगा देती है। वह उठकर मां सरस्वती का ध्यान करता है फिर गणित के सवालों को हल करने लगता है। गणित उसका सबसे रूचिकर विषय है। स्कूल जाने के लिए वह तैयार हो जाता है और पिता जी से कहता है– ''अब आप मुझे नई साइकिल खरीदना पापा''

पिता जी की मंद मुस्कान से मानो उसे सहमति मिल गई, वह दौड़ कर स्कूल चला गया। आज परीक्षा का आखिरी पेपर है, सूचना प्राप्त हुई, ''कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण परीक्षा स्थगित की जाती है।'' रानू उदास हो जाता है और अपने पांव घसीटते हुए घर को चल देता है।

उसके पिता जी कस्बे में मजदूरी करते हैं व मुश्किल से परिवार का पालन पोषण करते हैं। अब समूचे देश में सख्त लॉकडाउन लग जाता है और उन्हें काम मिलना बंद हो गया अब तो उसके परिवार पर आर्थिक तंगी का पहाड़ ही टूट पड़ा।

रानू की छोटी बहिन 'उमा' को बहुत तेज बुखार आया। लॉकडाउन के कारण परिवहन बंद है। साइकिल से ही तीन मील दूर उसके पिताजी उमा को इलाज कराने के लिए ले गये। डॉक्टर कोरोना वायरस के डर से किसी मरीज से नहीं मिल रहे हैं वह चार गज दूर बैठा हुआ है, बिना कोई जांच किए उसने दवा दे दी।

दिन गुजरते जा रहे थे, गरीबी बढ़ती जा रही थी, मगर कोरोना के मामले कम नहीं हो रहे थे सभी स्कूल बंद थे, गांव में कोचिंग व लाइब्रेरी की व्यवस्था नहीं थी और न ही शिक्षा के लिए डिजीटल उपकरण थे। पिताजी दसवीं तक पढ़े हैं व माता जी शिक्षित नहीं है।

अब रानू की माताजी को मनरेगा में काम मिल गया उसकी माताजी घर का सारा काम करने के बाद कड़ी धूप में मजदूरी करने जाती। रानू भी अपने मां के काम में हाथ बटाने लगा। रानू अपनी पुरानी किताबों को पढ़ता व अपनी छोटी बहन को पढ़ाता। वह पढ़ने में बहुत होशियार था। वह अंग्रेजी भी पढ़ने की कोशिश करता था।

कोरोना के मामले धीरे-धीरे कम होने लगे। लॉकडाउन खोल दिया गया। पिताजी पुन: कस्बे में मजदूरी करने जाने लगे। रानू का एडमिशन कक्षा 6 में हो गया। वह प्रतिदिन 5 मील दूर पैदल स्कूल जाता व पैदल ही वापिस आता, परिवार की स्थिति भी सुधरने लगी।

रानू के परिवार पर फिर से परेशानी के बादल मंडराने लगे। कोरोना फिर से पैर पसारने लगा। सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन लगा दिया। उसने अब भी नई साइकिल खरीदने की उम्मीदें रखीं। वह खेतों में कटाई के समय गिरे हुए मटर व चना के बीज बीनने लगा और उन्हें बेचकर जो रूपये मिलते उन्हें वह खुशी से गुल्लक में जमा करता गया।

उसके पिताजी का स्वास्थ्य अचानक बिगडने लगा। वह अपने पिताजी की खूब सेवा करता पर स्वास्थ्य में सुधार न आया। इलाज के रूपये नहीं थे। रानू ने अपनी गुल्लक फोड़ दी और अपनी छोटी सी बचत के पैसे पिताजी की हथेली पर थमा दिये और कहा, ''पिताजी चलिए इन पैसों से अपना इलाज करवाइये, हम साइकिल तो बाद में खरीद लेगें''

दीपेन्द्र राजपूत
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष 2022

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, भारत ही विश्व में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या वाला देश है। 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी जो एक स्थायी संवैधानिक निकाय है। स्वतंत्रता पूर्वक मतदान करवाना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। देश के लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा तथा विधान परिषद के चुनाव भारत निर्वाचन आयोग द्वारा करवाए जाते हैं।

18 वर्ष की उम्र से अधिक के सभी भारतीय नागरिक देश के चुनाव में मतदान करते हैं। सभी मतदाता जाति, धर्म व वंष को न देखकर स्वतंत्रता पूर्वक निर्भीक होकर मतदान करते हैं। मतदान में मतदाताओं का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है।

जिस प्रकार पंचायती चुनावों में ग्राम पंचायत में 33 प्रतिशत व जिला पंचायत में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। लोक सभा, राज्य सभा, विधानसभा तथा विधान परिषद में भी महिलाओं को आरक्षण देकर उनकी पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए तभी देश में लोकतंत्र वास्तविक रूप में स्थापित होगा। लोकतंत्र सीधा नागरिकों से जुड़ा होता है जैसा नागरिक चाहते हैं वैसा ही देश में घटित होता है। मतदाताओं के पास अपने मत के रूप में बहुत बड़ी ताकत होती है। अत: सभी को मतदान करना चाहिए। सरकार को जन आन्दोलन चलाकर लोगो को मतदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। चुनाव आयोग को भी मतदान के बारे में लोगों को प्रशिक्षित करना चाहिए।

प्रत्येक वोट में वो ताकत है जो देश की सत्ताओं को पलट सकती है। हमें अपने वोट का प्रयोग देश हित मे ही करना चाहिए। देश में ''एक देश एक चुनाव'' करवाना चाहिए जिससे देश का समय व धन बच सकता है। हम सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस को पर्व के रूप में मनाने के साथ दूसरों को जागरूक करना चाहिए जिससे चुनावों में मतदान शत-प्रतिशत हो।

रवीन्द्र सिंह राजपूत
बी.एस-सी द्वितीय वर्ष 2022

किताबों के प्रति सम्मान

दोस्ती करो किताबों से
दोस्त क्या देगा।
दोस्ती करो आज से
कल क्या मिलेगा।

किताबें तुम्हें मान देंगी
काबलियत और पहचान देंगी
रगों में नया रक्त संचार करेंगी।
सो किताब से दोस्ती करो
शिक्षित और सभ्य बनो
अपने साथ-साथ समाज का कल्याण करो।

देश को आगे ले चलो
क्योंकि शिक्षा से बड़ा मित्र
कोई हो नहीं सकता।
दोस्त तो कभी धोखा
दे सकता है
पर किताब नहीं।

किताब जीना सिखाती है
अधिकार दिलाती है।
इसीलिए कहता हूं
दोस्ती करो किताबों से
दोस्त क्या देगा।
दोस्ती करो आज से
कल क्या मिलेगा।

प्रिंस राठौर
बी.एस-सी. 2022

स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानन्द भारत में पैदा हुए महापुरूषों में से एक हैं। अपने महान कार्यो द्वारा उन्होनें पाश्चात्य जगत में सनातन धर्म, वेदों तथा ज्ञान शास्त्र को काफी ख्याति दिलाई तथा सम्पूर्ण विश्व को अमन और भाईचारे का संदेश दिया। स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ। उनके बचपन का नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। स्वामी जी के जन्म दिवस को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानन्द सच बोलने वाले प्रसिद्ध विद्धान होने के साथ-साथ बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और ईश्वर की प्राप्ति के लिए काफी परेशान थे। एक दिन उनकी भेंट श्री रामकष्ण परमहंस जी से हुई। उनके आध्यात्मिक प्रभाव से उन्हें ईश्वर के विषय में अत्यधिक संतोष प्राप्त हुआ और उन्होंने श्री रामकृष्ण परमहंस को अपना गुरू मान लिया। स्वामी विवेकानन्द एक सच्चे गुरू भक्त थे क्योंकि तमाम प्रसिद्धी पाने के बाद भी उन्होनें इसका पूरा श्रेय अपने गुरू को दिया। उन्होंने अपने गुरू के नाम पर 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की।

स्वामी विवेकानन्द जी के विषय में जब भी बात होती है तो उनके द्वारा शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में दिया गया भाषण जरूर याद किया जाता है। अपने इस भाषण में उन्होंने सम्पूर्ण विश्व को भारत के अध्यात्म, वेदांत, सहिष्णुता, वसुधैव कुटम्बकम, अतिथि देवो भव: तथा सार्वभौमिक दृष्टिकोण से परिचित कराया। उन्होनें बताया कि जिस प्रकार विभिन्न नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती हैं उसी प्रकार विश्व के सभी धर्म अंत में ईश्वर तक पहुंचते हैं अत: हमें समाज में फैली कट्टरता और सांप्रदायिकता को रोकने के लिए तथा विश्व में सौहार्द, मानवता तथा भाईचारे की स्थापना करने के लिए आगे आना होगा।

अपने जीवन में तमाम विपत्तियों के बावजूद स्वामी विवेकानन्द कभी सत्य के मार्ग से नहीं हटे और जीवन पर्यन्त लोगों को ज्ञान देने का कार्य करते रहे और अपने विचारों से पूरे विश्व को प्रभावित किया।

सेन्द्रपाल राजपूत
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष 2022

पहेलियाँ

1.मुख से सदा मुझे बोलो, तो सम्मान तुम्हारा है
उस पर कोई आंच नहीं, जिसने मुझे संवारा है।
2.पानी से मैं पैदा होता, उजला मेरा रंग
स्वाद बढ़ाता घुलमिल करके, मैं भोजन के संग।
3.सोने के पल्लों में पला था, लेकिन छोड़ दिया घरवार
जैन धर्म के तीर्थकर बने, नमन करे सारा संसार।
4.बचपन में बना वह शासक, दुश्मनों को मार गिराया
पर गौरी ने धोखा देकर, तराइन युद्ध में हराया।
5.धोखा दिया भाई ने फिर भी, रूका नहीं वह वीर महान,
फिर भटका वन जंगल में, प्यारा उसे था राजस्थान।
6.पांव नहीं है पर चलता हूं, देता नहीं दिखाई
जब-जब मैनें वेग बढ़ाया, मच गई चारों ओर तबाही।
7.वह चलता है और लिखाता है, लेकिन पेन नहीं है
चलता है लेकिन पैर नहीं है, टिक-टिक करता है
लेकिन घड़ी नहीं है बताओ वह क्या है?

उत्तर- 1. ''सत्य'' 2. ''नमक'' 3. ''महावीर स्वामी'' 4. ''पृथ्वीराज चौहान'' 5. ''महाराणा प्रताप'' 6. तूफान 7. टाइपराइटर

कपिल पाठक
एम.कॉम. प्रथम वर्ष 2022

Role of Career in Life

Career is a very important aspect in one's life. Whatever career plan you choose, it will impact your life greatly. Your career will define your status in a society, additionally your life style too.

Therefore, it is extremely important to choose the correct career plan from a very young age, we aspire to be something on the others. While someone aims to be a doctor, some wish to become a singer. Our career choices depend on a lot of things. Thus, it is important to consider all factors before choosing a career plan.

How it to be choose?-

You must consider, number of factors before deciding on your career. Each factor plays a significant role in your choice. Firstly always access yourself, you must understand your area of interest to choose a career for instance, someone who dance well can also surely become a doctor, but his interest will always be in singing. Thus, ensure that you have the caliber to perform well in the field you choose. This will come from your area of interest itself.

After that you look for the opportunities available as per your area of interest. Now that you are aware of what you like and dislike. You can easily look for occupation matching your fashion. Make a list of the occupation you can get into following your interests. Furthermore shorten the list you have prepared. You must do so as per what suits you best. Consult with your seniors and parents to make informed decisions.

Most importantly acquire the skills for the career option you are interested in. Ensure you earn the qualification and degrees for it. Toy taking training programme to enhance your skills this will give you and upper hand in knowing whether you are correct in choosing the specific carrier plan. Further more create an impressive resume which help to get the right opportunities.

How to achieve to career goal?

There are steps you need to take before achieving your carrier goals. As they say success does not come over night. You must work along the way to accomplish the goals. There is always hope if you have the will. Firstly, creat profiles on different job portals to attract the employer's attention. When you maintain your profile well, you will be able to get good carrier opportunities.

In short always remember to stay determined you can easily to achieve to your career goals, if you set your mind to it. Commonly people usually distract themselves easily. You must not do so and focus on your career plan to achieve your goals efficiently.

Yash Kumar Jain
B.Com. 2022

21 वीं सदी: नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

आधुनिक दुनिया मे एक देश के लिए दूसरे देश से मजबूत, ताकतवर और अच्छी तरह से विकसित होने के लिए विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में नये-नये आविष्कार करना बहुत आवश्यक है। ज्ञिान वह व्यवस्थित ज्ञान या विद्या है जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलती है। नैनो टेक्नोलॉजी की शुरूआत 29 दिसम्बर, 1959 में अमेरिकी फिजीकल एसोशियन की केल्टेक में आयोजित बैठक में वैज्ञानिक रिचर्ड फेनमैन ने अपनी थ्यौरी "There's Plenty of the Room at the Bottom" में की थी अर्थात नैनो टेक्नोलॉजी की अवधारणा रिचर्ड फेनमैन ने दी और सर्वप्रथम 1974 में इस शब्द नैनो टेक्नोलॉजी (Nanotechnology) का जापान में प्रयोग हुआ। नैनो का अर्थ है ऐसे पदार्थ जो अति सूक्ष्म आकार वाले तत्वों (मीटर के अरबवें हिस्से) से बने होते हैं नैनो टेक्नोलॉजी अणुओं व परमाणुओं की इंजीनियरिंग है जो भौतिकी, रसायन, बायोइन्फॉर्मेटिक्स व बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों को आपस में जोड़ती है। नैनो विज्ञान अति सूक्ष्म मशीनें बनाने का विज्ञान है। उदाहरण के तौर पर सोना एक अक्रिय धातु माना जाता है यानि कि यह किसी रसायनिक अभिक्रिया में भाग नहीं लेता है किन्तु नैनो स्तर पर वह एक आदर्श उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है अर्थात् रासायनिक अभिक्रिया की गति को तीव्र या मंद कर देता है।

नैनो के प्रयोग से किसी वस्तु के व्यवहार तथा रासायनिक प्रतिक्रिया की क्षमता तथा पदार्थ की गुणवत्ता बहुत बढ़ जाती है। इसके इसी प्रकार के गुण ने आज शोध का प्रमुख विषय बना दिया है तथा इसमें छिपी असीमित सम्भावनाओं को खोज निकालने के लिए वैज्ञानिकों को विवश कर दिया है। नैनो विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के प्रमुख अनुप्रयोग निम्नवत् हैं-

कार्बन नैनो ट्यूब:-

ये ताप दाबित ग्राफिन परतों की विस्तारित नलिकायें होती हैं। ये अपनी भौतिक एवं रसायनिक विशेषताओं के कारण हीरे से भी अधिक कठोर होने के बावजूद अत्यन्त लचीली होती हैं साथ ही विद्युत की सुचालक भी होती हैं। ग्राफिन का इस्तेमाल आजकल टच स्क्रीन तथा बुलेटप्रूफ जैकेट बनाने में किया जाता है।

नैनो रोबोट्स:-

नैनो रोबोट्स बहुत छोटे कण हैं जो कि 0.5 से 3 माइक्रोमीटर माप के होते हैं। ये ऐसे कलपुर्जों से बने होते हैं जिनका आकार 1 से 100 नैनोमीटर तक होता है। इसमें कार्बन की नैनो नलिकाओं का उपयोग एक इलेक्ट्रॉनिक चिप्स बनाने में होता है। इन रोबोट्स को शरीर के अन्दर रक्तवाहिनियों आदि में आसानी से इन्जेक्ट किया जा सकता है जो कि एन्टीबायोटिक का इस्तेमाल किए बिना रोगाणुओं को नष्ट कर सकते हैं। ऐसे नैनो रोबोट्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं।

कैंसर उपचार:-

कीमोथैरेपी द्धारा कैंसर के उपचार में नैनो टेक्नोलॉजी आदर्श साबित हो रही है। इसके द्धारा केन्द्रित एवं नियंत्रित डोज रोगी को दी जाती है जो कि रोगी की सहन शक्ति के अनुरूप दिमागी एवं शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य करती है इससे कोशिकाओं को क्षति पहुंचाए बिना उपचार संभव हो सका है।

क्वांटम डॉट्स:-

अर्द्धचालक कणों को छोटा आकार देने पर उनमें क्वांटम प्रभाव हो जाता है इस कारण ऊर्जा सीमित हो जाती है तथा इलेक्ट्रॉन उतनी ही खाली जगह किसी कण मे बने रहते हैं। इस तरह मात्र आकार को नियंत्रित कर ऐसे कणों का निर्माण किया जा सकता है जो कि प्रकाश के विशिष्ट तरंगदैर्ध्य को अवशोषित कर सके।

कृषि क्षेत्र:-

नैनो उर्वरक, नैनो खरपतवारनाशी आदि का उपयोग कृषि क्षेत्र में फसलों को बचाने तथा उत्पादन की वृद्धि करने में किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त भण्डारण, संरक्षण, गुणवत्ता सुधार तथा फ्लेवर के विकास में नैनो टेक्नोलॉजी अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हो रही है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र:-

नैनो तकनीक के प्रयोग से इंजन में घर्षण को कम किया जा सकता है। ग्राफीन का प्रयोग कर हल्के तथा मजबूत वाहन बनाये जा सकते हैं। इससे ईधन की खपत कम हो जाती है तथा माइलेज बढ़ जाता है इससे प्रदूषण की समस्या पर भी नियंत्रण किया जा सकता है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की इस आधुनिक तकनीकी को पूरे विश्व में लागू किया जा रहा है जिससे कई जटिल समस्याएं सुलझाई जा रहीं हैं तथा आधुनिक उपकरण भी तैयार किये जा रहे हैं जो कि चिकित्सा, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा निर्माण, बुनियादी ढांचा और अन्य क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। इस आधार पर यह कहना तर्क संगत है कि 21वीं सदी नैनो टेक्नोलॉजी की सदी है।

डॉ0 डी0 के0 साहू
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भौतिक विज्ञान)

भारत देश में कर प्रणाली

भारत देश इस संसार में एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के साथ जाना जा रहा है जिसमें कर लगाने की प्रणाली अन्य देशों की तुलना में भिन्न है। आज भारत शीर्ष से अर्थव्यवस्था में छठवें स्थान पर है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का विकास व्यापार प्रणाली व कर प्रणाली दोनों पर बहुत निर्भर करता है। यदि कर का बोझ बढ़ा दिया जाए तो व्यक्ति विशेष की क्रय शक्ति में कमी आ जाती है जिसके कारण व्यापार तंत्र की गति धीमी हो जाती है। इसके विपरीत यदि कर के बोझ को कम कर दिया जाए, तो राजस्व संग्रह में कमी आने के कारण आधारभूत संरचना के विकास में रूकावट के साथ-साथ मुद्रा स्फीति का जन्म होता है अत: दोनों ही दशाओं में समन्वय का होना अति आवश्यक है।

भारत देश में दो प्रकार की कर व्यवस्था व्याप्त है, पहली प्रत्यक्ष-कर और अप्रत्यक्ष-कर। किसी भी कर में दो कारक विद्यमान होते हैं- एक कर बोझ एंव दूसरा कर दायित्व। प्रत्यक्ष कर में कर बोझ एवं कर दायित्व एक ही व्यक्ति पर होते हैं जबकि अप्रत्यक्ष कर में कर बोझ उपभोक्ता एवं कर दायित्व उसके संग्रहकर्ता पर होता है।

प्रत्यक्ष कर में मुख्य रूप से निगम कर, आयकर, पूंजीलाभ, पेशेवर आयकर, इत्यादि महत्वपूर्ण हैं जबकि अप्रत्यक्ष कर में 01 जुलाई 2017 से वस्तु एवं सेवा कर है। इससे पहले अप्रत्यक्ष कर मे लगभग 17 प्रकार की कर व्यवस्था थी जिसे केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के द्वारा संग्रहित किया जाता था। इन 17 प्रकार के अप्रत्यक्ष करों में डम्पिंग रोधी शुल्क, सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क, विक्रय शुल्क एवं सेवा कर, मूल्य संवर्धन शुल्क, लग्जरी शुल्क, लॉटरी शुल्क इत्यादि महत्वपूर्ण थे।

भारत में कर व्यवस्था की शुरूआत ब्रिटिश शासकों के द्वारा सन् 1857 में मेरठ शहर में हुई। क्रान्तिकारी घटना से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सर जेम्स विलसन के सुझाव पर की गई थी। भारत देश की आजादी के बाद सन् 1961 में भारत ने अपनी कर व्यवस्था को शुरू किया। तब से लेकर अब तक सैकड़ों बार प्रत्यक्ष कर प्रणाली में बदलाव होते रहे जिसे प्रत्येक वित्तीय वर्ष में पेश होने वाले बजट के माध्यम से बताया जाता रहा है। प्रत्यक्ष कर प्रणाली काफी मजबूत है जिसमें कर बचाव की संभावना न के बराबर है। विपरीत इसके अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में कर बचाव के रास्ते ज्यादा होने से कर संग्रह में निरन्तर कमी आने के कारण इसका सीधा असर मुद्रा स्फीति के रूप में देखा गया। इन्हीं कारणों के चलते भारत सरकार ने अप्रत्यक्ष व्यवस्था में सुधार लाने का निर्णय लिया।

इस कर प्रणाली में सुधार के लिए श्री विजय केलकर (वित्त मंत्री 2004) ने कमान संभाली जिसे विजय केलकर फोर्स के नाम से जाना गया। उन्होनें 01 अप्रेल 2010 से वस्तु व सेवाकर लागू करने की घोषणा की परन्तु विरोधाभास के चलते सम्भव नहीं हो सका। वर्ष 2014 में पुन: जी.एस.टी. बिल को संसद में पेश किया गया और भारतीय संविधान में 101वां (2016) संशोधन करके एक विधेयक पारित कर दिया जिसमें 20 अनुच्छेद थे साथ ही इसके 01 जुलाई 2017 को भारत ने और 08 जुलाई 2017 को जम्मू व कश्मीर में जी.एस.टी. लागू कर दिया गया। जिसे 'एक राष्ट्र एक कर' का नाम दिया।
वस्तु एवं सेवा कर के इतिहास की बात करें तो फ्रांस प्रथम देश है जिसने सन् 1954 में लागू किया। अब तक संसार के 160 देशो ने जी.एस.टी. को अपनाया है उसी क्रम में भारत देश ने आजादी के 62 साल बाद इसे अपनाया। अगर राष्ट्रीय औसत जी.एस.टी. की बात की जाए तो अधिकतम 20 प्रतिशत व न्यूनतम 5 प्रतिशत तक कर प्रतिशत है जबकि यू.एस.ए. में अभी तक जी.एस.टी. को लागू नहीं किया है।

भारत में मादक पदार्थ व पेट्रोलियम पदार्थों को जी.एस.टी. के दायरे से बाहर रखा है जिसे भविष्य में जी.एस.टी. में लाने का विचार हो रहा है इन उत्पादों को छोड़कर सभी वस्तुएं व सेवायें अप्रत्यक्ष कर के दायरे में आती है जिन पर जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत अधिकतम 28 प्रतिशत व न्यूनतम 0 प्रतिशत तक कर का प्रावधान है।

वस्तु एवं सेवा सम्बन्धी विधान

1.केन्द्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम (सी.जी.एस.टी.)-2017 : यह अधिनियम केन्द्रीय जी.एस.टी. से सम्बन्धित है इसके क्रियान्वयन के लिए केन्द्रीय माल एवं सेवाकर नियमावली के अंतर्गत नियम तैयार किये गये हैं। यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर सहित सम्पूर्ण भारत में लागू होता है।

2. राज्य माल व सेवाकर अधिनियम (एस.जी.एस.टी.)-2017 : भारत के 28 राज्यों द्वारा प्रान्तीय जी.एस.टी. के सम्बन्ध में अपने-अपने अधिनियम पारित किए गये हैं। इस प्रकार के अधिनियम का क्षेत्र सम्बन्धित राज्य से होता है।

3.एकीकृत माल एवं सेवाकर अधिनियम (आई.जी.एस.टी.)-2017 : अन्तर्राज्यीय व्यापार में माल एवं सेवाओं की पूर्ति के सम्बन्ध में यह अधिनियम (आई.जी.एस.टी.) लागू किया गया है। पूर्ति वाले राज्य की सी.जी.एस.टी.+एस.जी.एस.टी. के योग के समकक्ष ऐसे कर की दर होती हैं।

4. संघ राज्य क्षेत्र माल एवं सेवाकर अधिनियम (यू.टी.जी.एस.टी.)-2017 : संघ राज्य क्षेत्र के अन्दर माल एवं सेवाओं की पूर्ती पर जी.एस.टी. के आरोपण, संग्रह तथा सम्बन्धित विशयों के लिए पारित, संघ राज्य क्षेत्र माल एवं सेवाकर अधिनियम (यू.टी.जी.एस.टी.) पारित किया गया है। इस अधिनियम के क्षेत्र में अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली, दमन एवं द्वीव, चंडीगढ, जम्मू एवं कश्मीर एवं अन्य संघीय क्षेत्र शामिल हैं।

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली एक पूर्णत: डिजीटल कर प्रणाली के साथ-साथ पेपर विहीन भी है, जो पेपर बचाव के साथ ही कर संग्रह को गति मिली है। आज राजस्व संग्रह में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

विजेन्द्र सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (वाणिज्य)

भारत में निएसी कुल (Family Mniaceae) की विविधता

सारांश

निएसी कुल मॉस के मुख्य कुलों में से एक है, जिनके पौधे अन्य कुलों की तुलना में बड़े और अत्यंत आकर्षक होते हैं। इनके आकार तथा पत्तियों में विभिन्नताओं के आधार पर इनको अलग किया गया है। विश्व में अब तक इस कुल में 9 वंश और 78 प्रजातियाँ पाई गई हैं जबकि भारत में केवल 5 वंश एवं 28 प्रजातियाँ ही ज्ञात हैं। यह पौधे अपने संरक्षण हेतु विशेष प्रकार के द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का निर्माण करते हैं, जो इन्हें सूक्ष्म जीवों के विरुद्ध प्रतिरोधी क्षमता प्रदान करने में उपयोगी हैं तथा इनका उपयोग मानवचिकित्सा विज्ञान में विभिन्न चिकित्सकीय औषधियाँ तैयार करने में किया जा सकता है।

प्रस्तावना

हरितोद्‌भिद (Bryophytes) असंवहनीय व अपुष्पीय पौधों का समूह है, जिन्हें संख्या के आधार पर पादप जगत में द्वितीय स्थान पर रखा गया है। विश्व में इनकी लगभग 25000 प्रजातियाँ ज्ञात हैं जबकि भारत में इसकी 10 प्रतिशत प्रतातियाँ ही पायी जाती हैं, जिन्हें मुख्यत: तीन वर्गों में विभक्त किया गया है (बक एवं गोफिनेट 2000) लिवरवर्ट (Liverwort)] हार्नवर्ट (Hornwort) एवं मॉस (Moss)।

इस कुल का पहले भी बहुत से वैज्ञानिकों ने समय-समय पर अवलोकन किया है। परन्तु इस कुल के पौधों में अत्यधिक विभिन्नताएं (विविध आकृति की पत्तियाँ, उनके दन्तविहीन अथवा दन्ताकार उपांतिक भाग तथा पत्तियों की कोशिकाओं व मध्यशिरा की आंतरिक संरचना इत्यादि) एवं उचित वर्गीकरण की उपलब्धता न होने के कारण इनका समुचित आंकलन नहीं हो सका। पहले वंश नियम के अन्तर्गत बहुत सी असंबंधित प्रजातियों को रखा गया था परन्तु कोपोनेन (1968) ने विभिन्न अकारिकी व पत्तियों की आंतरिक संरचना के उचित मांपदण्डों के आधार पर इनको 9 वंशों में विभक्त किया जिनमें से कुछ वंश पहले से ही ज्ञात थे परन्तु कुछ पूर्णत: नवीन थे।

पाण्डेय (1958) द्वारा भारत को 7 जैव भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित किया गया था जिनमें से इस कुल के पौधे मुख्यत: पूर्वी हिमालय, पश्चिमी हिमालय तथा पश्चिमी घाटों में नम, छायादार व ऊँचाई वाले क्षेत्रों में प्रचुरता में पाए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रजातियों का विवरण भारत से प्रथम बार किया गया था जैसे राइज़ोनियम पारवुलम (मिट.) टी. जे. कोप. शिमला से, नियम थोम्सोनाई शिम्प., सिक्किम से, प्लेजियोनियम रिंकोफोरम (हूक.) टी. जे. कोप. तथा आर्थोम्निऑन ब्रायोडिस (ग्रिफिथ) नॉक. उत्तर भारत से।

वस्तु व कार्यविधि

1. अध्ययन स्थल का सर्वेक्षण

सबसे पहले घने, नम व छायादार इलाकों का सर्वेक्षण कर इन पौधों को एकत्र करके इन्हें छाया में पूरी तरह सुखाकर नमूने की पूरी जानकारी जैसे आवास, ऊँचाई, नमी, संग्रहित करने का दिन, संग्रहकर्ता का नाम इत्यादि लिखकर इन्हें वै.औ.अ.प.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, (एल डब्लू जी) के पादपालय में संग्रहित किया जाता है।

2. पहले से जमा नमूने तथा अन्य पादपालयों के नमूनों का अध्ययन

पादपालय में पहले से उपलब्ध विभिन्न स्थानों से एकत्रित तथा अन्य पादपालयों से मंगवाए गए नमूनों का अध्ययन किया गया।

3. मॉस प्रजाति की पहचान, वर्गीकरण, विवरण तथा चित्रण

अध्ययन से पूर्व इन पौधों को पानी में भिगोया गया ताकि इनकी आन्तरिक संरचना का सूक्ष्मदर्शी से अवलोकन करके इनका वर्गीकरण किया जा सके। तत्पश्चात् इनका विस्तृत अध्ययन करके विवरण और कैमरा लूसिडा द्वारा चित्रण किया गया।

तालिका 1- भारत में निएसी कुल की प्रजातियाँ एवं उनका वितरण

क्र.स.	प्रजातियों के नाम	वितरण
1.	प्लेजियोनियम अक्यूटम	पूर्वी व पश्चिम हिमालय
2.	प्लेजियोनियम कस्पीडेटम	पश्चिमी हिमालय
3.	प्लेजियोनियम ड्रूमोन्डाई	पश्चिमी हिमालय
4.	प्लेजियोनियम जेपोनिकम	पूर्वी हिमालय
5.	प्लेजियोनियम एफिने	पश्चिमी हिमालय
6.	प्लेजियोनियम मीडियम	पश्चिमी हिमालय
7.	प्लेजियोनियम कोन्फॉरिडेन्स	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी हिमालय
8.	प्लेजियोनियम आर्बसक्यूलम	पश्चिमी हिमालय
9.	प्लेजियोनियम इन्टीग्रम	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
10.	प्लेजियोनियम मैक्ज़ीमाविक्जाई	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
11.	प्लेजियोनियम रिंकोफोरम	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
12.	प्लेजियोनियम रोस्ट्रेटम	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
13.	प्लेजियोनियम सक्कुलेन्टम	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
14.	स्यूडोब्रायम सिन्क्लीडिओइड्स	पूर्वी हिमालय
15.	नियम लाइकोपोडिओअड्स	पूर्वी हिमालय पश्चिमी हिमालय व पश्चिम घाट
16.	नियम हेटेरोफिलम	पश्चिमी हिमालय व पश्चिमी घाट
17.	नियम स्पाइनोसम	पूर्वी हिमालय
18.	नियम स्टीलैर	पश्चिमी हिमालय
19.	नियम थोमसोनाई	पूर्वी हिमालय
20.	नियम मार्जिनेटम	पूर्वी हिमालय
21.	राइज़ोनियम होरिकावी	पूर्वी हिमालय
22.	राइज़ोनियम न्यूडम	पूर्वी हिमालय
23.	राइज़ोनियम स्ट्राइएटुलम	पूर्वी हिमालय
24.	राइज़ोनियम मैग्नीफोलियम	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी हिमालय
25.	राइज़ोनियम पार्वुलम	पश्चिम हिमालय
26.	आर्थोम्निऑन ब्रायोडिस	पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
27.	आर्थोम्निऑन नोगुची	पूर्वी हिमालय
28.	आर्थोम्निऑन डाइलेटेटम	पश्चिमी हिमालय

निष्कर्ष

यह सूक्ष्म पौधे द्वितीयक मेटाबोलाइट्स जैसे टर्पीन्स, फ्लेवोनोयड्स, ग्लाइकोसाइड्स (सेपोनेरिन, एपीजेनिन इत्यादि), स्टीरोल्स, फैटी एसिड्स तथा फेनोलिक यौगिकों का समुचित संग्रहित गृह है। इन्हीं महत्वपूर्ण यौगिकों की उपस्थिति के कारण ये पौधे क्रम विकास की प्रक्रिया में अब तक स्वयं को संरक्षित कर पाए हैं। इनमें उपस्थित इन तत्वों का उपयोग मानव चिकित्सा विज्ञान में भी किया जा सकता है। अत: इस कुल के औषधीय महत्व को संज्ञान में रखते हुए इनका बड़े पैमाने पर ऊतक संवर्धन द्वारा प्रसारण करके इन प्रभावी यौगिकों को प्राप्त करके विभिन्न औषधियाँ प्राप्त की जा सकती हैं।

इच्छा ओमर
असिस्टेंट प्रोफेसर (वनस्पति विज्ञान)

Biodiversity Conservation Essential for Human Existence

There is an important and enduring relationship between man and nature. Human beings have been exploiting nature in the name of development, due to which there has been a crisis for the existence of nature along with wildlife. Man has polluted the air and water in this alleged evolution. Similarly, the uncontrolled exploitation of forest wealth has put a question mark on the existence of wildlife. According to the World Wildlife Fund's report Living Planet, due to the ever-increasing human activities in natural areas, the number of animals in the world has decreased by 60 percent since the year 1970. The report says that if human activities in the wild areas continue to increase in this way, then the wildlife in the world will be moving towards its end.

Biodiversity is very important to maintain balance in the environment. Biodiversity refers to the variety of animal and plant species. Scientists believe that the lack of biodiversity increases the risk of natural disasters like floods, droughts and hurricanes. International Day for Biodiversity is celebrated every year on 22 May to develop awareness in the context of topics related to biodiversity. The theme of this year's International Day for Biodiversity is 'Our Solutions in Nature'. Started by the United Nations, this day is also called 'World Bio-diversity Conservation Day'. According to the Protected Planet Report of the United Nations, one-third of the areas important from the point of view of biodiversity, such as land, inland waters, and oceans, do not have any kind of protection. Neville Ash, Director of the World Conservation Monitoring Center (WCMC), has said that protected areas play an important role in preventing the loss of biodiversity and in recent years has been instrumental in strengthening the global network of protected and protected areas. Progress has also been made.Bio-diversity conservation all over the world is mainly dependent on the behavior of humans towards water, forests, land and oceans. Most of the biodiversity on Earth thrives in forested areas. That is why; conservation of forests becomes very important in many ways.

According to the State of the World Forest Report in the year 2020, more than 60 thousand species of different trees are found in the forests. Similarly, 80 percent of amphibian species, 75 percent of bird species, and 68 percent of Earth's mammal species are found. Effective efforts are necessary for the conservation of these species. On the other hand, human activities have had an impact on marine life as well. According to the United Nations, there has been a 10-fold increase in plastic pollution in seawater since 1980, threatening at least 267 marine species. These species comprise about 86 percent of sea turtles, 44 percent of seabirds and 43 percent of marine mammals. Man has led the entire nature and environment towards destruction for his development. Today there is no place in nature where there is no human intervention. Man forgets that his development depends on the coexistence of nature.

Today man has become aware of protecting nature and environment,

but his pace towards protecting the environment is very slow,

which needs to be accelerated in proper format.

Anuradha
Assistant Professor (Zoology)

Raghuveer Singh Government Degree College, Lalitpur
TEACHER'S /EMPLOYEE'S INFORMATION

Name of Teacher / Emloyee	**Mr. Keshav Dev**
Father's Name	Mr. Hukam Singh
Designation	Associate Professor
Subject	Physics
Date of Posting in College	27 April,1998
Date of first Joining in Service	27/04/1998
Mobile No.	9450035959
Email	Kds20007@gmail.com
Qualification	M.Sc., M.Phil, NET (CSIR), Ph.D.(Thesis to be Submitted)
Specialization	Superconductivity, DFT and Electronics
Research Papers Published	11
Conference, Seminar/ Workshop Attended	08
Award	Shikshak Samman 2021
Other Information	A book published on 'Quantum Mechanics'

Name of Teacher / Emloyee	**Dr Manish Kumar Verma**
Father's Name	Dr Ram Swaroop
Designation	Associate Professor
Subject	Botany
Date of Posting in College	06-09-2017
Date of First Joining in Service	13-09-2005
Mobile No.	9415031976
Email	mani655@yahoo.co.in
Qualification	M.Sc. M.Tech. (Env.Sc.-NRM); Ph.D.; UGC CSIR NET, GATE
Specialization	Plant Biodiversity and Plant Biotechnology
Research Papers Published	15
Conference, Seminar/ Workshop Attended	24
Award	Shikshak Samman 2021
Research Projects New	One Minor Research Project Completed funded by UGC Delhi
Other Information	Life-member of The Academy of Environmental Biology, Society for Promotion of Tropical Biodiversity, International society of Environmental Botanist, The Indian Science Congress Association.

Raghuveer Singh Government Degree College, Lalitpur

TEACHER'S /EMPLOYEE'S INFORMATION

Name of Teacher / Emloyee : **Dr Rabindra Kumar Saroniya**
Father's Name : Late Shri Ram Bharose Saroniya
Designation : Associate Professor
Subject : Zoology
Date of Posting in College : 06-09-2017
Date of First Joining in Service : 27-04-2006
Mobile No. : 9335827783
Email : rsaroniya1@gmail.com
Qualification : M.Sc. Ph.D. (UGC-CSIR NET)
Specialization : Aqatic Biology and Aqa-culture
Research Papers Published : 15
Conference, Seminar/ Workshop Attended : 22
Award : Shikshak Samman 2021
Research Projects : One Minor Research Project Completed funded by UGC New Delhi
Other Information : Founder of Aqatic Biodiversity Conservation Society, Life member of Society of Technically Advanced Materials (STAMI)

Name of Teacher/ Employee : **Smt. Archana Suroothiya**
Father's Name : Mr. Ramesh Chandra Surothiya
Designation : Assistant Professor
Subject : Library Science
Date of Joining in College : 03 October,2008
Date of First Joining in service : 03/10/2008
Mobile No. : 9415582065
Email : archana.gpgcl@gmail.com
Qualification : M.Lib ,M.Phil.,U.P. SLET
Specialization : Information Literacy
Research Paper Published : 04
Conference, Seminar /Workshop Attended : 12
Awards : Shikshak Samman 2021, Mission Shakti Award 2021
Other Information : Life Member of Indian Library Association, Uttar Pradesh Library Association, Society for the Advancement of Library and Information Science, Indian Association of Teachers of Library and Information Science

Raghuveer Singh Government Degree College, Lalitpur
TEACHER'S /EMPLOYEE'S INFORMATION

Name of Teacher/ Emloyee : **Dr. Devendra Kumar Sahu**
Father's Name : Shri Ram Gopal Sahu
Designation : Assistant Professor
Subject : Physics
Date of Posting in College : 20.03.2010
Date of First Joining in Service : 20.03.2010
Mobile No. : 9415947697
Email : dkpolymer2003@gmail.com
Qualification : M.Sc., Ph.D.
Specialisation : Dark Matter, Polymer Science, Ferrites and Nanoscience & Technology
Research Papers Published : 35
Conference, Seminar/Workshop Attended : 45
Fellowship/Medal/Awards : Zeiss Best TEM micrograph Award, Life Time Achievement Award ,
Research Project : 01 UGC Research Project (Minor) Completed, 01 Research Projected Submitted to UPCST, Lucknow (U.P.)
Other Information : Published book 12, Supervisions 04 Ph. D. and 04 M. Phil., Biography published in "Who's Who in the World-2010" Foreign visits- University of Kandy, Sri lanka , University Putra Malaysia (UPM), Malaysia), Samara University,Tashken, Uzbekistan, Russia, Founder Member of Society of Technically Advanced Materials (STAMI) and Society for Green World and Sustainable Development (SGWSD), Member of Editorial- Advisory Board for the International Journal of Advanced Research in Science & Technology (IJARST) and Member of Editorial- Advisory Board for the Periodic Research., Life Member, Electron Microscopy Society of India, Indian Physics Association, Indian Science Congress, Scientific and Technical Research Association (STRA), International Association of Advanced Materials.

Name of Teacher/ Employee : **Mrs. Anuradha**
Father's Name : Shri Charan Singh
Designation : Assistant Professor
Subject : Zoology
Date of Joining in College : 26/08/2013
Date of First Joining in service : 26/08/2013
Mobile No. : 9897335415
Email : drannu10@gmail.com
Qualification : M.Sc., M.Phil.
Specialization : Fish & Fisheries
Research Paper Published : 15
Conference, Seminar /Workshop Attended : 05
Awards : Shikshak Samman 2021, Mission Shakti Award 2021

Raghuveer Singh Government Degree College, Lalitpur
TEACHER'S /EMPLOYEE'S INFORMATION

Name of Teacher/ Employee : Dr. Reetesh Kumar Khare
Father's Name : Late Shri Virendra Kumar Khare
Designation : Assistant Professor
Subject : Zoology
Date of Posting in College : 07 September 2017
Date of First Joining in Service : 08/12/2016
Mobile No. : 9935296788
Email : rkkbwr@gmail.com
Qualification : M. Sc. and Ph. D.(Zoology), UPSLET(Life Sciences), M.Sc. and NET (Food Science & Technology), B. Ed.
Specialization : Parasitology
Research Papers Published : 26
Conference, Seminar/ Workshop Attended : 15
Fellowship/Medal/ Award : Congress of Zoology Medal 2015, Bharat Gaurav Award 2016, Fellowship of Society of Life Sciences 2017, Shikshak Samman 2021 and Young Scientist Award 2022
Other Information : Name listed in the 'Directory of Indian Zoologists', Discovered eight new genera, three new subgenera and eighteen new species of tapeworms, Published 04 books, Editor of 'Gyanpathik' Member of Editorial board in a research journal. Life member of Indian Science Congress Association, Zoological Society of India, Society of life sciences, Vijnanabharati (VIBHA),, Indian Society of Parasitology (ISP) and Scientific , Technical Research Association (STRA) and Society of Technically Advanced Materials (STAMI)

Name of Teacher / Employee : Dr. Sunil Kumar
Father's Name : Brajendra Kumar
Designation : ASSISTANT PROFESSOR
Subject : Chemistry
Date of Posting in College : 05 AUGUST 2021
Date of First Joining in Service : 05/08/2021
Mobile No. : 9452150087
Email : sunilkr.rs.chy15@itbhu.ac.in
Qualification : Ph.D. (IIT BHU), CSIR JRF/NET
Specialization : Organic Chemistry, Z-Scheme photocatalysis, Nanoscience
Research Papers Published : 11
Conference, Seminar/ Workshop Attended : 03
Fellowship : CSIR JRF and SRF

Raghuveer Singh Government Degree College, Lalitpur

TEACHER'S /EMPLOYEE'S INFORMATION

Name of Teacher / Employee : Mr. Vijendra Singh
Father's Name : Late Shri Seva Ram
Designation : Assistant Professor
Subject : Commerce
Date of Posting in College : 16 Aug 2021
Date of First Joining in Service : 21/03/2011
Mobile No. : 9453415271
Email : vijendrasingh1988@gmail.com
Qualification : Pursuing Ph D (Commerce), M.Phil (Mgmt.), MBA FM, M.Com. MA (Economics), UGC NET Commerce and Management.
Specialization : Taxation
Research Papers Published : 02
Conference, Seminar/ Workshop Attended : 06

Name of Teacher/ Employee : Ms. Ichha Omar
Father's Name : Shri Anil Kumar
Designation : Assistant Professor
Subject : Botany
Date of Posting in Service : 26th August 2021
Date of Joining in Service : 26th August 2021
Mobile No. : 8318274561
Email : ichhaomar401@gmail.com
Qualification : M.Sc., ICAR- NET, CSIR- NET
Specialization : Bryophytes
Research Papers Published : 12
Conference, Seminar / Workshop attended : 04

Name of Teacher / Employee : BARISH KUMAR DWIVEDI
Father's Name : SOM DEO DWIVEDI
Designation : ASSISTANT PROFESSOR
Subject : PHYSICS
Date of Posting in College : 27 AUGUST 2021
Date of First Joining in Service : 27/08/2021
Mobile No. : +91-7408958830
Email : barishdwivedi@gmail.com
Qualification : M.Sc. IN PHYSICS, CSIR NET
Specialization : ELECTRONICS
Research Papers Published : 04
Conference, Seminar/ Workshop Attended : 02
Other Information : A book published on 'Quantum Mechanics',Member of Indian Association of Physics Teachers (IAPT),Member of Vijnanabharati (VIBHA)

महाविद्यालय द्वारा विगत 05 वर्षों में प्रकाशित शोध कार्य

महाविद्यालय में वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों द्वारा विगत 05 वर्षों में कुल 82 शोध लेख प्रकाशित किए गए हैं इनमें 07 पुस्तकें, 23 पुस्तक अध्याय तथा 52 शोध पत्र सम्मिलित हैं।

LIST OF PUBLICATIONS

(Books 07, Book Chapters 23 and Research Papers 52)

A- BOOKS:

1. **Saroniya, R. K.**, and Jeet Singh (2017). *Proceedings of National Conference on Innovations in Science and society*. Principal, LSSSS Govt. Degree College, Mant, Mathura. **(ISBN 978-93-5268-016-0)**

2. **Sahu D. K.** and Gupta A. K. (2021). *Handbook of Semiconductor Physics*. Manglam Publications, New Delhi. **(ISBN 978-93-86123-72-5)**

3. Sahu V., **Sahu D. K.** and Tiwari M.K. (2021). *Mechanics & Wave Motion*. Anvi Books & Publishers, New Delhi. **(ISBN 978-93-90856-13-8)**

4. **Dev K., Dwivedi B.** and **Sahu D. K.** (2021). *Quantum Mechanics*. Manglam Publications, New Delhi. **(ISBN 978-93-86123-82-4)**

5. **Sahu D. K.** *et al* (2021). *Newtonian Mechanics.* Krishna Prakashan Media Pvt. Ltd., Meerut. **(ISBN 978-93-91152-546)**

6. **Sahu D. K.** et al (2021). *Mathematical Physics.* Krishna Prakashan Media Pvt. Ltd., Meerut. **(ISBN 978-93-81162-743)**

7. **Sahu D. K.,** Yadav V.K., Kumar A. and **Suroothiya A.** (2022). *Scope and Challenges of Science, Engineering and Technology*. Anvi Books & Publishers, New Delhi. **(ISBN 978-93-90856-29-9)**

B- BOOK CHAPTERS:

1. **Saroniya, R. K.** (2017). Applications of Innovations in Agriculture in India. *Proceedings of National Conference on Innovations in Science and society*. Principal, LSSSS Govt. Degree College, Mant, Mathura. Chapter-4 , pp 15-18. **(ISBN 978-93-5268-016-0)**.

2. **Manish Kumar Verma** (2017). Science, technology and innovation for sustainable environment and its development. *Proceeding of National Conference on Innovation in science and society.* Pp 01-05. LSSSS Government Degree College, Mant, Mathura. (U.P) **(ISBN: 978-93-5268-016-0)**

3. **Manish Kumar Verma** (2017). Rainwater Harvesting-A Communal and Environmental Necessity. *Global Environment & Sustainable Development*. p195-197. Book Publication, Lucknow. **(ISBN:978-93-85420-19-1)**

4. **Singh V**., Singh S. and Rana D. S. (2017). Analysis of maiden venture of soverign bonds. *A $ S Trillion Dollar Economy of india: Challenges and Strategies.*pp. 65-71. **(ISBN 978-9-39190-841-1)**

5. **Manish Kumar Verma**, Brijesh Kumar Singh, Rajeev Niranjan and Anil K. Gupta (2018): Bioterrorism: A Technological Hazard for Ecology and Mankind. *Disaster Risk and Impact Management Some Ecohydrological and Strategic Issues*, Daya Publishing HousE New Delhi, **ISBN: 978-81-7035-852-7.**

6. **Khare, R. K.** (2018). Study of biodiversity of tapeworms of the family Capingentidae Hunter, 1930. *Biodiversity and Bioprospects: Indian Senario and Perspective*. Today and Tomorrow's Printers and Publishers : New Delhi, chapter 10, pp. 91-96. **(ISBN 81-7019-602-6)**

7. Singh J., Singh N. P. and **Anuradha** (2019). Stability Constant of Metal complexes in Solution, *Stability and Applications of Coordination Compounds*. Ed. by Abhay Nanda Srivastva, Intechopen. pp. 1-18. **(ISBN 978-1-83880-058-1)**

8. **Khare, R. K., Suroothiya A. and Sahu D. K.** (2020). Description of reality and myths related to Covid-19. कोवडि -19 चुनौतियाँ एवं समाधन. Book Publication Prakashan : Lucknow, chapter 28, pp. 188-191. **(ISBN 978-93-85420-40-5)**

9. **Saroniya, R. K.** and **Verma, M. K.** (2021). Effects of climate change on human health at global level-A Review. Pradushan ke Karan, Prabhav evum Unka Nidan . The Literati Council Publication Division, Mathura. Chapter-48, pp.278-284 **(ISBN No.: 978-93-91356-09-5)**

10. **Anuradha** and Singh J. (2021). Occurrence and Removal of Pesticides in Drinking Water, *Sustainable griculture Reviews 48.* Inamuddin et al. (eds.), Springer Nature Switzerland AG, chapter 6, pp. 233-257. **(ISBN978-3-030-54718-9)**

11. **Anuradha** and Singh J. (2021). Microorganisms and Soil Bioremediation: An Environmental Approach, *Recent Advances in Microbial Degradation.* Environmental and Microbial Biotechnology, Inamuddin et al. (eds.), Springer Nature Singapore Pte Ltd., chapter 18, pp. 449- 464. **(ISBN 978-981-16-0517-8**

12. **Anuradha** and Singh J. (2021). Effects on Human Health due to Fluoride, *Green Technologies for the Defluoridation of Water.* Moh. Hadi Dehghani et al. (eds.), Elsevier. chapter 1, pp. 1-15. **(ISBN 978-0-323-85768-0)**

13. Singh J. and **Anuradha (**2021). Supercritical Fluids for Inorganic Nano-Materials Synthesis, *Green Sustainable Process for Chemical and Environmental Engineering and Science: Green Inorganic Synthesis.* Inamuddin et al. (eds.), Elsevier, chapter 9, 227-236. **(ISBN 978-0-12-821887-7)**

14. Singh J. and **Anuradha** (2021). Pesticides in Drinking Water and Removal Techniques, *Remediation of Heavy Metals.* Inamuddin et al. (eds.), Springer. chapter 13, pp. 321-345. **(ISBN978-3-030-80333-9)**

15. **Anuradha** and Singh J. (2021). Aquatic Impact of Climate Change, *Global Challanges to Environment.* Ed. by Dr. Mitra Pal Singh, Aadhyayan publishers and distributors New Delhi. chapter 6, pp. 53-64. **(ISBN 978-81-952007-4-0)**

16. **Anuradha** and Singh J. (2021). Heavy Metal Pollution and Its Impact on Health, *Global Challanges to Environment*. Ed. by Dr. Mitra Pal Singh, Aadhyayan publishers and distributors New Delhi. chapter 28, pp. 299-308. **(ISBN 978-81-952007-4-0)**

17. **Anuradha**, Kumar K. and Singh J. (2021). Environmental Pollution and Their Socioeconomic Effects, *Pollution & Its Impact Upon Flora and Fauna.* Ed. by Dr. Mitra Pal Singh. Chapter 10, pp. 95-124. **(ISBN 978-93-90870-65-3)**

18. **Dev K.** (2022) DFT of TM Clusters on Monolayers: *Scope and Challenges of Science, Engineering and Technology*. Anvi Books and Publishers: New Delhi **(ISBN 978-93-90856-29-9)**

19. **Anuradha** and Singh J. (2022). Microbial Activities and their Importance in Crop Production, *Application of Microbes in Environmental and Microbial Biotechnology.* Environmental and Microbial Biotechnology, Inamuddin et al. (eds.), Springer Nature Singapore Pte. Ltd. Chapter 17, pp. 501-518. **(ISBN 978-981-16-2224-3)**

20. **Khare, R. K.**, Yadav, V. K. and Singh, M. **(**2022). A Review of Animal Discoveries in India Since 2013 to 2020. *Scope and Challenges of Science, Engineering and Technology*. Anvi Books & Publishers, New Delhi. Chapter 1, pp 1-9 **(ISBN 978-93-90856-29-9)**

21. **Omar, I.,** Asthana, G. and Asthana, A. K. **(**2022). Scope and challenges in the study of Moss family Miniaceae (Bryophyata) in India. *Scope and Challenges of Science, Engineering and Technology*. Anvi Books & Publishers, New Delhi. Chapter 3, pp 29-35 **(ISBN 978-93-90856-29-9)**

22. **Verma M. K. and Saroniya R. K. (**2022). Role of Agroforestry in land productivity management. *Scope and Challenges of Science, Engineering and Technology*. Anvi Books & Publishers, New Delhi. Chapter 11, pp 147-156 **(ISBN 978-93-90856-29-9)**

23. **Anuradha,** Singh, J. and Agrawal, A.k. (2022). Climate Change and Public action. Indian Education System and National Education Policy-2020. Neelkamal Prakashan, New Delhi. Chapter 24, P.233-236 **(ISBN 978-93-93248-35-0)**

C- RESEARCH PAPERS:

1. Sahu V. and **Sahu D. K**. (2017). Study of Highly Geo effective Events of Solar Cycle 23. *Innovation The Research Concept* Vol.**2**, Issue 11, pp.25-30. **(ISSN 2456-5474)**

2. **Suroothiya A.** and **Sahu D. K.** (2017). Comparative Study of Traditional and Modern Library. *Innovation The Research Concept* Vol.**2**,Issue 10,pp. 42-44. **(ISSN 2456-5474)**

3. **Suroothiya A.** and **Sahu D. K.** (2017) Spoken Tutorial: An Innovative Tool of Present Higher Education System. *International Journal of Research in Economics and Social Sciences (IJRESS)* Vol.**7**,Issue 12,pp.378-380 **(ISSN 2249-7382)**

4. **Sahu D. K.** and Yadav V.S.(2017) Dielectric properties in Ethyl Cellulose (EC) polymer thin films. *Indian Journal of Innovative Research* Vol.**1**,Issue 4.pp.40-43 **(ISSN 2581-5431)**

5. **Khare, R. K.** *(*2017). Study of Pseudobatrachus (Capingentidae: Caryophyllidea) tapeworm- a review article. *Flora and Fauna.* **23**(2):379-382. **(ISSN 0971-6920)**

6. Asthana A.K., Asthana G., Srivastava P. and **Omar I.** (2017). Three mosses new to South India. *Geophytology* **47** (2): 145-153. (**ISSN: 0376-5561**)

7. Asthana, A.K., Srivastava P. and **Omar I.** (2017). *Frullania larjiana* S.K. Singh & D.K. Singh, a new Addition to South Indian Bryoflora. *National Academy Science Letters* **40** (6): 451-453. (**ISSN: 2250-1754**)

8. **Singh V**. and Rana D. S. (2017). A study of electrification of vehicles in India. *Socio- Economic Perspective.* Vol.**5**, Issue 1. 1-7 **(ISSN 2321-5607)**

9. **Verma, M. K. and Saroniya, R. K.** (2018). Plant biodiversity: Environmental impact and future threats. *International Journal of Botany Studies,* Vol. **3**(1); pp. 29-32. (**ISSN: 2455-541X)**

10. **Kumar, S.,** Verma, A., Pal, S. and Sinha, I. (2018). Curcumin-Functionalized Ag/Ag2O Nanocomposites: Efficient Visible-Light Z-scheme Photocatalysts. *Photochemistry and Photobiology*, **94** (4), 641-649. **(ISSN 1751-1097)**

11. **Sahu D. K.**, Gupta Amit and Yadav V.S. (2019). Study of Electrical Conductivity of Poly (Methyl Acrylate) PMA Polymer Thin Film. *International Journal of Advanced Research in Science & Technology (IJARST)* Vol.**2**,Issue 3, pp.63-67 **(ISSN 2581-9429)**

12. Madhulika Tripathi, Brijesh K. Singh, **Manish Kumar Verma** (2019): Role of Nutritional Supplement in Combating Hyperhomocysteinemia Induced Pregnancy Complications, Indian Society for the Study of Reproduction and Fertility, Centre for Advanced Studies, Department of Zoology, University of Rajasthan, Jaipur – 302 004, India. 2019:58-59. **ISSN 2395-2806.**

13. Tripathi M, Singh B K and **Verma M K** (2019)**:** Role of Nutritional Supplement In Combating Hyperhomocysteinemia Induced Pregnancy Complications, *ISSRF Newsletter.* Issue 24:58-59. (**ISSN:2395-2806)**

14. **Verma M K**, Pal A (2019): Species diversity, dominance and equitability in tropical dry deciduous forest of Bundelkhand region, India. *Biodiversity Int J.,* **3**(4):145–154. **(EISSN: 2575-906X)**.

15. Jagvir Singh and **Anuradha** (2019). Synthesis and Spectral Studies of Some Bioactive Transition Metal Complexes of [bis-2-(4-Fluorophenyl) prop-2-enaln] ethane-1,2-diamine, Asian Journal of Chemistry, Vol. **31**(10), pp. 2357-2360

16. **Khare, R. K.** (2019). The influence of body temperature on cestode infection in freshwater fish,*Mastacembelus armatus. Flora and* Fauna. **25***(1): 63-65.* **(ISSN 0971-6920)**

17. **Kumar, S., Pal,** S., Kuntail, J. and Sinha, I. (2019). Curcumin functionalized CuO/Agnanocomposite: Efficient visible light Z-scheme photocatalyst for methyl orange degradation. *Environmental Nanotechnology, Monitoring & Management,* 12, 100236-100245. **(ISSN 2215-1532)**

18. Ellis L., **Omar I.,** Asthana A.K. *et al* (2019). New National and regional bryophyte records, 60, *Journal of Bryology* **41** (3): 285-299. (**ISSN: 0373-6687**)

19. **Kumar,** S., Pal, S., Kuntail, J., Kumar De, A. and Sinha, I. (2019). Construction of a Visible Light Z-scheme Photocatalyst: Curcumin Functionalized Cu2O/Ag Nanocomposites. *ChemistrySelect*, **4** (36), 10709-10718. **(ISSN 2365-6549)**

20. Nayak, P., **Kumar, S**., Sinha, I. and Singh, K. K. (2019). ZnO/CuO nanocompositesfrom recycled printed circuit board: preparation and photocatalytic properties. *Environmental Science and Pollution Research*, **26** (16), 16279-16288. **(ISSN1614-7499)**

21**. Saroniya, R. K., Verma, M. K. and Khare, R. K.** (2020). Environmental legislations in India since independence. *International Journal of Current Research*, **12** (09), pp. 13689-13692. **(ISSN: 0975-833X)**

22. **Verma, M. K. and Saroniya, R. K.** *(*2020). A Review of Sustainable Eating and Eco-Friendly Diets. *Flora and Fauna*, Vol. **26** (2), pp. 257- 260. **(ISSN 0971 - 6920)**

23. **Saroniya, R. K. (2021).** Taxonomic status of *Puntius* species found in India: a historical review. *International Journal of Zoology Studies,* Vol. **6** (2), pp. 44-46. (**ISSN: 2455-7269**)

24. Sagar J. S. , **Sahu D. K.,** Rewatkar K.G.(2020). Review on Property of Ca- Hexa Ferrites in Material Development. *European Journal of Molecular & Clinical Medicine*,Vol.**07**, Issue 03,pp.4011-4037. **(ISSN 2515-8260)**

25. Giri S., **Sahu D. K.** and Rewatkar K.G.(2020). Influence of Aluminium ion substitution on Structural and Magnetic Properties of nano-structured $BaFe_{12}O_{19}$ Powder. *Dogo Rangsang Research Journal* Vol.**10**, Issue 09.pp.15-25.**(ISSN 2347-7180)**

26. Giri S., **Sahu D. K.** and Rewatkar K.G.(2020) Structural, Electrical and Magnetic properties of La/Al substituted nano Barium Hexaferrites (Page No. 4011-4037) Dogo Rangsang Research Journal Vol.**10**, Issue 11pp.4011-4037.**(ISSN 2347-7180)**

27. Giri S., **Sahu D. K.** and Rewatkar K.G.(2020) Effect of Aluminium ion substitution on magnetic properties of nanosize Barium Hexaferrite. *Journal of Seybold Report.* Vol.**15***,* Issue 07,pp.586-594 **(ISSN 1533-9211)**

28. **Suroothiya A.** and **Sahu D. K.** (2020) National Education Policy 2020: Digital Education Plans and Its Significance. *Dogo Rangsang Research Journal* Vol.**11**, Issue 11,pp.110-113 **(ISSN 2347-7180)**

29. **Suroothiya A.** and **Sahu D. K.** (2020) Information Literacy as a Catalyst for Learning in Modern Libraries. *International Journal of Advanced Research in Science and Technology (IJARST)*Vol.**2**,Issue 4,pp.37-39 **(ISSN 2581-9429)**

30. **Khare, R. K.** *(2020).* A new tapeworm, *Circumonchobothrium (Postovilata) betwaensis* n. subg., n.sp. (Cestoda : Pseudophyllidea) from freshwater fish in India. . *Flora and* Fauna. **26**(1): 164-166. **(ISSN 0971-6920)**

31. De, A. K., Majumdar, S., Pal, S., **Kumar, S.** and Sinha, I. (2020). Zn doping inducedband gap widening of Ag2O nanoparticles. *Journal of Alloys and Compounds*, 832,154127. **(ISSN 0925-8388)**

32. **Omar I.,** Nair M.C., Asthana A.K. and Asthana G. (2020). *Orthomnion javense* (Mniaceae, Bryophyta), new to India and Nepal. *Phytotaxa* **432** (3): 283-288. (**ISSN: 1179-3163**)

33. Verma, A., Shukla, M., **Kumar, S.,** Pal, S. and Sinha, I. (2020). Mechanism of visiblelight enhanced catalysis over curcumin functionalized Ag nanocatalysts. Spectrochimica Acta Part A: *Molecular and Biomolecular Spectroscopy*, 240, 118534. (**ISSN: 1386-1425)**

34. **Omar I.**, Sahu V. and Asthana A.K. (2020). A study on some taxa of family Mniaceae (Bryophyta) in Darjeeling (West Bengal), India. *Plant Science Today.* **7** (2): 193-200. (**ISSN: 2348-1900**)

35. Pal, S., **Kumar, S.**, Verma, A., Kumar, A., Ludwig, T., Frank, M. and Sinha, I. (2020).Development of magnetically recyclable visible light photocatalysts for hydrogenperoxide production. *Materials Science in Semiconductor Processing*, 112, 105024. **(ISSN: 1369-8001)**

36. **Omar I.,** Asthana G. and Asthana A.K. (2020). *Plagiomnium insigne* (Mitt.) T.J. Kop. (Mniaceae): New to Asian Bryoflora. *National Academy Science Letters* **44** (1): 71-74. (**ISSN: 2250-1754**)

37. **Omar I.,** and Asthana A.K. (2020). **भारत में निएसी कुल (ब्रायोफाइटा) की विविधता एवं उनसे प्राप्त होने वाले कुछ महत्वपूर्ण यौगिक। विज्ञान वाणी** **26**: 60-64. (**ISSN: 0972-3951**)

38. **Sahu D. K., Dev K.** and **Dwivedi B.** (2021). Thermally Stimulated Depolarization Studies of Methyl Acrylic Acid (MAA) Doped Ethyl Cellulose (EC). *International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology*,Vol.**12**,Issue 1,pp.345-353. **(ISSN 2581-9429)**

39. **Verma, M. K. and Saroniya, R. K.** *(*2021). A Study and Properties of Carbon Credit: Used for Green Environment. *Accent Journal of Economics Ecology & Engineering,* **6** (7), pp. 122-126. **(ISSN: 2456-1037**)

40. **Saroniya, R. K. and Verma, M. K.** (2021**).** An analytical approach for the integration of biodiversity with sustainability. *Accent Journal of Economics Ecology & Engineering,* **6** (8), pp. 163-169. **(ISSN: 2456-1037**)

41. **Dev K.**, Saxena S. and **Dwivedi B.** (2021). Monolayer Graphene and Borophene Behaviour after the Doping of 4d-Transition Metals. *GIS Science Journal*. Volume-**8** pp.989-999. **(ISSN 1869-9391)**

42. **Dev K.** and Kumar S. (2021). MHD 2D Laminar Flow Through Porous Medium with Heat Transfer. *International Journal of Research and Analytical Reviews* . Volume-**8** pp.389-392 **(ISSN 2348-1269)**

43. **Dev K.**, Saxena S. and **Dwivedi B.** (2021). 3d- Transition Metal Doping on MoS2 Monolayer. *Mukt Shabd Journal*. Volume. X, pp. 637-349. **(ISSN 2347-3150)**

44. **Dev K.**, Saxena S. and Bhadoria B.S. (2021). Doping of 3d-Transition Metal on Monolayer of grapheme and borophene. *International Journal of Recent Technology and Engineering (IJRTE).* Volume-X pp.1-8. **(ISSN 2277-3878)**

45. Kumar S. and **Dev K.** (2021). Nitrate removal by activated carbon prepared from Prosopis Cineraria Bark. *Innovation: The Research Concept.* Volume **6,** issue 11 pp. 39-42. **(ISSN 2456-5474)**

46. **Dev K.**, Saxena S. and Bhadoria B.S. (2021). Super material borophene: Next generation of graphene. *Asian Journal of Chemistry*. Volume **-7,** pp.675-683. **(ISSN 0970-7077)**

47. Giri S., **Sahu D. K.** and Rewatkar K.G.(2021). Study of Structural and Magnetic Properties of Aluminium Substituted Nanosize Barium Hexaferrite Prepared by Sol – Gel Auto Combustion Technique. *Bulletin of Materials Science-Springer*.pp.44-124.pp.1-8 **(ISSN 0250-4707)**

48. **Khare, R. K.** *(2021).* Study of cestode infection in relation to the sex of the host fish, Mastacembelus armatus **.** *Flora and Fauna.* **27**(2): 308-310. **(ISSN 0971-6920**

49. Ellis L.T., Srivastava P., **Omar, I.** and Asthana A.K. et al. (2021). New national and regional bryophyte records, 65. *Journal of Bryology* **43**:1 67-91. **(ISSN: 0373-6687**)

50. Shukla, M., Verma, A., **Kumar, S**., Pal, S. and Sinha, I. (2021). Experimental and DFT calculation study of interaction between silver nanoparticle and 1-butyl-3-methyl imidazolium tetrafluoroborate ionic liquid. *Heliyon,* 7 (1), e06065. **(ISSN: 2405-8440)**

51. Kuntail, J., Verma, A., **Kumar, S.** and Sinha, I. (2021). Photo-Fenton interfacial phenomena on graphene oxide: Computational and experimental investigations. *Journal of Molecular Liquids*, 342, 117461. **(ISSN: 0167-7322)**

52. Pal, S., Kumar, A., **Kumar, S.**, De, A. K., Prakash, R. and Sinha, I. (2022). Visible light photocatalysis on magnetically recyclable Fe3O4/Cu2O nanostructures. *Catalysis Letters,* 1-13. **(ISSN 1011-372X)**

महाविद्यालय का परिदृश्य वर्ष 2002

अतीत के झरोंखों में महाविद्यालय

अद्भुत नींबू का वृक्ष

महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के अहाते में नींबू का एक पुराना वृक्ष स्थित है जो कि प्रकाश अनुवर्तन गति के कारण महाविद्यालय की छत से भी कई फीट ऊपर पहुँच चुका है तथा प्रतिवर्ष पाँच सौ से अधिक नींबू का उत्पादन कर रहा है। वृक्षारोपण प्रभारी डॉ. रीतेश कुमार खरे के नेतृत्व में इसकी लम्बाई का मापन किया गया। वर्तमान में इसकी कुल लम्बाई 33फीट 4 इंच है। जो निश्चित ही अपने आप में एक रिकार्ड है।

सुई धागा फिल्म की शूटिंग

वर्ष 2018 में रिलीज हुयी फिल्म सुई धागा जो कि मेड इन इण्डिया थीम पर आधारित है के कुछ अंशो की शूटिंग महाविद्यालय में की गयी इस फिल्म में वरूण धवन एवं अनुष्का शर्मा मुख्य कालाकार है

शिक्षक सम्मान समारोह 2021

यह समारोह 05 सितम्बर 2021 को नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर के तुलसी सभागार में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में जनपद ललितपुर में विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत 75 शिक्षकों को माननीय मंत्री श्री मनोहर लाल पंथ एवं माननीय विधायक श्री रामरतन कुशवाहा जी द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें से इस महाविद्यालय से प्राचार्य प्रो० केशव देव एवं प्राध्यापकों में डॉ० मनीष कुमार वर्मा, डॉ० रबीन्द्र कुमार सरौनियां, श्रीमती अर्चना सूरौठिया, डॉ० देवेन्द्र कुमार साहू, श्रीमती अनुराधा एवं डॉ० रीतेश कुमार खरे को सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय में रूसा के अन्तर्गत कराये गए कार्य

लाईब्रेरी का ऑटोमेशन

सोलर सिस्टम की स्थापना

स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना

ओपन जिम की स्थापना

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

महाविद्यालय के वृक्षारोपण कार्यक्रम की झलकियाँ

39 वां वार्षिक क्रीड़ा एवं पुरस्कार वितरण समारोह
दिनांक- 03,04 फरवरी 2020

41 वां वार्षिक क्रीड़ा एवं पुरस्कार वितरण समारोह
दिनांक- 03,04 मार्च 2022

बी.एस-सी. प्रथम वर्ष मैथ

बी.एस-सी. प्रथम वर्ष बायो

बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष मैथ

बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष बायो

बी.एस-सी. तृतीय वर्ष मैथ

बी.एस-सी. तृतीय वर्ष बायो

बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

बी.कॉम तृतीय वर्ष

महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा मणि सोनी द्वारा बनाया गया महाविद्यालय का चित्र

महाविद्यालय पत्रिका संपादक मण्डल

महाविद्यालय परिवार

प्रथम पंक्ति (बाये से दाये खड़े हुये)- श्री छोटेलाल, श्री पुरूषोत्तम, श्री रामसागर सरोज, डॉ. रीतेश कुमार खरे, श्री विजेन्द्र सिंह, श्री बारीष कुमार द्विवेदी, डॉ. सुनील कुमार, सुश्री इच्छा ओमर
द्वितीय पंक्ति (बाये से दाये बैठे हुये)- श्री चन्द्रकुमार लोहिया, डॉ. देवेन्द्र कुमार साहू, डॉ. मनीष कुमार वर्मा, प्रो. केशव देव (प्राचार्य),डॉ. रवीन्द्र कुमार सरौनियां, श्रीमती अर्चना सूरौठिया, श्रीमती अनुराधा

रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय,ललितपुर उ.प्र.

महाविद्यालय का पार्श्व दृश्य

website: www.gdclalitpur.ac.in
Email : principalrsgdclalitpur@gmail.com
Mob : 94500 35959, 73555 94737

पता– नवीन गल्ला मण्डी,के पीछे झांसी–सागर नेशनल हाईवे,रामनगर,ललितपुर उ.प्र.